रांची
www.vananchaleye@gmail.com
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
हर खबर पर पहली नजर
₹5
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:64 | शनिवार,08 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

बाबा बागेश्वर की सनातन एकता पदयात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार, 7 नवंबर को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की 10 दिवसीय पदयात्रा शुरू की। 145 किलोमीटर की इस पदयात्रा का उद्देश्य हिंदू एकता को बढ़ावा देना, जाति-आधारित भेदभाव को मिटाना और शांति, राष्ट्रवाद और सनातन मूल्यों का संदेश फैलाना है। यह पदयात्रा 16 नवंबर तक जारी रहेगी। पदयात्रा के शुभारंभ अवसर पर बोलते हुए, शास्त्री जी ने कहा कि यह हमारे जीवनकाल की दूसरी पदयात्रा है। हम हिंदुओं में जागृति चाहते हैं। जातिवाद और भेदभाव का अंत होना चाहिए। हम इस देश में जातिवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद चाहते हैं। हमारे और आपके हिंदू बच्चे सुरक्षित रहें और देश का इस्लामीकरण न हो। दंगे न हों; गंगा का प्रवाह हो। इसीलिए हम यह पदयात्रा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश सबका है। यह हर उस पार्टी की पदयात्रा है जिसमें हिंदू हैं। अगर जाति-आधारित झगड़े खत्म हो जाएँ, तो हिंदू एकजुट हो जाएँगे। पूरे भारत से लगभग 40,000 प्रतिभागियों ने इस पदयात्रा के लिए पंजीकरण कराया है। प्रत्येक दिन की शुरूआत राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा से होगी, जिसके बाद हिंदू एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से सात दैनिक प्रतिज्ञाएँ ली जाएँगी। प्रत्येक दिन की शुरूआत राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा से होगी, जिसके बाद हिंदू एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से सात दैनिक प्रतिज्ञाएँ ली जाएँगी।शास्त्री ने स्पष्ट किया कि हम मुसलमानों के विरुद्ध नहीं, बल्कि हिंदुओं के समर्थन में मार्च कर रहे हैं। हम हर गाँव और गली तक पहुँचकरसभी हिंदुओं के लिए लड़ रहे हैं। हमारा एकमात्र उद्देश्य हिंदू एकता और सनातन एकता है।

सीबीआई ने सीसीएल के मैनेजर को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने झारखंड के सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के डाकरा प्रोजेक्ट ऑफिस के मैनेजर और पर्सनल- एचआर दीपक गिरी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। आरोपी ने शिकायतकर्ता से 50 हजार रुपये की रिश्वत स्वीकार की। सीबीआई के मुताबिक एजेंसी ने गुरुवार को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने सहानुभूतिपूर्ण आधार पर नियुक्ति की प्रक्रिया के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। आरोपी ने 50 हजार रुपये की पहली किस्त स्वीकार करने पर सहमति जताई।

वंदे मातरम् सिर्फ शब्द नहीं, भारत की आत्मा और संकल्प का स्वर : पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली:शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक शब्द नहीं, बल्कि यह एक मंत्र, एक ऊर्जा, एक सपना और एक संकल्प है। यह गीत मां भारती के प्रति भक्ति और समर्पण की प्रतीक भावना है, जो हमें अपने अतीत से जोड़ता है, वर्तमान में आत्मविश्वास भरता है और भविष्य के लिए साहस देता है। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वर्षभर चलने वाले स्मरणोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने वंदे मातरम् पर विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। उन्होंने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था, जिसने विभाजन के बीज बोए और इस प्रकार की विभाजनकारी

- कार्यक्रम में मोदी ने विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी किया जारी
- कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा– 1937 में हटाए गए वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण छंद
- आज भी देश के लिए बड़ी चुनौती है विभाजनकारी मानसिकता
- 'ऑपरेशन सिंदूर' में दुनिया ने देखा कि भारत जानता है दुर्गा का रूप धारणकरना

मानसिकता देश के लिए आज भी बहुत बड़ी चुनौती है। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक

स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। अपने संबोधन में आगे उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का मूल भाव है भारत मां भारती भारत की शाश्वत संकल्पना। जब यह चेतना शब्दों और लय के रूप में प्रकट हुई, तब वंदे मातरम्

स्वतंत्रता सेनानियों के लिए प्रेरणा था यह गीत

भी यह आजादी की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। बंकिम बाबू ने मां भारती को ज्ञान की देवी सरस्वती समृद्धि की देवी लक्ष्मी और शक्ति की देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया। यही भाव आज भारत को विज्ञान तकनीक रक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अग्रणी बना रहा है। जब भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर कदम रखा, जब हमारी बेटियां फाइटर जेट उड़ाने लगीं या विज्ञान से लेकर खेल तक नई ऊंचाइयां छूने लगीं तो हर भारतीय के दिल से एक ही स्वर निकला भारत माता की जय, वंदे मातरम्। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् केवल स्वतंत्रता का गीत नहीं बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है। उन्होंने इस अवसर पर सभी ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया जिन्होंने वंदे मातरम् का उद्घोष करते हुए अपना जीवन न्योछावर किया।

जैसी रचना सामने आई। गुलामी के दौर में यही उद्घोष भारत की स्वतंत्रता का संकल्प बन गया था। वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम का स्वर बन गया, जो हर क्रांतिकारी की जुबान पर और हर भारतीय की भावना में रचा-बसा था। प्रधानमंत्री ने वंदे मातरम् को हर युग में प्रासंगिक बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, जब दुश्मन ने आतंकवाद का इस्तेमाल करके हमारी सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि भारत दुर्गा का रूप धारण करना जानता है। प्रधानमंत्री ने वंदे मातरम् के 150 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को भी याद करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चटर्जी ने जब 1875 में इसे बंगदर्शन में प्रकाशित किया, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन की आत्मा बन जाएगा। 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस अधिवेशन में इसे गाया जबकि 1905 में बंग भंग आंदोलन के दौरान यह विरोध का प्रमुख नारा बना। प्रधानमंत्री ने वंदे मातरम् के 150 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को भी याद करते हुए कहा।

सीएम हेमंत ने बाबूलाल को बताया बैल, कहा पिछले 25 साल में सबसे ज्यादा मतदान

एजेंसी

घाटशिला :घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में शुक्रवार को सीएम हेमंत सोरेन आए। धालभूमगढ़ के नरसिंहगढ़ हाट मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में जो भी उद्योग-धंधे लगाएंगे या चला रहे हैं, उस कंपनी को 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार देना होगा। जो कंपनी स्थानीय को रोजगार नहीं देगी, उसे कंपनी स्थापित नही करने दिया जाएगा। सरकार राज्य में बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। 11 नवंबर को घाटशिला में उपचुनाव होने वाला है, 13 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला धनबल, जनबल और अपने आप को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी कहने वाली भाजपा से ही झामुमो का है। वे लोग आप लोगों को विभिन्न प्रकार का लोभ-लालच देंगे, लेकिन उसमें

फसना नहीं है। भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन पर तंज कसते हुए सीएम ने कहा कि झामुमो में खा-पीकर मोटे हो गए और जब काम करने का समय आया तो हल भाजपा का जोत रहे हैं। ऐसे धोखेबाज प्रत्याशी से आपलोगों को बचकर रहना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने घाटशिला विधानसभा के विकास को लेकर कई सपने देखे थे। उनके कारण ही मुसाबनी में इंजीनियरिंग कॉलेज और जनजातीय विश्वविद्यालय बनाने की स्वीकृति दी गई थी। दुर्भाग्यवश आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके अधूरे सपने को आपका आशीर्वाद मिला तो सोमेश सोरेन पूरी मेहनत से पूरा करेंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा गरीब, मजदूर एवं किसान विरोधी पार्टी है। झारखंड बने 25 साल हो गए, 18 साल तक इसी पार्टी ने झारखंड में राज किया और राज्य को लूटकर खोखला बना दिया।

हर मोर्चे पर हेमंत सरकार विफल : अर्जुन मुंडा

शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा घाटशिला पहुंचे, जहां उन्होंने प्रेस वार्ता कर राज्य की मौजूदा सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के पक्ष में समर्थन जताते हुए दावा किया कि जनता इस बार परिवर्तन के लिए तैयार है। मुंडा ने कहा कि झारखंड को राज्य बने 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। उन्होंने एक शिशु के रूप में राज्य की तुलना करते हुए कहा कि राज्य की उम्र भले ही 25 वर्ष हो गई हो, लेकिन विकास की गति अभी भी बेहद धीमी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा-

अगले वर्ष कर सकता हूं भारत की यात्रा

संवाददाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भारत की यात्रा कर सकते हैं। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में एक सवाल पर कहा, वह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं। वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। हम इस पर विचार कर रहे हैं। मैं जाऊंगा। मैंने वहां प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक शानदार यात्रा की थी। वह एक अच्छे व्यक्ति हैं। मैं फिर जाऊंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले साल भारत की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया, हां, हो सकता है। गौरतलब है कि भारत नई दिल्ली में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेता भाग लेंगे। इससे पहले 2024 का शिखर सम्मेलन विलमिंगटन (डेलावेयर) में आयोजित हुआ

भारत के प्रधानमंत्री मोदी को बताया अपना मित्र और अच्छा व्यक्ति

था। बहरहाल, भारत में होने वाले सम्मेलन की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत ने रूससे खरीदारी बंद कर दी है।

चाईबासा में बालू तस्करी का विरोध करने पर युवक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या

विरोध में सड़क पर उतरे लोग, घंटों किया प्रदर्शन

संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत जैतगढ़ ओपी क्षेत्र के मुंडाई गांव में बालू तस्करी का विरोध करने पर दीपक प्रधान नामक एक युवक की कथित तौर पर ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी गई। है। वारदात की जानकारी शुक्रवार को इलाके में फैली तो लोग सड़क पर उतर आए। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर घंटों प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस-प्रशासन और बालू माफिया के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि मुंडाई और आसपास के

इलाकों में लंबे समय से अवैध बालू खनन और ढुलाई का धंधा बेखौफ चल रहा है, लेकिन पुलिस और खनन विभाग की चुप्पी ने बालू माफियाओं के हौसले बुलंद कर दिए हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दीपक प्रधान इस अवैध कारोबार का विरोध करते थे और इसी कारण उन्हें निशाना बनाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। ग्रामीणों को समझाने-बुझाने के बाद जाम समाप्त कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल से ट्रैक्टर जब्त कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जगन्नाथपुर थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दीपक प्रधान अवैध खनन के विरोध में सक्रिय थे। गाड़ी रोकने के दौरान हादसा हुआ,

अनुराग गुप्ता को डीजीपी पद से हटाए जाने पर बाबूलाल मरांडी का तंज

देर से सही, पर मेरे सुझाव पर अमल कर इस्तीफा लिया

संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पिछले दिनों प्रदेश के डीजीपी अनुराग गुप्ता के ऐच्छिक सेवानिवृत्ति/इस्तफे और उनकी जगह नए प्रभारी डीजीपी की नियुक्ति पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। श्री मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देर से ही सही, लेकिन अंततः उनके सुझाव पर अमल किया और विवादित डीजीपी को हटाया। श्री मरांडी ने आगे कहा, 'भगवान का शुक्र है कि इन्हें आपने बाहर का रास्ता दिखाया वरना आगे क्या-क्या देखने और झेलने पड़ते?' उन्होंने यह भी

दोहराया कि विपक्ष लगातार सरकार की अवैध नियुक्तियों और मनमानी पर सवाल उठाता रहा है और अनुराग गुप्ता की नियुक्ति को असंवैधानिक बताया था। 'हमने बार-बार आगाह किया कि इस पर शीघ्र कार्रवाई होनी चाहिए – अब जाकर नींद टूटी और मजबूरन इस्तीफा लिया गया,' उन्होंने कहा। साथ ही मरांडी ने शाब्दिक व्यंग्य में मुख्यमंत्री को एक सलाह भी दे डाली। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की नीति रही है कि 'जितना बड़ा दुराचारी, उतना बड़ा पदाधिकारी।' इसलिए उसी परंपरा को कायम रखते हुए अनुराग गुप्ता को किसी सम्मानजनक पद पर तुरंत नियुक्त कर दिया जाए। मरांडी ने कहा कि इससे 'आप दोनों के हित सुरक्षित रहेंगे और आपके बीच के सारे राज भी राज ही बने रहेंगे।' श्री मरांडी ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि कहीं ऐसा न हो कि यह व्यक्ति बाद में 'घर का भेदी' बनकर सरकार के खिलाफ।

सम्मान | झारखंड को मिली पहली महिला पुलिस प्रमुख पदभार ग्रहण के बाद बोलीं डीजीपी तदाशा मिश्र

राज्य में बेहतर पुलिसिंग के लिए उठाएंगे हर जरूरी कदम

संवादाता

रांची : 1994 बैच की आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा ने शुक्रवार को झारखंड की प्रभारी डीजीपी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। झारखंड के 25 वर्षों के इतिहास पहली बार किसी महिला अधिकारी ने राज्य के पुलिस प्रमुख की कमान संभाली है। उन्होंने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पदभार संभाला और इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कांके स्थित आवासीय कार्यालय में उनके शिष्टाचार भेंट की। तदाशा मिश्रा इससे पहले राज्य के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत थीं। तदाशा मिश्रा मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली हैं। वे झारखंड पुलिस में एडीजी, आईजी, गिरिडीह और बोकारो की एसपी, रांची की सिटी एसपी सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। प्रभारी डीजीपी का कार्यभार ग्रहण करने के बाद तदाशा मिश्रा ने मीडिया से बात करते हुए अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग को लेकर झारखंड सरकार के विजन को धरातल पर उतारने की पूरी कोशिश होगी। मिश्रा ने कहा कि पुलिस कार्रवाई का

वास्तविक परिणाम बेहतर अनुसंधान (इन्वेस्टिगेशन) से सामने आता है, इसलिए जांच की गुणवत्ता को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही अभियोजन प्रणाली को अधिक प्रभावी, त्वरित और सशक्त बनाने की आवश्यकता है ताकि अपराधियों को शीघ्र सजा मिल सके। उन्होंने निचले स्तर के पुलिसकर्मियों से अपील की कि वे आम नागरिकों से शालीनता और सम्मानपूर्वक व्यवहार करें। उल्लेखनीय है कि पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपनी ऐच्छिक सेवानिवृत्ति का आवेदन दिया था, जिसे सरकार ने स्वीकार करते हुए उन्हें 6 नवंबर को रिटायर कर दिया। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी, अनुराग गुप्ता, जुलाई 2024 से प्रभारी डीजीपी के रूप में कार्यरत थे। विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने उन्हें पद से हटाया था, लेकिन चुनाव प्रक्रिया पूरी होने पर नवंबर 2024 में फिर बहाल किया गया था। राज्य सरकार ने फरवरी 2025 में डीजीपी नियुक्ति के लिए नई नियमावली लागू की थी, जिसके तहत गुप्ता को दो वर्ष के लिए नियमित डीजीपी बनाया गया था। हालांकि, इस पर केंद्र सरकार और यूपीएससी ने आपत्ति जताई थी। सितंबर में उनसे एसीबी डीजी का प्रभार हटाए जाने के बाद उनके पद से हटने की अटकलें तेज थीं।

सुप्रीम कोर्ट का देश के सभी राज्यों को आदेश

स्कूल, अस्पताल, बस अड्डों से आवारा कुत्तों को हटाएं

एजेंसी

नई दिल्ली : देशभर में कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा आदेश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि अब सभी शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों को इस तरह से घेरा जाए कि आवारा कुत्ते इन परिसरों में प्रवेश न कर सकें। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर होम्स में रखा जाएगा और उन्हें वापस उसी स्थान पर नहीं छोड़ा जाएगा। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस

एन.वी. अंजारिया की पीठ ने यह आदेश सुनाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि स्थानीय निकाय (नगर निगम, नगर पालिका, पंचायत आदि) इस प्रक्रिया की निगरानी करें। अदालत ने कहा कि पकड़े गए कुत्तों का टीकाकरण और नसबंदी कर उन्हें शेल्टर में रखा जाए। इन स्थानों पर नियमित जांच की जाए ताकि दोबारा आवारा कुत्तों का ठिकाना न बने। सुप्रीम कोर्ट ने केवल कुत्तों पर ही नहीं, बल्कि आवारा मवेशियों पर भी सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सभी राज्यों को आदेश दिया कि सड़कों और हाइवे पर घूमने वाले मवेशियों को तुरंत हटाया जाए और उन्हें गोशालाओं या शेल्टरों में भेजा जाए। अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि इस दिशा में एक राज्यव्यापी अभियान चलाया जाए। कोर्ट ने सड़क परिवहन विभाग, नगर निगम प्राधिकरण और एनएचएआई को जिम्मेदारी दी है।

महागठबंधन प्रत्याशी सोमेश सोरेन के समर्थन में कांग्रेस ने तेज किया जनसंपर्क अभियान

रांची, संवाददाता ।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर जिला कांग्रेस कमेटी ने महागठबंधन प्रत्याशी सोमेश सोरेन के समर्थन में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रामदास सोरेन असामयिक निधन के बाद यह उपचुनाव उनकी राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर है. महागठबंधन ने उनके पुत्र सोमेश सोरेन को प्रत्याशी बनाकर जनता के बीच भेजा है और आज सही मायनों में उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब घाटशिला की जनता भारी मतों से सोमेश सोरेन को विजयी बनाकर विधानसभा भेजेगी. पूरे देश में भाजपा चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को कमजोर करने में लगी है. ऐसी ताकतों से सतर्क रहने की जरूरत है ताकि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की जा सके.

जनता विकास और रोजगार चाहती है

झारखंड में महागठबंधन की सरकार जनता के विकास, अधिकार और सम्मान के लिए निरंतर कार्य कर रही है. जबकि भाजपा केवल धर्म और समुदाय के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति करती है. जनता विकास चाहती है, रोजगार चाहती है, सम्मान चाहती है जो केवल महागठबंधन की सरकार ही दे सकती है. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह चुनाव केवल एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि झारखंड के स्वाभिमान, लोकतंत्र और विकास की रक्षा का चुनाव है. इसलिए जनता से अपील है कि वह विकास, सद्भाव और झारखंड की अस्मिता को मजबूत करने के लिए महागठबंधन प्रत्याशी सोमेश सोरेन को अपना बहुमूल्य समर्थन दें.

ये भी रहे मौजूद

कार्यक्रम में विधायक राजेश कच्छप, सोनाराम सिंकू नमन विक्सल कोगाड़ी, जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह, बादल पत्र लेख, रविंद्र सिंह, अशोक चौधरी, राजीव रंजन प्रसाद, अमूल नीरज खलखो, सतीश पॉल मुजनी, ज्योति सिंह माथारू, आनंद बिहारी विजय यादव, ज्योतिष यादव, कॉलटू चक्रवर्ती, गुरदीप सिंह, रजनीश सिंह ,जसवीर सिंह, आशुतोष सिंह, फिरोज खान, हरिराम टुडू, प्रताप यादव, पवन झा, अपर्णा गुहा, कौशल प्रधान सहित प्रखंड अध्यक्ष, गठबंधन दलों के नेता, वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे.

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे : रांची में सामूहिक रूप से लोगों ने किया राष्ट्रीय गीत का गायन, स्वदेशी अपनाने का लिया संकल्प

रांची, संवाददाता ।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर राजधानी रांची में शुक्रवार को देशभक्ति का माहौल नजर आया. इस ऐतिहासिक दिन को भारतीय जनता पार्टी ने बड़े उत्साह से मनाया. मोरहाबादी मैदान स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया. इस मौके पर रांची के विधायक सीपी सिंह समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, छात्र और आम नागरिक मौजूद रहे. वहीं रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भी खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वंदे मातरम गीत के स्वरों से पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से सराबोर हो गया. युवा और विद्यार्थियों ने एक सुर में गीत गाकर देश के प्रति अपने प्रेम और समर्पण का संदेश दिया. कार्यक्रम के दौरान विधायक सीपी सिंह ने लोगों को विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प दिलाया. उन्होंने कहा कि वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा है. इस गीत ने आजादी की लड़ाई के दौरान करोड़ों भारतीयों को प्रेरणा दी. कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित यह गीत मातृभूमि की स्तुति का प्रतीक है, जो आज भी देशवासियों में जोश और गर्व का संचार करता है. वंदे मातरम का पहला श्लोक 1875 में अक्षय नवमी के पावन अवसर पर लिखा गया था.

रांची सहित पूरे झारखंड में कार्यक्रम का आयोजन

रांची सहित पूरे झारखंड में इस अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. राजधानी में स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भी अपने-अपने संस्थानों में सामूहिक रूप से वंदे मातरम गाकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया. कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत की ऐतिहासिक और भावनात्मक पृष्ठभूमि को प्रदर्शित किया गया.

युवाओं ने स्वदेशी अपनाने का लिया संकल्प

इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कहा कि यह गीत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक रहा है और आज भी स्वाभिमान, एकता और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है. उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे देश की प्रगति में अपनी भूमिका निभाएं और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाएं. इस मौके पर पार्टी कार्यकताओं ने बंकिमचंद्र चटर्जी के योगदान को याद किया और कहा कि वंदे मातरम ने हर युग में भारतीयों को एक सूत्र में बांधने का काम किया है.

लोगों में दिखी देशभक्ति की भावना

रांची में वंदे मातरम के स्वर जैसे-जैसे गूंजे माहौल में देशभक्ति की भावना गहराती गई. लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ वंदे मातरम का उद्घोष किया. कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने के आह्वान के साथ हुआ. यह आयोजन न केवल राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ का उत्सव था, बल्कि यह उस भावना का सम्मान भी था, जिसने भारत को स्वतंत्रता की राह पर अग्रसर किया वंदे मातरम यानी मां भारती की जय.

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मनाया गया गौरवपूर्ण उत्सव

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट में शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक विशेष उत्सव आयोजित किया गया. एयरपोर्ट परिसर में सामूहिक गायन कार्यक्रम हुआ, जिसमें एयरपोर्ट के कर्मियों और सीआईएसएफ जवानों ने पूरे जोश और गर्व के साथ वंदे मातरम गाना गाया. कार्यक्रम के दौरान पूरा एयरपोर्ट परिसर देशभक्ति की गूंज से भर गया. उपस्थित कर्मियों ने इसे भारतीय एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया. इस अवसर पर सभी ने राष्ट्रप्रेम की भावना को सशक्त बनाने का संकल्प लिया. बता दें कि 7 नवंबर 1875 को बंकिमचंद्र चटर्जी ने वंदे मातरण गीत की रचना की थी. यह गाना पहली बार उसी साल साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ था.

बिरसा मुंडा कारा में एनसीसी कैडेट्स ने मनाई वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ

रांची, संवाददाता ।

रांची स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में आज एनसीसी कैडेट्स द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाई गई. इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया. कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया और राष्ट्रप्रेम की भावना को समर्पित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. कार्यक्रम का आयोजन टी. झारखंड बटालियन एनसीसी की ओर से किया गया. इस अवसर पर स्वाति तोमर (जीसीआई) ने कहा कि आज हम बिरसा मुंडा म्यूज़ियम में एकत्र हुए है. हमारे लगभग 300 कैडेट्स इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित है. वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणा स्रोत रहा है, जिसने पूरे देश में देशभक्ति की भावना जगाई. ज्ञात हो कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् को 7 नवम्बर 1875 को पहली बार प्रस्तुत किया गया था. यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीयों के लिए एक राष्ट्रीय प्रेरणा का प्रतीक बना. इस कार्यक्रम के माध्यम से एनसीसी कैडेट्स ने स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और भारत माता के प्रति समर्पण का संकल्प दोहराया.

वंदे मातरम के 150 वर्ष पर विशेष कार्यक्रम में सीयूजे ने दिखाया राष्ट्रप्रेम का जज्बा

रांची, संवाददाता ।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड (सीयूजे) ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरक संबोधन विश्वविद्यालय के सभागार में लाइव प्रसारित किया गया, जिसे कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास की अगुवाई में सभी ने श्रद्धा और उत्साह के साथ सुना. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि एक मंत्र है 'मां भारती की साधना और आराधना का प्रतीक'. उन्होंने कहा कि यह गीत हमें यह विश्वास दिलाता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जो सिद्ध न हो सके. प्रधानमंत्री ने सामूहिक गायन की ऊर्जा और एकता की भावना की भी सराहना की.

कार्यक्रम के दौरान सीयूजे परिवार ने एक स्वर में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण व्यक्त किया. इस अवसर पर कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह अवसर देश सेवा के लिए नए संकल्प का है. कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने 150 रूपया के स्मारक सिक्के और डाक टिकट के विमोचन का सजीव प्रसारण देखा. साथ ही वंदे मातरम से जुड़े वेब पोर्टल के शुभारंभ पर सभी ने उत्साहपूर्वक भागीदारी दिखाई. विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, प्रोफेसर और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. मुख्य रूप से डॉ मनोज कुमार (डीन अकादमिक सह कार्यकारी कुलसचिव), पी. के. पंडा (वित्त अधिकारी), डॉ बीबी मिश्रा (परीक्षा नियंत्रक), डॉ एसके पाण्डेय (पुस्तकालयाध्यक्ष), डॉ अमरेंद्र कुमार (कुलानुशासक), और डॉ अनुराग लिंडा (डीन, छात्र कल्याण) सहित अन्य प्रोफेसर और कर्मचारी उपस्थित थे.

सिंगल यूज प्लास्टिक बैन, फिर धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल, निगम की कार्रवाई तेज

रांची। सिंगल यूज प्लास्टिक बैन होने के बावजूद शहर के कई इलाकों में दुकानदार प्लास्टिक बैग, कप, प्लेट और चम्मच का खुलेआम इस्तेमाल कर रहे हैं. नगर निगम लगातार छापेमारी और निरीक्षण कर रहा है, लेकिन इसका असर सीमित दिख रहा है. झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों के अनुसार, 1 जुलाई 2022 से 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक बैग और सभी प्रकार के सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है. नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले एक महीने में औचक छापेमारियों के दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किये गये. अधिकारी ने कहा कि हाल ही की छापेमारियों में काफी मात्रा में प्लास्टिक बैग, डिस्पोजेबल कप और चम्मच मिले. स्थानीय लोगों का कहना है कि कमजोर निगरानी और जागरूकता की कमी के कारण उल्लंघन जारी है. एक निवासी ने बताया कि हर छोटी दुकान पर प्लास्टिक बैग बिना डर के दिया जा रहा है. नगर निगम ने बाजारों में औचक जांच, चेतावनी और जुमार्ने की कार्रवाई तेज कर दी है. जनवरी 2024 से अब तक निगम ने नियमों के तहत 60 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला है.

रांची में शिशु रोग विशेषज्ञों का तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस पेडिकॉन 25 शुरू

रांची, संवाददाता ।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक की ओर से आयोजित झारखंड पेडिकॉन 2025 की शुक्रवार से शुरूआत हो गई. आयोजन के पहले दिन रिम्स के रठउव में और रानी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में बच्चों और खासकर नवजात शिशुओं की गंभीर स्थिति में उपयोगी इनवेसिव वेंटिलेशन पर कार्यशाला का आयोजन हुआ. शुक्रवार को कार्यशाला में बेसिक इन पीडियाट्रिक वेंटिलेशन और डिफरेंट मोड ऑफ इनवेसिव पीडियाट्रिक वेंटिलेशन और पल्मोनरी ग्राफिक्स पर एम्स, पश्चिम बंगाल के कल्याणी की नीलाद्रि भूणिया, वेंटिलेशन पर कॉप्रीहेंसिव अप्रोच पर टीएमएच के डॉ. रतन कुमार, नियोनेटल में एनआईवी पर डॉ. प्रदीप, देवघर एम्स के डॉ. के समीर ने नई तकनीकों की जानकारी दी. इसके साथ-साथ रिम्स के नियोनेटल और एसएनसीयू में बीमार बच्चों के इलाज में वेंटिलेशन की उपयोगिता पर लाइव सीएमएस भी किया गया. शुक्रवार से शुरू हुए तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के शुभारंभ पर कोऑर्डिनेशन कमेटी के सचिव डॉ. राजेश कुमार और रिम्स शिशु रोग विभाग के हेड डॉ. पीके चौधरी ने बताया कि इस तरह के आयोजन से मेडिकल फील्ड में हो रहे नए शोध और तकनीक की जानकारी नए चिकित्सकों को मिलती है और इसका लाभ मरीजों को भी मिलता है. उन्होंने बताया पेडिकॉन 2025 में झारखंड और देशभर से कुल मिलाकर 300 शिशु रोग विशेषज्ञ एवं चिकित्सक अलग अलग दिन व्याख्यान देंगे.

दक्षिण छोटानागपुर खेल प्रतियोगिता का आगाज, तीन दिन तक पुलिस वाले दिखाएंगे खेलों में अपना जौहर

रांची, संवाददाता ।

कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में शुक्रवार से तीन दिवसीय दक्षिण छोटानागपुर क्षेत्रिय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज हो गया. इस प्रतियोगिता में रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी और गुमला जिले की पुलिस टीम भाग ले रही है. तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रतियोगिता में पुलिसकर्मी खेल के क्षेत्र में अपना जौहर दिखाएंगे. प्रतियोगिता का शुभारंभ दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र के पांच जिलों के खिलाड़ियों ने परेड के जरिए किया. समारोह के मुख्य अतिथि रांची जोनल आईजी मनोज कौशिक, एसएसपी राकेश रंजन के साथ-साथ सिमडेगा और खूंटी के पुलिस अधीक्षकों ने बलून उड़ाकर और सफेद कबूतरों को आजाद कर खेल प्रतियोगिता का आगाज करवाया.

उद्घाटन के मौके पर आईजी मनोज कौशिक ने कहा कि खेलकूद न सिर्फ शारीरिक और मानसिक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि तनाव भी कम करता है. उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए तनाव एक ओर जहां चुनौती है, वहीं दूसरी ओर इससे पार पाने के लिए फिट रहना जरूरी है. ये सिर्फ खेल से ही संभव हो सकता है. रांची एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि पुलिस के लिए खेलकूद हमारे दिनचर्या का अभिन्न अंग है. इसके माध्यम से लोग शारीरिक तौर सक्षम होते हैं. उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में बेहतर कार्य के लिए जरूरी है कि लोग पूर्णतः फिट रहें. ऐसे में जवानों के लिए खेलकूद का महत्व और बढ़ जाता है. दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस के खेलकूद प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी, कबड्डी, कराटे और दौड़ के साथ लगभग दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है. इस प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले पुलिस खिलाड़ियों को नेशनल गेम में खेलने का मौका मिलेगा.

सीएनटी के 117 साल : आदिवासी मूलवासियों का 11 नवंबर को होगा महाजुटान

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में 11 नवंबर को डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध कल्याण संस्थान में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. यह आयोजन छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट) के 117 साल पूरे होने के अवसर पर हो रहा है, जिसमें राज्य भर के आदिवासी मूलवासी बुद्धिजीवी शामिल होंगे. इसमें सीएनटी एक्ट के वर्तमान स्वरूप और महत्व पर चार चर्चा परिचर्चा होंगी. इसका उद्देश्य राज्य के आदिवासी- मूलवासी नौजवानों को उनके पारंपरिक हक अधिकार और परंपरा के बारे में जागरूक करना है.

कार्यशाला के मुख्य वक्ता

के राजू (प्रदेश प्रभारी झारखंड कांग्रेस), डॉ रामेश्वर उरांव (पूर्व मंत्री), शिल्पी नेहा तिर्की (मंत्री झारखंड सरकार), अजीत सिंह (पूर्व एडवोकेट जनरल झारखंड), पांडे रविंद्र नाथ राय, बासवी किड़ो सामाजिक कार्यकर्ता, सुभाषित सोरेन अधिवक्ता झारखंड हाई कोर्ट, रामचंद्र उरांव -प्रोफेसर नेशनल लॉ कॉलेज, डॉ हरि उरांव पूर्व विभाग अध्यक्ष जनजातीय क्षेत्र भाषा विभाग रांची विश्वविद्यालय और जगदीश लोहार मुख्य वक्ता होंगे. कार्यशाला में आदिवासी मूलवासी अपनी संस्कृति और अधिकारों के साथ परंपरा और संस्कृति को संरक्षित करने के प्रयासों की भी जानकारी दी जाएगी.

बेड़ो में करांजी जलाशय योजना ने पकड़ी रफ्तार, किसान व पर्यटन दोनों को मिलेगा लाभ

रांची, संवाददाता ।

रांची जिले के बेड़ो अंचल स्थित करांजी जलाशय योजना तेजी से आकार ले रही है. सरकार ने अब अतिरिक्त डूब क्षेत्र की भूमि का भी अधिग्रहण करने का निर्णय लिया है, ताकि जलाशय में अधिक पानी रोका जा सके. यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए सिंचाई का एक बड़ा साधन बनने के साथ-साथ पर्यटन के दृष्टिकोण से भी एक नया आकर्षण केंद्र बनती जा रही है.

कृषि विकास की दिशा में बड़ा कदम

यह परियोजना ग्राम करांजी , थाना बेड़ो, अंचल बेड़ो, जिला रांची में लघु सिंचाई योजना के रूप में निमार्णाधीन है. इसके पूरा होने पर आसपास के कई गांवों की कृषि भूमि को सालभर सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे किसानों की पैदावार और आमदनी दोनों में वृद्धि होगी.

भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी

इस योजना के लिए पहले से अधिग्रहीत भूमि के अलावा अब 6.39 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है. उपायुक्त, रांची की स्वीकृति मिलने के बाद अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. राजस्व विभाग और संबंधित अंचल कार्यालय भूमि मुआवजा एवं स्वामित्व सत्यापन की प्रक्रिया पर काम कर रहे हैं.

परियोजना का मुख्य उद्देश्य

करांजी जलाशय योजना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सिंचाई प्रणाली को सुदृढ़ बनाना है. बेड़ो और आसपास के इलाकों में खेती मुख्यतः वर्षा पर निर्भर है, जिससे किसानों को सीमित उत्पादन मिलता है. यह जलाशय किसानों को वर्षभर पानी की सुविधा देगा, जिससे दोहरी फसल प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा. स्थानीय किसान इस योजना से बड़ी उम्मीदें लगाए बैठे हैं.

पर्यटन की अपार संभावनाएं

कृषि के साथ-साथ यह जलाशय परियोजना क्षेत्र के पर्यटन को भी गति देगी. करंजी बांध पहले से ही एक प्रसिद्ध पिकनिक स्थल के रूप में जाना जाता है. यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के कारण लोग छुट्टियों और त्योहारों में घूमने आते हैं. जलाशय बनने के बाद इको-टूरिज्म, बोटिंग और पिकनिक जोन के विकास की संभावनाएं और बढ़ गई हैं.

2026 तक पूरा करने का लक्ष्य

जल संसाधन विभाग ने संकेत दिया है कि करांजी जलाशय योजना को साल 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. योजना पूरी होने के बाद यह परियोजना न केवल सिंचाई क्षमता को बढ़ाएगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएगी.

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम ने 62 करोड़ के टेंडर के बदले ठेकेदार से 1.88 करोड़ घूस ली

रांची, संवाददाता ।

ठेकेदार राजेश कुमार ने ग्रामीण विकास विभाग के तत्कालीन चीफ इंजीनियर वीरेंद्र कुमार राम को घूस के रूप में 1.88 करोड़ रुपये दिया था. घूस की यह रकम राजेश कुमार की कंपनियों को 62 करोड़ रुपये का टेंडर देने के बदले दिया गया था. घूस का भुगतान वीरेंद्र राम के जमशेदपुर स्थित सरकारी आवास पर किया गया था. ग्रामीण विकास में पदस्थापित रहने के दौरान भी वीरेंद्र राम ने जल संसाधान के चीफ इंजीनियर के सरकारी आवास पर अपना कब्जा बरकरार रखा था. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टेंडर के बदले कमीशन से जुड़े मामले की जांच में पाया कि राजेश कुमार ने दो कंपनियां बनायी थी. इसमें राजेश कुमार कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और परमानंद सिंह बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम शामिल है. राजेश कुमार इन दोनों ही कंपनियों में निदेशक है.

वीरेंद्र राम के घर पर हुई छापेमारी के दौरान राजेश कुमार की कंपनियों के नाम पर खरीदी गयी दो (Toyota Innova JH05CC-1000, Toyota Fortuner JH05CM-1000) कीमती गाड़ियां मिली थी. वीरेंद्र कुमार द्वारा मांगे जाने पर ठेकेदार ने यह गाड़ियां उसे दी थी. ईडी ने जांच में पाया कि ठेकेदार राजेश कुमार की दोनों कंपनियों को 62 करोड़ रुपये का टेंडर दिया गया है. जांच के दौरान राजेश कुमार ने भी यह स्वीकार किया कि वीरेंद्र राम टेंडर देने के बदले कमीशन लेते थे. उसकी कंपनी को वीरेंद्र राम से 62 करोड़ रुपये का टेंडर दिया था. इसके बदले कमीशन का भुगतान किया गया था. 62 करोड़ रुपये के टेंडर के बदले वीरेंद्र राम को कमीशन के तौर पर 1.88 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था. कमीशन की रकम वीरेंद्र राम के जमशेदपुर स्थित सरकारी आवास पर पहुंचायी गयी थी.

राजेश कुमार ने वीरेंद्र कुमार राम के घर से जब्त की गयी मंहगी गाड़ियों के सिलसिले में यह दावा किया कि इसे कुछ दिनों के इस्तेमाल के लिए दिया गया था. हालांकि ईडी ने इस दावे अस्वीकार कर दिया. क्योंकि राजेश कुमार की ओर से कभी इन गाड़ियों को वापस लेने की कोशिश नहीं की गयी. ईडी ने इन गाड़ियों को भी टेंडर के बदले घूस के रूप में दिया गया माना है. ईडी द्वारा दूसरी बार पूछताछ के दौरान ठेकेदार राजेश कुमार ने अपनी कंपनी को मिले टेंडर और वीरेंद्र राम के दिये गये कमीशन की रकम को कम बताया. दूसरी बार राजेश कुमार ने यह कहा कि वीरेंद्र राम ने उसकी कंपनियों को 60 करोड़ रुपये का टेंडर दिया था. इसके बदले कमीशन के रूप मे वीरेंद्र राम को 1.80 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था. राजेश कुमार ने यह भी स्वीकार किया कि वह 2015 से वीरेंद्र राम के संपर्क में है. उस वक्त वीरेंद्र कुमार राम जल संसाधन विभाग के स्वर्णरेखा प्रोजेक्ट में चीफ इंजीनियर के रूप में पदस्थापित थे. उल्लेखनीय है कि वीरेंद्र कुमार को ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग में चीफ इंजीनियर के रूप में पदस्थापित रहने के दौरान गिरफ़्तार किया था. गिरफ्तारी के बाद सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था.

घाटशीला उपचुनाव दो विचारधाराओं का महायुद्धः जुनैद अनवर

संवादाता

रांची। झामुमो के केंद्रीय सदस्य जुनैद अनवर का घाटशीला विधान सभा में तूफानी दौरा कर कई सभाओं को संबोधित किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा की यह उप चुनाव केवल घाटशीला का, नहीं बल्कि पूरे झारखंड का भविष्य तय करेगा। घाटशिला उपचुनाव–यह कोई साधारण चुनाव नहीं है। यह झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच दो विचारधाराओं की महायुद्ध है। एक तरफ आदिवासी मूल वासी दलित अक़्लीयतों के अधिकारों, स्थानीय संस्कृति और जनकल्याण की रक्षा करने वाली झामुमो की विचारधारा, तो दूसरी तरफ केंद्रीकृत शासन, विकास के नाम पर शोषण और बाहरी हितों की भाजपा की राजनीति। इस लड़ाई को हम गहराई से समझें और देखें कि इसकी जड़ें झारखंड की मिट्टी से कैसे जुड़ी हैं।तो हम सब कुछ आसानी से समझ सकते है ।

झामुमो ने रामदास सोरेन जी के बेटे सोमेश चंद्र सोरेन को मैदान में उतारा है, जो रामदास जी की विरासत को आगे बढ़ाने का प्रतीक हैं। वहीं, भाजपा ने बाबूलाल सोरेन को नामित किया है, जो पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे हैं। लेकिन सवाल यह है–क्या यह सिर्फ सोरेन परिवारों की लड़ाई है? नहीं! यह विचारधाराओं का संघर्ष है। झामुमो की विचारधारा झारखंड की आत्मा है। यह पार्टी आदिवासी स्वायत्तता, भूमि अधिकार और स्थानीय संसाधनों पर नियंत्रण की बात करती है। याद कीजिए, शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झामुमो ने ह्यमैयां सम्मान योजनाह्ल जैसी क्रांतिकारी पहल की, जिससे लाखों महिलाओं को सम्मानजनक जीवन मिला। हमारी सरकार ने आदिवासी संस्कृति को संरक्षित किया है, सरना कोड को मान्यता दी है और झामुमो कहती है–झारखंड का जल , जंगल, जमीन झारखंडियों की है! यह विचारधारा समावेशी विकास की है, जहां आदिवासी मूल वासी दलित अक़्लीयत युवा नौकरियों में प्राथमिकता पाते हैं, न कि दिल्ली की लॉबी के हित साधे जाते हैं। दूसरी ओर, भाजपा की विचारधारा क्या है? यह विकास का मुखौटा लगाकर आदिवासी हितों का शोषण करने वाली राजनीति है। वे घाटशिला में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठा रहे हैं, जबकि यह सीट सीमा से सैकड़ों किलोमीटर दूर है। यह महज डर फैलाने का हथकंडा है, ताकि आदिवासियों को बांटा जा सके।देश में जिन जिन राज्यों में भाजपा की सरकार बनी हर जगह आदिवासी मूलवासी दलित अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया इन्हे डराया गया । मैं घाटशीला कि जानता को मैं कहना चाहता हूँ की जो व्यक्ति राज्य के सबसे बड़े पद पर बैठाने वाले का नहीं हुवा वह भला गरीब झारखंड वासियों का क्या होगा सच्चाई यह है कि भाजपा की सरकार में आदिवासी युवाओं की बेरोजगारी बढ़ी, महिलाओं पर अत्याचार चरम पर पहुंचा। वे कहते हैं ह्यपरिवर्तन चाहिएह्ल, लेकिन उनका परिवर्तन तो सिर्फ कॉरपोरेट्स के लिए है–खनन लाइसेंस बांटना, जंगल काटना! घाटशिला के आदिवासी जानते हैं कि भाजपा का ह्यविकासह्ल उनके लिए विनाश ही लाता है। झारखंड के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन जैसे योद्धा काफी है श्री अनवर ने कहा यह उपचुनाव झामुमो बड़े अंतराल से जीतेगा ।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की बैठक आयोजित

धरना-प्रदर्शन भी किया जायेगा संयोजक मंडल व तैयारी समिति बनी

संवादाता

रांची ।अरगोड़ा स्थित अश्विनी साहु के कार्यालय में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमुख सदस्यों की बैठक आयोजित की गयी. यह बैठक वैश्य मोर्चा की मांगों, यथा-ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, ट्रिपल टेस्ट के आधार पर निकाय चुनाव, पिछड़ा वर्ग मंत्रालय का गठन, छोटे दुकानदारों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्य समाज की लूटी गयी जमीन वापसी, हत्या, लूट, रंगदारी पर रोक लगाने आदि के मुद्दे को लेकर 13 नवंबर को होने वाली राजभवन मार्च की तैयारी को लेकर रखी गयी थी. इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन अशोक गुप्ता ने किया. बैठक में तैयारी संबधी चर्चा के पाश्चात्य सर्वसम्मति से 15 सदस्यीय संयोजक मंडल का गठन किया गया, जिसमें हीरानाथ साहु, श्रीमती रेखा मंडल, अश्विनी साहु, अशोक गुप्ता, उपेन्द्र प्रसाद, अधिवक्ता सहदेव चौधरी, ढ़लन साव, कपिल प्र. साहु, बीरेन्द्र कुमार, रामेश्वर मंडल, कृष्णा साहु, अनिल वैश्य, चतुर साहु, मनोज कुमार एवं श्रीमती रेणू देवी को रखा गया. जबकि केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु की अगुवाई में 34 सदस्यीय तैयारी समिति का भी गठन किया गया, जिसमें अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, लक्ष्मण साहु, अधिवक्ता परशुराम प्रसाद, प्रमोद चौधरी, शिव पूजन साहु, दिनेश्वर मंडल, आदित्य नारायण प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद साहु, दिलीप प्रसाद, लखन अग्रवाल, शिवनंदन प्रसाद, फौजी विजय कुमार, रोहित कुमार साहु, शिव प्रसाद साहु, हलधर साहु, मुकेशलाल सिंदूरिया, भुनेश्वर साव, नंदकिशोर भगत, संजय साहु, रामाशंकर राजन, राजकुमार बर्नवाल, जगदीश साहु, लगनू साहु, महावीर साहु, नरेश साहु, राजेन्द्र साहु, मदन प्रजापति, करण मंडल, नरेश साव, रंजीत जायसवाल, पवन कुमार, आदित्य पोद्दार, श्रीमती पूनम जायसवाल एवं श्रीमती गीता देवी को सदस्य बनाया गया है. बैठक में प्रचार-प्रसार के लिए पर्चा भी जारी किया गया और सभी को पर्चा वितरण करने के साथ-साथ बैठक करके सामुहिक पाठ करने का भी निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

सीएमपीडीआई ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर किया सामूहिक गायन समारोह का आयोजन

रांची(ब्रिभा)। सीएमपीडीआई और इसके सभी क्षेत्रीय संस्थानों में आज राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) राजीव कुमार सिन्हा, मुख्यालय-रांची एवं क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची के वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में स्वतंत्रता की भावना और मातृभूमि के समर्पण का प्रतीक राष्ट्रीय गीत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के प्रति गहरा सम्मान प्रकट किया गया। इस समारोह के जरिए सीएमपीडीआई ने राष्ट्रीय मूल्यों और विरासत को संजोए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हुए अपने कर्मियों के बीच सामूहिक गौरव की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

तैलिक साहू सभा का प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

रांची(ब्रिभा) : झारखंड तेल घानी विकास बोर्ड के गठन को लेकर झारखंड तैलिक साहू सभा के छह सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने झारखंड तैलिक साहू सभा के रांची जिला अध्यक्ष कुमार रौशन साहू के नेतृत्व में राजभवन में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर इस संदर्भित ज्ञापन सौंपा । झारखंड तैलिक साहू सभा ने प्रदेश में तेलघानी बोर्ड के गठन की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की घोषणा की है है। तेली समाज ने इस कदम को किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए महत्वपूर्ण बताया है राजभवन में राज्यपाल से मिलकर उन्हें विस्तार से राज्य के 50 लाख आबादी वाले तेली समाज की समस्याओं एवं सरकार के द्वारा की जा रही उपेक्षा से उन्हें अवगत कराया । झारखंड तैलिक साहू सभा के रांची जिलाध्यक्ष कुमार रौशन साहू ने महामहिम को इस बात से अवगत कराया कि इतनी बड़ी आबादी में से तेली जाति का राज्य सरकार में कोई भी मंत्री या किसी भी बोर्ड निगम में कोई सदस्य तक नहीं है फिर कैसे तेली समाज को समुचित प्रतिनिधित्व मिलेगा । प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो एवं प्रदेश महासचिव मदन कुमार ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ राजस्थान और बिहार जैसे राज्यों में पहले से तेलघानी बोर्ड का गठन हो चुका है। इन राज्यों किसानों और उद्यमियों को बड़े पैमाने पर इसका लाभ मिला है। युवा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप साहू ने औद्योगिक विकास ,कृषि और उद्योग का समन्वय के लिए इसे जरूरी बताया . राज्यपाल ने तेली समाज के प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता पूर्वक सुना एवं राज्य सरकार को पत्राचार के माध्यम से इस मुद्दे पर ध्यानाकर्षण की बात कही । प्रतिनिधि मंडल में झारखंड तैलिक साहू सभा के रांची जिला अध्यक्ष कुमार रौशन साहू , प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो प्रदेश महासचिव मदन कुमार युवा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप साहू युवा जिला अध्यक्ष निरंजन साहू कार्य समिति सदस्य संजय साहू उपस्थित रहे ।

विद्युत उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन आज

रांची(ब्रिभा) : उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के द्वारा हर विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल कार्यालय में विद्युत उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन 8 नवंबर शनिवार को किया जाएगा। इस जागरूकता शिविर में उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर को उनके कनेक्शन के साथ अपडेट किया जाएगा और उपभोक्ता अपने सिक्योरिटी राशि को अपने कनेक्शन में अपडेट करा सकते हैं। चूंकि अब उपभोक्ताओं को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही व्हाट्सएप के माध्यम से बिजली बिल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसलिए सभी से अनुरोध है कि शिविर में आकर अपने कनेक्शन में अपना मोबाइल नंबर अपडेट जरूर करा लें। इस आशय की जानकारी देते हुए रांची अंचल के विद्युत अधीक्षण अभियंता डी एन साहू ने कहा कि सभी उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए विभाग द्वारा उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन 8 नवंबर को रांची अंचल के हर आपूर्ति अवर प्रमंडल में किया जाएगा। रांची अंचल के सभी सम्मानित उपभोक्ताओं से आग्रह है कि अपने नजदीकी बिजली कार्यालय में आकर इस शिविर का लाभ जरूर उठाएं।

उपायुक्त ने राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता

रांची : आगामी 15 एवं 16 नवम्बर 2025 को मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारी को लेकर उपायुक्त-सह- जिला दंडाधिकारी, रांची श्री मंजूनाथ भजंत्री ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने मैदान परिसर में चल रहे विभिन्न कार्यों का अवलोकन करते हुए आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मंच निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग, सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण, स्वागत एवं बैठने की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी विभागों एवं एजेंसियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस झारखंड की गौरवमयी परंपरा और एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर पूरे उत्साह और सम्मान के साथ कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को समन्वयपूर्वक कार्य कर भव्य, व्यवस्थित एवं सुरक्षित आयोजन कराने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया, राजेश्वरनाथ आलोक, उत्कर्ष कुमार, संजय भगत, पारस राणा, सुदेश कुमार, उर्वशी पांडेय, अखिलेश कुमार एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की तैयारी में लगी एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी स्थल पर उपस्थित रहकर विभिन्न कार्यों की प्रगति की जानकारी उपायुक्त को दी। उपायुक्त ने सभी को राज्य सरकार की भावना के अनुरूप सर्वोत्तम व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पूरे राज्य में चलाया जाएगा रक्त दान शिविर कैंपेन

ब्लड डोनटेशन के लिए लोगों को करें जागरूक : नेहा

संवाददाता

रांची : स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव श्रीमती नेहा अरोड़ा ने कहा कि इस वर्ष झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य सरकार ने इस स्थापना दिवस को भव्य,आकर्षक और यादगार बनाने का निर्णय लिया है। इसी के मद्देनजर रक्त दान जैसे पवित्र कार्य भी आयोजित होंगे। इस दौरान पूरे राज्य में 12 नवंबर से 28 नवंबर तक रक्त दान शिविर कैंपेन चलाया जाएगा जिसके तहत सभी जिलों में विभिन्न स्थानों पर एक विशेष कैम्प लगा कर लोगों को स्वैच्छिक रक्त दान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा । इसमें सिविल सर्जन, ब्लड बैंक, सिविल सोसाइटी , वॉलेंटियर्स और जिला स्तर पर डीपीआरओ की भूमिका लोगों को रक्त दान के प्रति जागरूक करने के लिए महत्वपूर्ण होगी । श्रीमती नेहा अरोड़ा शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दे रही थी ।

श्रीमती अरोड़ा ने कहा कि लोग स्वेच्छा से रक्त दान शिविर कैम्प में आयें और रक्त दान करें इसकी एक स्ट्रेटिजी बनायें । इसमें प्रचार प्रसार जरूरी है । रक्त दान करने के लाभ बतायें । डीपीआरओ अपने स्तर पर इसका प्रचार करायें । लोगों में रक्त दान को लेकर कई भ्रांतियां भी हैं। प्रचार प्रसार के माध्यम से इसे दूर करें । सिविल सोसाइटी से जुड़े । चैम्बर ऑफ कॉमर्स ,लायंस क्लब की तरह अन्य कई सोसाइटी से संपर्क कर ज्यादा से ज्यादा रक्त दान में उनसे मदद लें ।

श्रीमती नेहा अरोड़ा ने सभी सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि ब्लड डोनेशन कैम्प का एक कैलेंडर तैयार करें । उपायुक्त से मिलकर रक्त दान शिविर कैंपेन प्रोग्राम की जानकारी साझा करें । 12 नवंबर से शुरू हो रहे रक्त दान शिविर कैम्प में सांसद ,विधायक ,जिला परिषद के अध्यक्ष ,उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक का सहयोग लें और इन्हें रक्त दान करने हेतु आमंत्रित करें । इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा और अधिक से अधिक लोग रक्त दान करने आगे आयेंगे ।

रक्त दान से जुड़ी सभी जानकारी , जैसे जिले में कहाँ कहाँ कैम्प आयोजित हो रहे हैं। रक्त दान शिविर का समय क्या होगा । और भी विभिन्न प्रकार के इनफॉर्मेशन लोगों तक सही,सटीक एवं सुलभ तरीके से उपलब्ध करायें । मीडिया के लोगों को भी इस कैम्प से जोड़े । प्रचार प्रसार में उनकी मदद लें । डोनर्स की मैपिंग सुनिश्चित करें कि कहाँ से अधिक से अधिक डोनर्स मिल सकते हैं। पिछड़े जिलों को अधिक से अधिक काम करने की जरूरत है सभी तरह सहयोग किया जाएगा ।

श्रीमती अरोड़ा ने कहा कि यह सिर्फ एक शुरूवात है । हमें इसे निरंतर जारी रखना है । रक्त स्टॉक करने की दिशा में लगातार प्रयास करते रहना है । झारखंड स्थापना दिवस पर यह अभियान हमें आगे कार्य करने के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा और रक्त की कमी से किसी मरीज की जान ना जाए इस दिशा में हमलोग काम करते रहेंगे ।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी सिविल सर्जन ,सभी डीपीआरओ ,ब्लड बैंक के प्रतिनिधिगण एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी जुड़े हुए थे ।

सेपकटकरा संघ ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर चैंपियनशिप स्थगन की औपचारिक घोषणा

संवाददाता

रांचीः सेपकटकरा संघ झारखण्ड गहरे दुःख के साथ यह सूचित करता है कि सेपकटकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं भारतीय सेपकटकरा खेल के स्तंभ, स्वर्गीय योगेन्द्र सिंह दहिया जी और अंतर्राष्ट्रीय कोच और रेफरी स्वर्गीय अंकित बालियान का 3 नवम्बर 2025 को गोवा में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया।

उनके निधन से संपूर्ण सेपकटकरा परिवार सदमे और शोक की अवस्था में है। उनके सम्मान में आज सेपकटकरा संघ झारखण्ड द्वारा एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें संघ के समस्त पदाधिकारी, राज्य के खिलाड़ी, कोच तथा खेल प्रेमी उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय दहिया जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस श्रद्धांजलि सभा का संचालन श्री शिवेंद्र दुबे ने किया.

इस अवसर पर राज्य के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों ने पुष्प अर्पित कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

सभी ने उनके योगदान, नेतृत्व एवं खेल के प्रति समर्पण को याद करते हुए उन्हें एक करिश्माई और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बताया। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया कि उनका जीवन सेपकटकरा खेल एवं खिलाड़ियों के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगा।

स्वर्गीय दहिया के निधन पर राष्ट्रीय शोक एवं सम्मानस्वरूप, सेपकटकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और सेपकटकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड ने संयुक्त रूप से 28वीं सब जूनियर नेशनल सेपकटकरा चैंपियनशिप, जो 9 से 15 नवम्बर 2025 तक रांची में आयोजित होनी थी, को स्थगित करने का निर्णय लिया है। नई तिथि की घोषणा आगामी दिनों में की जाएगी। चैंपियनशिप सत्र 2025-26 के भीतर ही आयोजित की जाएगी।

इस अवसर पर सुनील सुर्वांत, डॉ कविता सिंह,इसाक के पंडि,प्रियदर्शी अमर,संजय साहु, रमेश कुमार, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी उदल साहु, विभूति भूषण अमर,चंचल भट्टाचार्य, मनोज कुमार महतो,शंकर दुबे,शैलेन्द्र कुमार, मिथलेश साहु,अजित सिन्हा,मनोज साहु, उमा रानी, संजय कुमार साहु, बुल्लु गोप, मनोज गुप्ता, डॉ अंशु साहु, डॉ उदीप लाल, शिवेंद्र दुबे,सुनील यादव, प्रदीप खन्ना, मुकेश कुमार, आशेष कुमार, कौशिक दत्ता, सईद जाहिद अली , कृष्णा सहित जिला संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रांची : स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव श्रीमती नेहा अरोड़ा ने कहा कि इस वर्ष झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य सरकार ने इस स्थापना दिवस को भव्य,आकर्षक और यादगार बनाने का निर्णय लिया है। इसी के मद्देनजर रक्त दान जैसे पवित्र कार्य भी आयोजित होंगे। इस दौरान पूरे राज्य में 12 नवंबर से 28 नवंबर तक रक्त दान शिविर कैंपेन चलाया जाएगा जिसके तहत सभी जिलों में विभिन्न स्थानों पर एक विशेष कैम्प लगा कर लोगों को स्वैच्छिक रक्त दान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा । इसमें सिविल सर्जन, ब्लड बैंक, सिविल सोसाइटी , वॉलेंटियर्स और जिला स्तर पर डीपीआरओ की भूमिका लोगों को रक्त दान के प्रति जागरूक करने के लिए महत्वपूर्ण होगी । श्रीमती नेहा अरोड़ा शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दे रही थी ।
श्रीमती अरोड़ा ने कहा कि लोग स्वेच्छा से रक्त दान शिविर कैम्प में आयें और रक्त दान करें इसकी एक स्ट्रेटिजी बनायें । इसमें प्रचार प्रसार जरूरी है । रक्त दान करने के लाभ बतायें । डीपीआरओ अपने स्तर पर इसका प्रचार करायें । लोगों में रक्त दान को लेकर कई भ्रांतियां भी हैं। प्रचार प्रसार के माध्यम से इसे दूर

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर उषा मार्टिन में कार्यशाला

बच्चों को अंग्रेजी भाषा के साथ बेसिक गणित पढ़ाएः डॉ रविदत्त

संवाददाता

रांची। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को हिंदी के साथ अंग्रेजी भाषा का ज्ञान दिया जाना चाहिए। भाषा के साथ व्याकरण की पढ़ाई हो ताकि प्रतियोगिता परीक्षा में ग्रामीण बच्चों को असहज नहीं होना पड़े। सामान्यतः भाषा पर पकड़ नहीं होने के कारण ग्रामीण बच्चों में पढ़ाई की प्रति अभिरुचि कम होने लगती है। उक्त बातें लेखक और शिक्षाविद डॉ रविदत्त वाजपेयी ने कहीं। वह आज उषा मार्टिन फॉउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। फॉउंडेशन की ओर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण में शिक्षकों की भूमिका पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

डॉ रविदत्त ने कहा कि विद्यालय में जो अच्छे छात्र हो उनको प्रोत्साहित करने के बदले कमजोर को आगे आने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इसमें शिक्षकों की अहम भूमिका है। आखिर एक शिक्षक के कारण ही अंबेडकर, शास्त्री और राजेंद्र प्रसाद जैसे लोग अपनी प्रतिभा को निखार पाए। भाषा पर जोर के साथ, शब्दकोश का उपयोग, पाराग्राफ लेखन तथा विज्ञान के विषयों की शब्दावली को अंग्रेजी में प्रयोग करने से ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र भी बेहतर हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद, बेसिक गणित और बेहतर नागरिक निर्माण का ज्ञान भी दिया जाना चाहिए। शिक्षक को भी कुछ समय पढ़ाई पर देनी चाहिए।

फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि ग्रामीण बच्चों में प्रायोगिक शिक्षा बढ़ानी होगी। उनमे रचनात्मकता का विकास हो, इसके लिए संगीत, नृत्य, पेंटिंग के अलावा भाषण व लेखन प्रतियोगिता का आयोजन समय-समय पर हो। आधुनिक शिक्षा में तकनीक का उपयोग भी जरूरी है ताकि वे प्रतियोगिता में कमतर नहीं रहें। इस कार्यशाला में लगभग 30 से 35 शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें गुरुकुल स्कूल, मासु स्कूल, महिलौंग स्कूल, आरा स्कूल, स्वर्णरेखा स्कूल, एकल विद्यालय, चिलदाग स्कूल, हेसल स्कूल, तथा टाटीसिलवे हाई एवं मिडिल स्कूल के शिक्षक शामिल हुए।

डॉ रविदत्त वाजपेयी का परिचय

रांची। रवि दत्त वाजपेयी स्वीडन देश के गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के ग्लोबल स्टडीज में प्रोफेसर रहे है। इन्होंने राजनीति और इतिहास पर कई किताबें लिखी है। वर्तमान में संत जेवियर कॉलेज में प्रोफेसर है। यह प्रख्यात लेखक, शिक्षाविद और विचारक है जिनकी संस्कृति, समाज और अध्ययन पर गंभीर चिंतन है।

विधायक संजीव सरदार अपनी सक्रियता से भूमिज-मुंडा वोटरों को प्रभावित करने में हुए सफल

समाज के नेताओं ने कहा संजीव सरदार हमारे गौरव, झामुमो ही समाज को दे रही है सम्मान

चुनाव में भूमिज-मुंडा समाज का झुकाव अब झामुमो की ओर

जमशेदपुर, संवाददाता

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में 11 नवंबर को मतदान होना है और जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे वैसे राजनीतिक माहौल गमार्ता जा रहा है। एक ओर झामुमो से दिवंगत शिक्षा मंत्री स्व. रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश चन्द्र सोरेन मैदान में हैं। जबकि दूसरी ओर भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन पर दांव लगाया है। इस बीच चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। जिसके तहत मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, विधायक और दिग्गज नेता लगातार क्षेत्र में प्रचार भी कर रहे हैं। इन सबके बीच सबसे अधिक चर्चा में पोटका से झामुमो विधायक संजीव सरदार है और जो पिछले 25 दिनों से घाटशिला क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क अभियान भी चला रहे हैं। खासकर वे भूमिज-मुंडा समाज के मतदाताओं से सीधा संवाद कर झामुमो के पक्ष में मतदान करने की अपील भी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि घाटशिला, धालभूमगढ़, मुसाबनी और गुड़ाबांधा प्रखंडों के लगभग 35 हजार से अधिक भूमिज-मुंडा वोटर इस बार निर्णायक भूमिका में हैं। वहीं स्थानीय सूत्रों के अनुसार यह समाज पहले अधिकतर भाजपा के समर्थन में वोट करता था। मगर पिछले कुछ दिनों में परिस्थितियां बदली है।

विधायक संजीव सरदार जिस तरह गांव-गांव जाकर समाज के लोगों से मिल रहे हैं, उनके साथ मान-सम्मान के साथ संवाद कर रहे हैं, उससे भूमिज-मुंडा समाज में झामुमो के प्रति झुकाव बढ़ा है। घाटशिला, झाटी झरना, गुड़ाझोर, बड़ा खुर्शी, उल्दा, महुलीशोल, आमदा, कोकपाड़ा, मुदासौली, ईचड़ा, फॉरेस्ट ब्लॉक, मुचरीशोल जैसे गांवों में संजीव सरदार का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वहीं भूमिज समाज के वरीय पदाधिकारी शुभंकर सिंह सरदार ने कहा कि झामुमो ने हमारे समाज से एक युवा विधायक बनाकर हमें सम्मान दिया है। संजीव सरदार समाज के गौरव हैं और समाज के हित में लगातार काम भी कर रहे हैं। इस चुनाव में भूमिज समाज झामुमो के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। वहीं विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुझे इस चुनाव प्रचार के दौरान सभी क्षेत्रों में जाने और समाज के लोगों से मिलने का अवसर मिला। सभी ने आदर-सम्मान और प्यार दिया। चुनाव के बाद मैं फिर से लौटूंगा और समाज को और मजबूत करने का काम करूंगा। उन्होंने लोगों से भूमिज समाज के मान-सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील भी की है।

पशुपालन, गव्य विकास, मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को योजनाओं का लाभ देकर करें आच्छादित : उपायुक्त

रामगढ़, संवाददाता

कृषि एवं अन्य संबद्ध विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी परियोजना उपनिदेशक आत्मा से ली गई वहीं वर्ष 2025 - 26 में संचालित योजनाओं सहित अन्य फसलों के अच्छादन के तहत प्रखंडवार अब तक हो रहे कार्यों की समीक्षा कर उपायुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप प्राप्ति करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा कृषि योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में संबंधित अधिकारियों को योजना पर विशेष ध्यान देते हुए अभियान मोड में योग्य लाभुकों को योजना से जोड़ने का निर्देश दिया वहीं झारखंड कृषि ऋण माफी योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने लंबित ई केवाईसी का कार्य तत्काल रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही पीएम किसान योजना के तहत स्वयं से पंजीकरण करने वाले लाभुकों की जांच कर स्वीकृति देने तथा उनका ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन से जुड़े किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के लाभ से आच्छादित करने का निर्देश दिया वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना सहित पशुपालन से जुड़ी अन्य योजनाओं के लाभुकों को केसीसी उपलब्ध कराने को लेकर जिला अग्रणी प्रबंधक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिला मत्स्य पदाधिकारी को मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को केसीसी उपलब्ध कराने तथा जिले के अलग-अलग खनन प्रभावित क्षेत्रों में बंद पड़ी खदानों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु माइनिंग कोलपिट की पहचान कर संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने उद्यान, मत्स्य, भूमि संरक्षण सहित अन्य कृषि संबद्ध विभागों द्वारा विगत वित्तीय वर्ष तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में किए गए कार्यों एवं लक्ष्य के अनुरूप प्राप्ति सुनिश्चित करने को लेकर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए।

जमशेदपुर राइडर्स ने ओपन जूनियर इंटरनेशनल ट्रॉट टेंट पेगिंग चैंपियनशिप 2025 में की जीत हासिल

जमशेदपुर, संवाददाता

कोच दुष्यंत कुमार के नेतृत्व में जमशेदपुर हॉर्स राइडिंग स्कूल की एक टीम ने 5 से 7 नवंबर तक गाजियाबाद में आयोजित ओपन जूनियर इंटरनेशनल ट्रॉट टेंट पेगिंग चैंपियनशिप 2025 में शानदार सफलता हासिल की। जूनियर राइडर्स आर्यन श्रीवास्तव और अनुष्का शाह ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। जबकि मो. अफजल ने कांस्य पदक हासिल किया। इन सभी ने असाधारण प्रतिभा और सटीक प्रदर्शन का परिचय दिया। यह चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश घुड़सवारी संघ द्वारा आयोजित की गई थी और इसमें भारत भर की कई टीमों के साथ-साथ बेलारूस की तीन अंतर्राष्ट्रीय टीमों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कतर घुड़सवारी संघ के महासचिव, महामहिम शेख अहमद बिन नूह अल थानी ने प्रतिभागियों के कौशल, अनुशासन और खेल भावना की सराहना की। यह उपलब्धि जमशेदपुर हॉर्स राइडिंग स्कूल के लिए एक गर्व का क्षण है और वैश्विक मंच पर युवा घुड़सवारी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

महागठबंधन प्रत्याशी सोमेश सोरेन की उपचुनाव मे जीत सुनिश्चित होगी:विधायक ममता

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ की विधायक ममता देवी ने घाटशिला उप चुनाव को लेकर धालभूमगढ़ प्रखंड के मानिकाबेड़ा में जनसंपर्क अभियान चलाया। घर-घर जाकर लोगों की समस्याएँ सुनीं, स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की और महागठबंधन की विकास नीतियों को अवगत कराया। विधायक ममता ने जनता से अपील करते हुए कहा कि आगामी घाटशिला उपचुनाव राज्य की दिशा और दशा तय करने वाला चुनाव है। इसलिए क्षेत्र की खुशहाली, विकास,शिक्षा, स्वास्थ्य और आदिवासी-मूलवासी हितों को मजबूत रखने के लिए महागठबंधन के प्रत्याशी सोमेश सोरेन को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील किया । उन्होंने कहा कि जनता के विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक है कि सभी मतदाता क्रम संख्या 2 न. पर तीरझ्रधनुष छाप मे भारी मतों से शत प्रतिशत वोट देकर हेमंत सरकार के हाथों को मजबूत करें।जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने ममता का गर्मजोशी से स्वागत किया। लोगों ने महागठबंधन की नीतियों और झारखंड में किए गए जनहित कार्यों पर विश्वास जताते हुए पूर्ण समर्थन का भरोसा दिलाया। इस मौके पर महागठबंधन के नेताओं ने कार्यकताओं में मजबूत ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हुए कहा कि वर्तमान माहौल साफ दशार्ता है कि जनता महागठबंधन के साथ है। जिस तरह हर गाँव,हर टोला में लोगों का उत्साह देखा जा रहा है, उससे स्पष्ट है कि यह उपचुनाव ऐतिहासिक विजय का रूप लेने वाला है। नेताओं ने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर अंतिम समय तक जनसंपर्क अभियान को मजबूती देने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में नेताओं ने कहा कि महागठबंधन की जीत केवल एक दल की जीत नहीं, बल्कि झारखंड के आमजन की जीत होगी एक ऐसी जीत जो विकास,अधिकार,सम्मान और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करेगी। जीत सुनिश्चित करने के लिए उर्वराची ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश किरण महतो कार्यक्रम आयोजित था। पूर्व कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश किरण महतो पूर्व कांग्रेस नेता बजरंग महतो जी भी शामिल थे।

धातकीडीह तालाब में डुबने से हरिजन बस्ती के युवक की हुई मौत

जमशेदपुर, संवाददाता

बिस्टुपुर थानांतर्गत धातकीडीह तालाब में शुक्रवार की दोपहर डुबने से एक युवक की मौत हो गई। जिसकी पहचान धातकीडीह हरिजन बस्ती निवासी दीपक नाग के रुप में हुई है। मृतक ठेकेदारी में काम करता था। मामले में बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों ने शव को तालाब में तैरते हुए देखा। जिसके बाद लोगों ने इसकी सूचना संबंधित थाने को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला और इलाज के लिए टीएमएच पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। इधर मृतक के परिजन इस असमंजस में है कि आखिर दीपक किन परिस्थितियों में तालाब गया था और उसकी मौत कैसे हुई। जबकि मुखी समाज के महासचिव संजय मुखी ने जिला प्रशासन से मांग की है कि हमेशा तालाब में डूबने से मौतें हो रही है। इसलिए यहां गोताखोरों की तैनाती की जाय। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया है।

मेदांता हॉस्पिटल एवं लायंस क्लब भुरकुंडा ने राज नर्सिंग होम में लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

रामगढ़, संवाददाता

70 लोगों ने दय रोग, किडनी रोग सहित अन्य बीमारियों की कराया जांच, बेहतर स्वास्थ्य के लिए डॉक्टरों ने दिया उचित परामर्श

क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य जांच और जागरूकता के उद्देश्य से मेदांता हॉस्पिटल एवं लायंस क्लब भुरकुंडा के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को भुरकुंडा टेकर स्टैंड स्थित राज नर्सिंग होम में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मेदांता हॉस्पिटल रांची के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विनीत कुमार (हृदय रोग विशेषज्ञ), डॉ. विजय कुमार सिंह (किडनी रोग विशेषज्ञ) और मेडिसिन सेंटर के डॉ. अनिकेत सिन्हा ने लगभग 70 मरीजों का हृदय रोग, किडनी रोग सहित अन्य संबंधित बीमारियों की निःशुल्क जांच कर उचित परामर्श दिया। डॉ. विनीत कुमार और डॉ. विजय कुमार सिंह ने कहा कि शरीर में हल्की-फुल्की भी तकलीफ हो तो चिकित्सकों से जरूर मिलें। उन्होंने नियमित रूप से व्यायाम करने और संतुलित आहार लेने की सलाह दी। मौके पर क्लब के अध्यक्ष लायन अशोक सिन्हा, सचिव लायन अखिलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष लायन निर्मल अग्रवाल, जिला चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ राजेंद्र महतो एवं जिला चेयरपर्सन लायन विजयंत कुमार ने कहा कि क्लब कई वर्षों से अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वाहन ईमानदारी पूर्वक करता आया है, जो आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि गरीबों की सेवा और क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य लाभ दिलाना ही क्लब का उद्देश्य है। जरूरतमंदों की सेवा सबसे बड़ा पूण्य का कार्य है। क्लब के अध्यक्ष श्री सिन्हा ने कहा कि स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है। इसलिए सबों को अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के अध्यक्ष अशोक सिन्हा, सचिव अखिलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष निर्मल अग्रवाल, जिला चेयरपर्सन एमजेएफ डॉ राजेंद्र महतो, जिला चेयरपर्सन विजयंत कुमार, लायन रेखा वर्णवाल, लायन माला शर्मा, लायन विजय वर्णवाल, लायन अंजू देवी, लायन रेखा मंजुल, लायन डॉ. एमके मंजुल, एमजेएफ संजय जयसवाल, लायन दीनबंधु सिंह, भूपेंद्र सिंह सैनी उर्फ जीबु, रमेश अग्रवाल सहित क्लब के तमाम सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

विधायक ममता ने बीमार पीड़ित महिला को मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहयोग किया

रामगढ़, संवाददाता

गोला प्रखंड अंतर्गत गोला निवासी कांग्रेस वरिष्ठ नेता मसरुल रजा के पत्नी रौशनआरा नामक महिला गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। विधायक से आर्थिक सहयोग की गुहार लगाई थी घर की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर होने के कारण उनके परिवार के सामने उपचार कराना कठिन मुश्किल हो गया था। परिस्थिति की गंभीरता को देखते हुए रामगढ़ विधायक ममता देवी ने पहल करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता स्वीकृत करवाई। रामगढ़ विधायक ममता देवी द्वारा रौशनआरा को उपचार हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत चेक सौंपा गया। इस अवसर पर विधायक ने परिवार को आश्वस्त किया कि इलाज से संबंधित हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि रौशनआरा जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। विधायक ने कहा कि किसी भी जरूरतमंद को संकट की घड़ी में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। जनता की सेवा व सहयोग के लिए हमेशा तत्पर हैं। मौके पर पुर्व कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महतो दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह जिला प्रवक्ता व मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश मनोज पुझर प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी गौरीशंकर महतो आदि मौजूद रहे।

बोकारो एयरपोर्ट को अविलंब चालू करने की मांग, 9 नवंबर को होगा प्रतीकात्मक विरोध

बोकारो, संवाददाता

नागरिक अधिकार मंच ने बोकारो हवाई अड्डा को अविलंब चालू कराने की मांग की है। मंच के अध्यक्ष शशि भूषण ओझा मुकुल ने बताया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद अब तक उड़ान सेवा शुरू नहीं होना जनता के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और संबंधित विभागों की लापरवाही विकास में बाधक बन रही है। मंच ने घोषणा की है कि 9 नवंबर को अपराह्न 3 बजे बोकारो हवाई अड्डा गेट पर प्रतीकात्मक विरोध कर सभी जवाबदेह संस्थाओं को चेताया जाएगा। मंच ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो व्यापक जनांदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में कई सामाजिक कार्यकर्ता और मंच के सदस्य उपस्थित रहे।

बोकारो एयरपोर्ट विस्तार को लेकर झुग्गीवासियों ने डीसी कार्यालय में लगाई गुहार

बोकारो : हवाई अड्डे के विस्तारीकरण कार्य को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सेक्टर-12 ढूंढी बाग स्थित झुग्गी-झोपड़ियों को हटाने का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस मिलने के बाद बड़ी संख्या में झुग्गीवासी शुक्रवार को बोकारो उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और पुनर्वास की मांग की। इस दौरान महिलाएं, पुरुष और छोटे-छोटे बच्चे भी मौजूद रहे। झुग्गीवासियों ने कहा कि वे विकास विरोधी नहीं हैं, लेकिन वर्षों से यहां रह रहे हैं। हमें उजाड़ा जा रहा है, जबकि रहने के लिए कोई दूसरी जगह नहीं दी गई, उन्होंने कहा। लोगों ने बताया कि वे बोकारो जनरल अस्पताल की साफ-सफाई में योगदान देते हैं, इसलिए उन्हें बिना पुनर्वास के नहीं हटाया जाए। उन्होंने डीसी से आग्रह किया कि पहले बसाने की व्यवस्था की जाए, फिर झुग्गी हटाई जाए। गौरतलब है कि बोकारो हवाई अड्डा के विस्तारीकरण के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। पहले इसके निर्माण कार्य को 5 नवंबर तक पूरा करने की समयसीमा तय थी, लेकिन अब समय सीमा बीत जाने के बाद प्रशासन ने अवैध बस्तियों को हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

आवास बचाओ संघर्ष समिति ने चौथी बार डीसी से की मुलाकात, मिला कार्रवाई का आश्वासन

बोकारो, संवाददाता

सेक्टर-12 आवास बचाओ संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने आज चौथी बार बोकारो उपायुक्त से मुलाकात की। समिति ने बीएसएल प्रबंधन द्वारा आवास खाली कराने के खिलाफ अपनी शिकायत दोहराई और कार्रवाई की मांग की। उपायुक्त ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनका आवेदन पहले भी प्राप्त हुआ था और अब वह इसे पुनः पढ़कर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्णय लेंगे। समिति के सदस्यों ने बताया कि वे पिछले आठ महीनों से लगातार धरना, प्रदर्शन और प्रभात फेरी के माध्यम से अपने आवास बचाने के लिए आंदोलनरत हैं। समिति के अध्यक्ष ने उपायुक्त का धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रशासन शीघ्र ही ठोस कदम उठाएगा। सदस्यों ने बताया कि यह चौथी बार है जब उन्होंने डीसी को आवेदन सौंपा है और हर बार की तरह इस बार भी सकारात्मक आश्वासन मिला है।

जयपाल-जुलियस-हन्ना साहित्य पुरस्कार से सम्मानित होंगे तीन लेखक

रांची, संवाददाता

मोरहाबादी स्थित पद्मश्री रामदयाल मुंडा ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट (टीआरआई) हॉल में चौथा जयपाल-जुलियस-हन्ना साहित्य पुरस्कार समारोह और बहुभाषाई आदिवासी-देशज काव्यपाठ आयोजित किए जाएंगे. 9 नवंबर को प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन द्वारा आयोजित होगा. राष्ट्रीय साहित्यिक समारोह का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय की वरिष्ठ हिंदी प्राध्यापक और किन्नौरी आदिवासी साहित्यकार डॉ स्नेहलता नेगी करेंगी.

तीन लेखक होंगे पुरस्कृत

जयपाल-जुलियस-हन्ना साहित्य पुरस्कार से तीन लेखकों को सम्मानित किया जाएगा. पहले सत्र में आदिवासी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुरस्कृत होंगे. जिसमें सोनी रूमछु (अरुणाचल प्रदेश, नोक्ते समुदाय)- ह्यवह केवल पेड़ नहीं थाह्व (कविता संग्रह), काशाराय कुदादा (झारखंड, हो समुदाय)- ह्यदुपुब दिषुमह्व (वारंगक्षिति लिपि में निबंध संग्रह), मनोज मुर्मू (झारखंड, संताली समुदाय)- मानवा जियोन (कविता संग्रह).

13 भाषाओं के कवि अपनी भाषाओं में करेंगे कविता पाठ

जयपाल-जुलियस-हन्ना साहित्य पुरस्कार के दूसरे सत्र भी आयोजित होगी. जिसमें झारखंड के 13 भाषाओं के कवि शामिल होंगे. जिनमें बिरजिया, असुर, मुंडारी, माल पहाड़िया, भूमिज,संताली, हो, खड़िया, कुड़ुख, नागपुरी-सादरी, पंचपरगनिया, कुड़मालि और खोरठा भाषाओं के कवि अपनी कविताओं का पाठ करेंगे.

आदिवासी साहित्य और रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू हुए कार्यक्रम

जयपाल सिंह मुंडा, जुलियुस तिग्गा और हन्ना बोदरा के नाम पर 2022 में प्रारंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य आदिवासी साहित्य और रचनाकारों को प्रोत्साहित करना है. यह आयोजन झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा और टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है. झारखंडी अखड़ा की महासचिव वंदना टेटे ने बताया कि यह मंच आदिवासी लेखन को राष्ट्रीय साहित्यिक विमर्श के केंद्र में लाने का सतत प्रयास कर रहा है.

ठेकेदार मजदूर यूनियन (एटक) का चरणबद्ध आंदोलन पुनः शुरू, 12 को होगा सत्याग्रह

बोकारो, संवाददाता

ठेकेदार मजदूर यूनियन (एटक) ने अपनी मांगों को लेकर आज से चरणबद्ध आंदोलन पुनः शुरू कर दिया है। तेनुघाट थर्मल पावर स्टेशन के प्रशासनिक भवन के सामने मजदूरों की गेट मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में यूनियन के महासचिव इफ्तेखार महमूद ने कहा कि प्रबंधन लगातार मजदूरों के समक्ष समस्याएं खड़ी कर रहा है। बिना कानूनी प्रावधानों के मजदूरों को सेवा निवृत्त कर हटाया जा रहा है, आठ वर्षों से वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं दी गई और पहले से मिल रही सुविधाएं भी बंद कर दी गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्थायी मरम्मती कार्य में वर्षों से कार्यरत मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी तक नहीं दी जा रही है। महमूद ने घोषणा की कि आंदोलन के दूसरे चरण में 12 नवंबर को प्लांट की मुख्य सड़क पर सत्याग्रह किया जाएगा। गेट मीटिंग की अध्यक्षता जागेश्वर शर्मा ने की। मौके पर समीर कुमार हलदर, सचिन डेगलाल महतो, बद्री मुंडा, बिरालाल मांझी, धनेश्वर रविदास, वली वारसी, मनोज तूरी, हराधन हालदार और वकील प्रजापति समेत कई यूनियन सदस्य उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

23वीं बिहार राज्य सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता को लेकर उप समितियों का हुआ गठन

पटना (एजेंसी) : 23वीं बिहार राज्य सब जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता 2025 का आयोजन बिहार राज्य कबड्डी संघ के बैनर तले सारण जिला कबड्डी संघ एवं माँ दुर्गा कबड्डी क्लब महादलितवीघा सोनपुर के संयुक्त तत्वावधान में 8 एवं 9 नवंबर को किया जाना है। उक्त प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सारण जिला कबड्डी संघ के सचिव पंकज कश्यप द्वारा रघुराज सिंह को आयोजन सचिव एवं संजय सिंह को आयोजन अध्यक्ष बनाया गया है। बताते चलें कि सारण जिले में कबड्डी खेल को लेकर स्थानीय खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिलता है। यही कारण है कि इस वर्ष सारण जिला में दूसरी बार राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति के द्वारा सफल आयोजन हेतु मनोज सिंह के निर्देशन में भोजन समिति, दीपक सिंह के निर्देशन में तकनीकी समिति, राजवीर सिंह के निर्देशन में प्रचार समिति, राहुल सिंह के निर्देशन में मैदान निर्माण समिति, रितिक सिंह के निर्देशन में उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समिति अपने कार्य को अच्छी तरह से संचालित कर रही है।

भाजपा ने नीतीश कुमार को दरकिनार करने का बना लिया मन : राजीव शुक्ला

पटना (एजेंसी) : कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुए बंपर मतदान को बदलाव का संकेत बताया है। शुक्रवार को राजधानी पटना में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने बिहार में पहले चरण के मतदान के बाद कहा कि बिहार की जनता अब निर्णायक बदलाव के मूड में है। राजीव शुक्ला ने कहा कि 64 प्रतिशत से अधिक मतदान का मतलब स्पष्ट संकेत है कि जनता ने सत्ता परिवर्तन का मन बना लिया है। इतिहास गवाह है कि जब-जब अधिक मतदान हुआ है, वह हमेशा बदलाव का संकेत रहा है। जनता इस बार विकास, रोजगार और ईमानदारी के पक्ष में खड़ी है। उन्होंने कहा कि जनता ने ईवीएम का बटन दबाया है और सत्ता की कुर्सी तक कंपन पहुंच चुकी है। राजीव शुक्ला ने बताया कि कांग्रेस और महागठबंधन की जमीनी रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के 16 में से 12 मंत्री अपनी सीटें हार रहे हैं, जिनमें दोनों उपमुख्यमंत्री भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं, जनता की नाराजगी का प्रमाण है। जब सत्ता के शीर्ष चेहरे अपनी सीटों पर संघर्ष करते दिखे, तो समझिए जनता ने बदलाव का मन बना लिया है।

अमित शाह के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

पूर्णिया (एजेंसी) : भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को एनडीए और भाजपा प्रत्याशी विजय खेमका के समर्थन में पूर्णिया शहर के भट्ठा बाजार क्षेत्र में करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा रोड शो किया। रोड शो में भारी जनसमूह उमड़ा और पूरे मार्ग में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों का उत्साह देखने लायक था। यह रोड शो आर. एन. साव चौक स्थित श्रीराम जानकी मंदिर से शुरू होकर खालीबाड़ी चौक, लखन चौक, खीरू चौक, जिला स्कूल होते हुए आस्था मंदिर के पास समाप्त हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में गृह मंत्री अमित शाह ने वीर कुंवर सिंह स्मारक पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उसके बाद भारत माता की जय एवं वंदे मातरम के नारे लगाए। रोड शो में भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक विजय खेमका, भाजपा नेत्री एवं उप महापौर पल्लवी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की चेनारी में जनसभा, जनता से किए कई वादे, महागठबंधन के लिए मांगा समर्थन

पीएम मोदी सिर्फ चुनाव प्रचार करते हैं, देश के बारे में नहीं सोचते

एजेंसी

डेहरी आन सोन : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को रोहतास जिला के चेनारी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित किया और लोगों से महागठबंधन के पक्ष में वोट करने की अपील की। उन्होंने इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पंचायत का चुनाव हो या जिला स्तर का या फिर हो विधानसभा का चुनाव, मोदी जी फिरते रहते हैं। उनका काम है घूमने का। विदेश में घूमने जाते हैं। फिर हिंदुस्तान में आते हैं, तो चुनाव प्रचार में लग जाते हैं। देश के बारे में एक दो घंटे कभी सोच नहीं सकते, जो कुछ उनका अधिकारी काम करता है, बस उसी पर वे हस्ताक्षर करते हैं। उन्होंने कहा, मैं इस चुनाव में गरीबों की मदद करने और डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को बचाने के लिए आया हूं। उन्होंने कहा कि मेरा हृदय का ऑपरेशन हुआ है। बावजूद इसके देश में हमको लोकतंत्र बचाना है। इस देश में हमें स्वतंत्रता और बंधु प्रेम कायम रखना है। हम आपकी खुशी के लिए लड़ते हैं। जनता का हित सबसे ऊपर माना जाता है। जनता के लिए हम लड़ रहे हैं, किसानों के लिए लड़ रहे हैं, दलितों के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार ऐसा राज्य है, जहां पर सामाजिक न्याय चल रहा है, ऐसे में मुझे यह समझ में नहीं आता कि मोदी जी यह बात कैसे बोल रहे हैं कि कांग्रेस के कान पर कट्टा रखकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मुख्यमंत्री का पद छिन लिया। तेजस्वी यादव ने अपने आप को मुख्यमंत्री का पद का उम्मीदवार घोषित करवा लिया। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू बिहार में एक बात कही थी कि जो सामाजिक न्याय की प्राथमिकता दें, आप उनको वोट दें। महागठबंधन के उम्मीदवार मंगल राम का मंगल करने का काम आपके हाथ में है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को 10-10 हजार रुपये का कर्ज दिया और कहा कि माता-बहन आपको 10 हजार रुपया मिला है, इससे बड़ा दुकान खोलें। पर यह तो खोदा पहाड़ निकली चुहिया वाली बात हुई। पढ़े-लिखे लोग आज बेकार हैं। आज एक नौकरी नहीं, लेकिन सरकार में कम से कम 50 लाख पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने चार बार बिहार के मुख्यमंत्री बने, लेकिन किए क्या? यहां के लोग रोजगार के लिए दिल्ली, गोवा, मुंबई और गुजरात भागकर जाते हैं। इन लोगों को शर्म है, तो पहले पलायन बंद करें। हमारी माता-बहनों को सुरक्षा दें। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमें जीविका दीदियों की नौकरी पक्की करनी है। संविदा पर जितने भी लोग काम कर रहे हैं, उनकी नौकरी भी पक्की करनी है। महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह की दर से एकमुश्त 30 हजार रुपये देना है। बिहारवासियों को दो सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त देनी है। कर्नाटक और तेलंगाना में ऐसा किया जा रहा है और बिहार में यदि महागठबंधन की सरकार बनती है, तो यहां भी ये सभी योजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हमने 25 लाख तक की बीमा योजना राजस्थान में किया था, वो यहां भी करेंगे। पुरानी पेंशन लागू करेंगे, पलायन मुक्त बिहार का निर्माण करेंगे।

देरी से पहुंचने पर खरगे ने कहा- मोदी जी ने एयरपोर्ट पर रोक दिया

चुनावी सभा में लगभग तीन घंटे की देरी से पहुंचने पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'मैं तो समय पर आया था, लेकिन मोदी जी ने एयरपोर्ट पर रोक दिया, क्योंकि उनकी फ्लाइट उड़ने तक हम उड़ नहीं सकते थे। ऐसा यहां के सुरक्षा अधिकारी ने कहा। हम अपने हेलीकॉप्टर में ही डेढ़ घंटे तक बैठे रहे। जब मोदी जी उड़े उसके पच्चीस मिनट के बाद हमको यहां आने का मौका मिला। इसीलिए मैं आपसे क्षमा चाहता हूं।'

एनडीए की सुनामी में विपक्ष का सुपड़ा साफ होना तय : उमेश

एजेंसी

पटना : जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को घोषी विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी ऋतुराज कुमार तथा जहानाबाद विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी के पक्ष में भव्य रोड शो किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर उपस्थित रहे। रोड शो के दौरान एनडीए कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय जनता का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा। जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और जयघोषों से नेताओं का जोरदार स्वागत किया। दोनों नेताओं ने मतदाताओं से आगामी 11 नवंबर को एनडीए के पक्ष में एकजुट होकर मतदान करने की अपील की और प्रदेश में विकास एवं सुशासन की निरंतरता के लिए एनडीए की प्रचंड जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पूरा बिहार एनडीए के रंग में रंग चुका है और चारों ओर एक ही गूंज सुनाई दे रही है - ''2025 में 225, फिर से नीतीश!'' उन्होंने आगे कहा कि पहले चरण के मतदान में बिहार की जनता ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर एनडीए के पक्ष में मतदान किया है। जो लोग झूठ और भ्रम फैलाकर जनमत हासिल करने का सपना देख रहे थे, उन्हें जनता ने आईना दिखा दिया है।

पीएम मोदी और सीएम नीतीश ने बिहार में किया विकास : बाबूलाल

कटिहार (एजेंसी) : कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र के करेटा हाई स्कूल मैदान में कोढ़ा विधानसभा क्षेत्र में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। यह जनसभा एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी कविता पासवान के समर्थन में आयोजित की गई थी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में विकास किया है और विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि हर गांव में पक्की सड़क, पुल और पुलिया का निर्माण हुआ है, जिससे बिहार में विकास की गति बढ़ी है। सांसद मनोज तिवारी ने लोगों से एनडीए को वोट देने की अपील की।

जनता बदलाव के मूड में, 14 को लिखा जाएगा इतिहास : पीके

एजेंसी

बोधगया : बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद जन सुराज अभियान के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को बोधगया में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को इतिहास लिखा जाएगा। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि इस चुनाव में जनता नए विकल्प को लेकर अभूतपूर्व उत्साह में है और जन सुराज की जीत तय है। प्रशांत किशोर ने कहा कि पहले चरण में जिस तरह से लोगों ने मतदान किया है, वह राज्य की राजनीति में नए दौर की शुरूआत का संकेत है। उन्होंने बताया कि इस बार प्रवासी मजदूरों ने बड़ी संख्या में बिहार लौटकर मतदान किया है और यही इस चुनाव के एक्स फैक्टर हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि बाहर काम करने वाले मजदूरों ने इस बार पूरे जोश के साथ वोट दिया है। यह वर्ग अब केवल दर्शक नहीं, बदलाव का वाहक बन चुका है।

प्रशांत किशोर ने विश्वास जताया कि जनता ने जन सुराज को मजबूत समर्थन दिया है और आने वाले दूसरे चरण में यह लहर और तेज होगी। जन सुराज प्रमुख ने यह भी कहा कि जनता ने पुराने राजनीतिक दलों से निराश होकर इस बार नए नेतृत्व पर भरोसा जताया है। 14 नवंबर को जब परिणाम आएंगे, तब यह साफ हो जाएगा कि बिहार के लोग परिवर्तन के पक्ष में एकजुट हो गए हैं।

कारोबार

असम पहुंचीं सीतारमण ने टाटा सेमीकंडक्टर प्लांट का दौरा किया, कहा

सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देना उद्देश्य

एजेंसी

गुवाहाटी : दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार सुबह गुवाहाटी पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने टाटा समूह के 27 हजार करोड़ रुपये के सेमीकंडक्टर संयंत्र का दौरा किया। इसे असम के मोरीगांव जिले में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने राज्य के विभिन्न स्थानों पर कई परियोजनाओं का भी अनावरण किया। सीतारमण ने असम के अपने दौरे की शुरुआत मोरीगांव जिले के जगीरोड स्थित टाटा समूह की आगामी सेमीकंडक्टर सुविधा का निरीक्षण करके की। यह 27 हजार करोड़ रुपये के निवेश वाली एक ऐतिहासिक परियोजना है, जिसका उद्देश्य भारत की सेमीकंडक्टर विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देना है। इस परियोजना ने पूर्वोत्तर को भारत के उभरते सिलिकॉन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है। आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट इकाई इस क्षेत्र में सबसे महत्वाकांक्षी उच्च-प्रौद्योगिकी निवेशों में से एक है और भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में एक बड़ी उपलब्धि है।

वित्त मंत्री का असम दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब केंद्र सरकार वैश्विक कमी और बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच घरेलू चिप निर्माण का विस्तार करने, आयात पर निर्भरता कम करने और एक मजबूत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के प्रयासों में तेजी ला रही है। सीतारमण ने असम के मोरीगांव जिले के जगीरोड में छात्रों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों के साथ संवाद 'एंटरप्राइज असम-विकसित भारत 2047' में भाग लिया।

सरकार ने उपभोक्ता कानून में सुधारों का रखा प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने उपभोक्ता कानून में सुधारों का प्रस्ताव रखा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों की रूपरेखा पेश की। इसका मकसद लंबित मामलों को कम करना और कृत्रिम मेधा (एआई) तथा डिजिटल मंच के जरिए विवाद समाधान में तेजी लाना है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि डीओसीए ने नई दिल्ली में मानक भवन में 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 में संशोधन पर चिंतन शिविर' का आयोजन किया, जिसमें मामलों के निपटारे के लिए सख्त समय-सीमा और एआई तथा मशीन लर्निंग टूल्स सहित प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि 2019 के कानून में इस समय नियमित मामलों के लिए तीन महीने और जांच की जरूरत वाले मामलों के लिए पांच महीने की समय-सीमा है। उन्होंने एक बयान में कहा कि कोई भी मामला छह महीने से ज्यादा लंबित नहीं रहना चाहिए। खरे ने कहा कि ई-जागृति डिजिटल फाइलिंग पहल और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन सालाना 12 लाख से ज्यादा शिकायतों का समाधान करती है। उन्होंने कहा कि सरकार समय पर उपभोक्ता न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में एनसीडीआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अमरेश्वर प्रताप शाही, उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे के अलावा अतिरिक्त सचिव भरत खेड़ा और संयुक्त सचिव अनुपम मिश्रा उपस्थित थे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.62 अरब डॉलर घटा

नई दिल्ली (एजेंसी) : आर्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 5.62 अरब डॉलर घटकर 689.73 अरब डॉलर रहा। पिछले हफ्ते 24 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.96 अरब डॉलर घटकर 564.59 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.81 अरब डॉलर घटकर 101.73 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक 31 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.64 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 16.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.77 अरब डॉलर रहा।

रिकवरी के बावजूद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई (एजेंसी) : सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में निचले स्तर से जबरदस्त रिकवरी देखी गई। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से शेयर बाजार तेज गिरावट का शिकार हो गया। लेकिन सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे धीरे-धीरे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रिकवरी शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले ये दोनों सूचकांक हरे निशान में अपनी जगह बनाने में सफल रहे। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.11 प्रतिशत और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान कैपिटल मार्केट और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी हुई। इसी तरह पीएसयू बैंक, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला शाइनिंग टूल्स का आईपीओ

मुंबई (एजेंसी) : हाई परफॉर्मेंस सॉलिड कार्बाइड कटिंग टूल्स का उत्पादन करने वाली कंपनी शाइनिंग टूल्स लिमिटेड का 17.10 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 14 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है।

100 अरब डॉलर की कंपनी बनी एसबीआई : संजय मल्होत्रा

एजेंसी

मुंबई : आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई है। उन्होंने कहा कि आरबीआई के नियामक सुधारों के कारण एसबीआई 2018 में घाटे से उबरकर 100 अरब डॉलर की कंपनी बन गई है।

संजय मल्होत्रा ने आर्थिक राजधानी मुंबई में एसबीआई के बैंकिंग बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नियामकों को ऋण और जमा विस्तार, बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता के साथ-साथ परिसंपत्तियों और इक्विटी पर रिटर्न में वृद्धि को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें विनियमित संस्थाओं को प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने की अनुमति देनी चाहिए। संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय बैंक आज एक दशक पहले की तुलना में कहीं अधिक परिपक्व हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक का उद्देश्य चीजों का सूक्ष्म प्रबंधन करना नहीं है। भारत के बैंकिंग क्षेत्र में परिवर्तन एक मजबूत नियामक ढांचे और आरबीआई और सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रमुख नीतिगत उपायों से संभव हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी नियामक को बोर्डरूम के फैसले का स्थान नहीं लेना चाहिए और प्रत्येक मामले को एक विनियमित संस्था द्वारा योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए।

एक दिन में 2,200 रुपये तक बढ़ी चांदी

नई दिल्ली (एजेंसी) : घरेलू सर्राफा बाजार में लौटी तेजी का असर शुक्रवार को चांदी के भाव में आए उछाल के रूप में भी नजर आ रहा है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आ गई है। आज की इस तेजी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,50,400 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत उछल कर 1,52,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,50,400 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,51,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,52,800 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,52,100 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है।

दिल्ली एटीसी में गड़बड़ी के बाद देशभर में 400 से अधिक उड़ानें हुई प्रभावित

- एयरलाइंस ने जारी की एडवाइजरी
- एटीसी सिस्टम में आई तकनीकी समस्या

एजेंसी

नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली के एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) में शुक्रवार को एक बड़ी तकनीकी खराबी के कारण पूरे भारत में उड़ान संचालन में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हो गया, जिससे 400 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई हैं और हजारों यात्री एयरपोर्ट पर फंस गए हैं। इसको लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी और एयरलाइंस कंपनियों ने एडवाइजरी जारी की है। देश के सबसे व्यस्ततम केंद्रों में से एक इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर हुई घटना से श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया शुरू हो गई, जिससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। कथित तौर पर यह समस्या स्वचालित संदेश स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में खराबी के कारण उत्पन्न हुई, जो महत्वपूर्ण एटीसी डेटा और उड़ान योजनाओं का प्रबंधन करता है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी और एयरलाइंस कंपनियों ने जारी एक यात्री परामर्श में कहा है, 'एटीसी प्रणाली में तकनीकी समस्या के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) पर उड़ान संचालन में देरी हो रही है। उनकी टीम दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) सहित सभी हितधारकों के साथ मिलकर इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।' दिल्ली हवाई अड्डे पर स्वचालित संदेश स्विचिंग सिस्टम एएमएसएस की खराबी का असर मुंबई, जयपुर, लखनऊ, वाराणसी और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर परिचालन पर पड़ना शुरू हो गया है, क्योंकि दिल्ली से इन गंतव्यों के लिए आने वाली उड़ानें देरी से चल रही हैं। हालांकि, एएआई ने स्पष्ट किया है कि अभी तक किसी अन्य हवाई अड्डे पर ऐसी कोई तकनीकी समस्या सामने नहीं आई है।

एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों से हवाई अड्डे पर पहुंचने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति के बारे में अपडेट रहने के लिए एडवाइजरी जारी की है। एयर इंडिया ने अपने एडवाइजरी में कहा है कि दिल्ली में एटीसी सिस्टम में आई एक तकनीकी समस्या सभी एयरलाइनों के उड़ान संचालन को प्रभावित कर रही है, जिससे हवाई अड्डे और विमान में देरी और लंबा इंतजार हो रहा है। इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण हुई असुविधा के लिए हमें खेद है, जो हमारे नियंत्रण से बाहर है, और हम आपके धैर्य की सराहना करते हैं।

सर्दियों में ब्लड फ्लो बढ़ाने के लिए करें ये काम

ठंड के दिनों में बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है, जिसके वजह से हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। यह कारण हार्ट अटैक का सबब भी बन सकता है। इसलिए ब्लड फ्लो को बढ़ाने के लिए ये उपाय करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

आपके बॉडी के सभी अंगों को सही तरह से काम करने के लिए ऑक्सीजन युक्त ब्लड की आवश्यकता होती है। जिसकी पूर्ति आपकी बॉडी में मौजूद 60 हजार खून की नलियों के जरिए हार्ट करता है। लेकिन जब आपका सर्कुलेशन खराब होता है, तो ब्लड फ्लो धीमा या अवरुद्ध हो जाता है। जिससे आपके शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीजन और वे सभी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं जिनकी उन्हें जरूरत होती है। खराब सर्कुलेशन की दिक्कत तब होती है जब नसों में गंदा फैट जमा हो जाता है, खून का थक्का बनने लगता है या खून की नसें सिकुड़ने लगती है। वैसे तो ये सभी कारण आपकी मेडिकल कंडीशन या खराब जीवनशैली का परिणाम होते हैं। लेकिन ठंड के दिनों में आमतौर पर नसें सिकुड़ने लगती है। जो कुछ मामलों में स्ट्रोक या हार्ट अटैक का कारण भी हो सकती है। इसलिए खराब सर्कुलेशन के लक्षण दिखते ही इसमें सुधार के उपायों को करना फायदेमंद साबित हो सकता है।

खराब ब्लड सर्कुलेशन के लक्षण

- चलने से मांसपेशियों में दर्द
- त्वचा में झुनझुनी
- त्वचा का रंग पीला या नीला
- उंगलियां का ठंडा पड़ना
- छाती में दर्द
- नसों में सूजन [illegible]

धूम्रपान से करें परहेज

सिगरेट, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और धुंआ रहित तंबाकू में निकोटिन मौजूद होता है। जो आपकी खून की नसों की दीवारों को हानि पहुँचाता है और आपके खून को इतना गाढ़ा कर देता है कि वह अच्छी तरह बह नहीं पाता है। ऐसे में यदि आप धूम्रपान करते हैं, तो छोड़ दें।

ब्लड प्रेशर को रखें कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर धमनियों की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। जब आहार से वसा ब्लड फ्लो में प्रवेश करते हैं, तो वे क्षतिग्रस्त धमनियों में जमा होने लगते हैं। जिससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट पैदा होने लगती है।

बॉडी को हाइड्रेट रखें

खून लगभग आधा पानी से बना होता है। इसलिए आपको इसे बहने योग्य बनाए रखने के लिए हाइड्रेटेड रहने की जरूरत है। एक दिन में 8 गिलास पानी का लक्ष्य रखें। यदि आप व्यायाम करते हैं, तो अधिक मात्रा में पानी का सेवन करें।

खूब खाएं प्लांट बेस्ड फूड

ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाए रखने के लिए हेल्दी फूड का सेवन बहुत जरूरी होता है। ऐसे में बहुत सारे फल और सब्जियां खाएं। संतृप्त वसा से दूर रहें जो लाल मांस, चिकन, पनीर और अन्य एनिमल बेस्ड फूड में पाया जाता है। इसके साथ ही ज्यादा नमक के सेवन से बचें। यह आपके हेल्दी वेट को बनाए रखने और आपके कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के साथ आपकी धमनियों को साफ रखता है।

नहाने के लिए इस्तेमाल करें गर्म पानी

हालांकि गर्म पानी से बाथ ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करने का एक अस्थायी उपाय है, लेकिन स्नान आपके सर्कुलेशन को किक-स्टार्ट करने का एक शानदार तरीका है। गर्म पानी आपकी धमनियों और नसों को थोड़ा चौड़ा कर देता है, जिससे ब्लड फ्लो अच्छे से होता है। इसके अलावा गर्म पानी या बाथ भी आपकी नसों को खोलने का काम करती है।

सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाती व्हिस्की टी

सुबह की चाय पूरे दिन के लिए एनर्जी डोज की तरह होती है, जिसके बिना कुछ लोगों का दिन ही शुरू नहीं होता। वहीं, सर्दियों का मौसम भी चाय की चुस्कियों के बिना अधूरा ही लगता है लेकिन चाय में मौजूद कैफीन सेहत के लिए हानिकारक होता है। ऐसे में क्यों ना इस हेल्दी चाय पीकर सेहत व दिन को बेहतर बनाया जाए। आज हम आपको व्हिस्की टी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बनती तो आम चाय की तरह ही लेकिन यह सेहत को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती।

एल्कोहलिक नहीं सेहत के लिए फायदेमंद

वैसे आपको ये भी बता दें कि इस चाय को पीने से आपको कोई नशा होगा क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाली व्हिस्की नॉन एल्कोहलिक होती है। हालांकि इसका स्वाद थोड़ा अलग होता है लेकिन यह सेहत को नुकसान की बजाए फायदा पहुंचाती है। व्हिस्की-टी पीने के फायदे -

सर्दी-जुकाम से राहत

सर्दी के मौसम में ठंडी हवा के कारण खांसी व जुकाम की समस्या आम देखने को मिलती है। व्हिस्की में मौजूद फायटोकेमिकल्स और अन्य पोषक तत्व सर्दी-जुकाम व दूसरे संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं।

हाइपरटेंशन से निजात

इसमें पाए जाने वाला क्वेरसेटिन नाम का पिग्मेंट, ब्लड क्लॉट बनने से रोकता है, जिससे हाइपरटेंशन का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

अनिद्रा की समस्या

अगर आपको नींद न आने की समस्या तो रोजाना सोने से पहले इस चाय का सेवन करें। इसेस आपको अच्छी व गहरी नींद आएगी।

पेट से जुड़ी परेशानियां

इस चाय में पाए जाने वाले तत्व पेट जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी, पेट दर्द और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करता है। इसके अलावा रोज इसकी चाय पीने से पाचन क्रिया भी दुरुस्त रहती है।

वजन कंट्रोल करने में मददगार

अन्य चाय में कैफीन की मात्रा अधिक होने के कारण वह वजन बढ़ाने का काम करती है लेकिन यह चाय बिल्कुल फैट फ्री है। ऐसे में अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो इस चाय को डाइट में जरूर शामिल करें।

तनाव या टेंशन

वर्क प्रेशर के चलते आजकल हर कोई स्ट्रेस या तनाव की समस्या से झूझ रहा है। मगर इस चाय में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व नर्वस सिस्टम को रीलैक्स करके तनाव व स्ट्रेस को दूर करते हैं, जिससे आप डिप्रेशन जैसी समस्याओं से भी बचे जाते हैं।

इम्यून सिस्टम को करती है बूस्ट

व्हिस्की-टी में विटामिन सी और ए भरपूर मात्रा में होता है, जोकि एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं। ऐसे में इसका सेवन इम्यून सिस्टम को बूस्ट करके आपको कई बीमारियों से बचाता है।

चाय बनाने के लिए सामग्री

सिंगल माल्ट - 2 चम्मच, ब्लैक टी बैग- 1, पानी- 350 एमl, दालचीनी- 02 ग्राम, चीनी पाउडर- स्वादानुसार

व्हिस्की चाय बनाने की विधि

चाय बनाने के लिए आप सबसे पहले एक बाउल में 2 चम्मच नॉन एल्कोहलिक सिंगल माल्टस 1 ब्लैक टी बैग और दालचीनी डालकर मिलाएं। अब इसे इंफ्यूज करने के लिए इसमें पानी डालकर 40 मिनट तक ढककर रखें। फिर इसे चम्मच से अच्छी तरह मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीनी का पाउडर डालकर इसे मीठा कर सकते हैं। इसके बाद इसमें बर्फ के टुकड़े डालकर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें और कुछ देर बाद इसका सेवन करें।

टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करती है काली मिर्च

अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है।

खराब लाइफस्टाइल और बाहर का खाना लोगों को सौगात में मोटापा दे रहा है और तो और भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते लोग वजन कम करने के लिए ज्यादा मेहनत भी नही करना चाहते। अगर आपके भी वजन घटाने का समय नही हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती है। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है। आज हम आपको काली मिर्च से वजन घटाने का तरीका और इसके अन्य फायदे बताएंगे।

वजन घटाने के लिए काली मिर्च

काली मिर्च में आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, क्रोमियम, विटामिन-ए, सी, और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइट न्यूट्रियंस होते हैं जो वसा की बाहरी परत को तोड़कर शरीर में वसा जमा नहीं होने देते। इसका इस्तेमाल करने से वजन घटाने के अलावा कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी बचा जा सकता है। इसके साथ यह सर्दी-जुकाम में भी बहुत फायदेमंद है।

मोटापे से छुटकारा पाना चाहते हैं तो काली मिर्च आपके लिए काफी फायदेमंद होगी। पकी हुए सब्जी की एक कटोरी में 1 चुटकी काली मिर्च पाउडर डाल कर सेवन करें। नियमित रूप से इसे खाने पर आपका वजन कम होगा। इसके अलावा आप सलाद, दही व हर्बल टी में इसे मिलाकर भी खा सकते हैं। इसकी आपको सिर्फ 1 से 2 चुटकी मात्रा ही लेनी हैं।

काली मिर्च के अन्य फायदे

कैंसर से करे बचाव

कैंसर एक खतरनाक बीमारी है जिससे बाहर निकलना काफी मुश्किल है। काली मिर्च कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से स्तन कैंसर की गांठ नहीं बनती है। काली मिर्च में विटामिन-सी, ए, फ्लेवोनॉयड्स, कारोटेन्स और अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट पाये जाते हैं। यह कैंसर को रोकने में काफी मदद करते हैं।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत

खराब व अनियमित खान-पान के चलते लोगों को पेट संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अपच, दस्त, कब्ज और खट्टी डकार आदि से राहत पाने के लिए काली मिर्च के सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इससे पेट की पाचन क्रिया सही होती है।

त्वचा की खूबसूरती

काली मिर्च ना सिर्फ शरीर को रोगों से बचाती है बल्कि यह त्वचा को निखारने का भी काम करती है। काली मिर्च को दरदरा पीस कर चेहरे पर स्क्रब करने से त्वचा में चमक आती है। साथ ही कील-मुंहासे भी दूर हो जाएंगे। इससे डेड स्किन भी निकल जाती है।

प्रदूषण का आंखों पर होता है ये असर

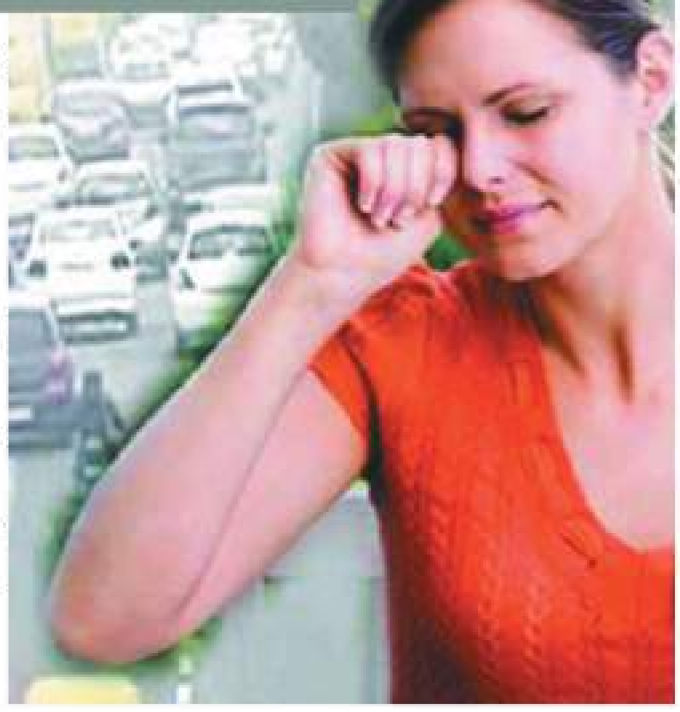

प्रदूषित पर्यावरण, बढ़ते वायु प्रदूषण और अल्ट्रा वॉयलेट किरणों के बढ़ते प्रभाव की वजह से आंखों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कॉर्निया, पलकों, सिलेरिया और यहां तक कि लेंस पर भी पर्यावरण का असर होता है। बढ़ते तापमान और पर्यावरण के चक्र में आते बदलाव के चलते क्षेत्र में हवा खुश्क हो रही है। इस वजह से आंखों में ज्यादा खुश्की आ रही है, जिसके चलते आंसू नहीं बनते या बहुत जल्दी सूख जाते हैं। वायु प्रदूषण लंबे समय से सांस प्रणाली की समस्याओं का कारण बन रहा है। हाल ही में इसका असर आंखों पर भी नजर आने लगा है। लकड़ी या कोयले जलते समय उसके संपर्क में आने से विकासशील देशों में ट्रोकमा की वजह से आंखों में जख्म हो जाते हैं। उम्रभर संक्रमण होने से पलकों के अंदर जख्म हो सकते हैं, जिससे पलकें अंदर की ओर मुड़ जाती हैं और कॉर्निया से रगड़ खाने लगती हैं और क्षति पहुंचा देती है, जिससे नजर भी चली जाती है। ओजोन की क्षति होने से अल्ट्रावायलेट किरणों का असर बढ़ रहा है, जिससे कॉर्टिकल कैटेरेक्ट का खतरा बढ़ जाता है। सूर्य की खतरनाक किरणों के लगातार संपर्क में आने से आंखों के लेंस के प्रोटीन की व्यवस्था बिगड़ सकती है और लेन्ज एपिथीलियम को क्षति पहुंच सकता है, जिससे लेंस धुंधला हो जाता है। वह कहते हैं कि हैट पहनने से यूवी का असर 30 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यूवी प्रोटेक्शन वाला साधारण धूप का चश्मा लगाने से 100 प्रतिशत तक सुरक्षा हो सकती है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पूरे समाज को आंखों को होने वाले गंभीर नुकसान के बारे में जागरूक होना चाहिए। भारतीय लोगों में पहले ही विटामिन-डी की कमी है, इसलिए इन सावधानियों पर गौर करना बेहद जरूरी है।

रात की डाइट में शामिल करें ये स्नैक्स

अधिकतर लोग समझते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी खाना ही काफी होता है। मगर बिजी लाइफ के चलते या स्टूडेंट्स द्वारा रात देर रात तक जागकर पढ़ते रहने से खाने की क्रेविंग होने लगती है जो हेल्थ के लिए ठीक नहीं। इस समस्या से बचने के लिए कुछ ऐसे स्नैक्स का सेवन जरूर करना चाहिए, जो खाने की क्रेविंग को कम करें और आपको हैल्दी रखें। स्नैक्स ना सिर्फ बॉडी में इंफैक्शन को रोकते है साथ ही साथ वजन को भी कम करने मदद करते है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही हेल्दी स्नैक्स जिन्हें आप रात की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

वेजिटेबल ऑमलेट

वेजिटेबल ऑमलेट कई प्रकार की सब्जियों से बनता है जो बॉडी को फाइबर, प्रोटीन और कई प्रकार के पोषक तत्व प्रदान करता है। ये रात के वक्त आपकी भूख को कम करते है और नींद दिलाने में मदद करते है।

दलिया

दलिया में फाइबर होता है जिससे भूख कम लगती है। फाइबर से शरीर का वजन ठीक रहता है और इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा, अच्छी नींद के लिए दलिया खाना फायदेमंद होता है।

नट्स और फल

वैसे तो हम नट्स और फलों को किसी भी वक्त खा सकते है क्योंकि यह सेहत के लिए हेल्दी ही होते है। इनमें फाइबर, फॉस्फोरस और विटामिन-सी भरपूर मात्रा में होते हैं। इनका रात को सेवन करने से नींद अच्छी आती है और भूख भी कम लगती है।

बादाम

अगर आप नियमित रुप से बादाम खाते है तो आप कई पुरानी बीमारियों से बचे रह सकते है। बादाम दिल से जुड़ी बीमारियों से भी बचाता है। बादाम में मोनोअनसेचुरेटेड फेट, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए रात को बादाम खाना सेहत के लिए अच्छा होता है।

मखाना

अगर आपको हर 2-3 घंटे बाद भूख लगती है तो अपनी डाइट में मखानों को शामिल करें क्योंकि इसमें कम वसा होती है जिसे खाने से न तो फिट बढ़ती और न ही खाने की क्रेविंग रहती है।

केंद्रीय श्रम मंत्रालय की दो दिवसीय बैठक 11 नवंबर से

नई श्रम और रोजगार नीति पर होगी विस्तृत चर्चा, सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने पर भी जोर

नई दिल्ली केंद्रीय श्रम मंत्रालय राष्ट्रीय श्रम और रोजगार नीति को अंतिम रूप देने के लिए 11 नवंबर से दो दिवसीय बैठक आयोजित करेगा। इस बैठक में सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश हिस्सा लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य हाल ही में जारी श्रम नीति मसौदे पर राज्यों के साथ सहमति बनाना है। मंत्रालय ने बताया कि यह मसौदा श्रम शक्ति नीति 2025 के तहत जारी किया गया और यह पहला प्रयास है जिसमें सार्वजनिक परामर्श के जरिए नीति बनाई जाएगी। बैठक में संगठित और असंगठित क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा का विस्तार भी प्रमुख एजेंडा होगा। सूत्रों ने बताया कि श्रम संहिताओं पर इस बैठक में चर्चा शामिल नहीं है। मंत्रालय का कहना है कि श्रम नीति राज्यों और केंद्र दोनों के लिए महत्वपूर्ण है और इसमें प्राप्त टिप्पणियों पर विचार किया जाएगा।

स्टड्स एक्सेसरीज आईपीओ शेयर निर्गम मूल्य से नीचे खुला

नई दिल्ली स्टड्स एक्सेसरीज लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 570 रुपये और एनएसई पर 565 रुपये पर खुला, जो निर्गम मूल्य 585 रुपये से क्रमशः 2.56 और 3.41 फीसदी कम है। कंपनी का आईपीओ 455 करोड़ रुपये का था, मूल्य दायरा 557-585 रुपये प्रति शेयर। लिस्टिंग के समय मार्केट कैप 2,255.54 करोड़ रुपये रहा। आईपीओ पर 73.25 गुना अभिदान हुआ, लेकिन लिस्टिंग पर शेयर अपने निर्गम मूल्य से नीचे आया।

मोटर वाहन की बिक्री में 21 फीसदी की सालाना वृद्धि

त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड वाहन बिके

नई दिल्ली देश में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में इस साल 42-दिवसीय त्योहारों की अवधि में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, इस अवधि के दौरान कुल **52,38,401 इकाई बिकी, जबकि पिछले साल यह 43,25,632 इकाई थी। फाडा के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि सभी श्रेणियों में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज हुई। त्योहारों के दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 7,66,918 इकाई रही, जो पिछले साल 6,21,539 इकाई थी। कॉम्पैक्ट और सब-4 मीटर कार में जोरदार उछाल देखने को मिला। जीएसटी 2.0 के कारण कीमतों में कमी और मध्यम वर्ग की बढ़ी खरीदारी इस वृद्धि का मुख्य कारण रही। कई मॉडल की बिक्री इतनी तेज थी कि आपूर्ति मांग से पीछे रह गई। दोपहिया वाहनों की बिक्री 40,52,503 इकाई तक पहुंची, सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आर्थिक माहौल, नकदी की स्थिति में सुधार और इलेक्ट्रिक वाहनों में बढ़ती रुचि ने इस वृद्धि में योगदान दिया। तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में क्रमशः 9 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अक्टूबर में मोटर वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 41 प्रतिशत बढ़ी। यात्री वाहन 11 प्रतिशत, दोपहिया वाहन 52 प्रतिशत, तिपहिया वाहन 5 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहन 18 प्रतिशत बढ़कर बिके।

गूगल मैप्स में एआई चैटबॉट जेमिनाई का एकीकरण, भारत में जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली गूगल मैप्स ने अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) जेमिनाई को ऐप में शामिल करने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को वाहन चलाते समय रेस्तरां, दुकानें और अन्य स्थानों की संक्षिप्त और सटीक जानकारी प्रदान करना है। एआई संचालित चैटबॉट जेमिनाई मैप्स की समीक्षा और वेब सामग्री का विश्लेषण करेगा। इससे उपयोगकर्ताओं को पार्किंग की संभावित उपलब्धता और अन्य महत्वपूर्ण विवरण पहले ही पता चल सकेंगे। गूगल मैप्स अब सक्रिय ट्रैफिक अलर्ट सुविधा पेश करेगा। यह सड़क पर आने वाली बाधाओं, देरी और अनुमानित यात्रा समय की जानकारी देगा। इसके अलावा, नागरिक प्राधिकरणों से प्राप्त डेटा के आधार पर दुर्घटना की आशंका वाले क्षेत्रों की चेतावनी भी दी जाएगी। स्पीडोमीटर के पास वास्तविक गति सीमा प्रदर्शित की जाएगी, जिससे ड्राइविंग में अधिक आत्मविश्वास मिलेगा। गूगल मैप्स की महाप्रबंधक ललिता रमानी के अनुसार, यह सुविधा जल्द ही भारत में उपलब्ध होगी और उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, सटीक और व्यावहारिक नेविगेशन अनुभव प्रदान करेगी।

अमेरिकी दबाव के बीच भारत ने बदले पेट्रोलियम निर्यात के रास्ते

▸▸ भारत ने जॉर्डन, हॉन्गकॉन्ग और स्पेन जैसे नए देशों में बढ़ाया निर्यात

नई दिल्ली

अमेरिकी दबाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में बदलती परिस्थितियों के बीच भारत के पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत के पेट्रोलियम उत्पादों के शिपमेंट में मात्रा के आधार पर 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। कुल निर्यात में पेट्रोलियम उत्पादों की हिस्सेदारी भी घटकर 13.8 प्रतिशत रह गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 17.1 प्रतिशत थी। डॉनल्ड ट्रंप के जनवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत पर रूसी कच्चे तेल की खरीद रोकने के लिए दबाव बढ़ा है। अमेरिका ने 7 अगस्त को भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया, जिससे कुल शुल्क दर 50 प्रतिशत तक पहुंच गई।

साथ ही यूरोपीय संघ के देशों को भी भारत से पेट्रोलियम उत्पाद न खरीदने की सलाह दी गई। इसके परिणामस्वरूप नीदरलैंड ने भारत से आयात में 20.4 प्रतिशत, फ्रांस ने 85 प्रतिशत और इंडोनेशिया ने 81.1 प्रतिशत की कमी की। हालांकि, इन परंपरागत बाजारों में गिरावट की भरपाई भारत ने नए देशों में निर्यात बढ़ाकर की है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में जॉर्डन को निर्यात 18,086 प्रतिशत, हॉन्गकॉन्ग को 17,006 प्रतिशत, स्पेन को 13,436 प्रतिशत और फिलीपींस को 2,235 प्रतिशत बढ़ा। वहीं चीन और अर्जेंटीना जैसे देशों में भी भारतीय पेट्रोलियम उत्पादों की मांग दोगुनी हो गई।

भारत का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ लाएगी जियो

170 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है वैल्यूएशन

नई दिल्ली रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के लिए इनवेस्टमेंट बैंकरों ने 130 अरब डॉलर से 170 अरब डॉलर तक के वैल्यूएशन का सुझाव दिया है। अगर यह 170 अरब डॉलर तक पहुंचता है, तो जियो भारती एयरटेल (12.7 ट्रिलियन) को पीछे छोड़कर भारत की शीर्ष कंपनियों में शामिल हो जाएगी। मुकेश अंबानी ने अगस्त में कहा था कि जियो की लिस्टिंग 2026 की पहली छमाही में हो सकती है। यह रिलायंस का पहला बड़ा आईपीओ होगा जब से रिलायंस पेट्रोलियम ने 2006 में बाजार में कदम रखा। नए नियमों के तहत 5 ट्रिलियन से अधिक वैल्यू वाली कंपनियों को कम से कम 15,000 करोड़ रुपए के शेयर बेचना होंगे और केवल 2.5 फीसदी हिस्सेदारी सार्वजनिक करनी होगी। सितंबर 2025 तक जियो के पास 50.6 करोड़ ग्राहक थे।

भारत में बड़े वैश्विक बैंक बनाने की तैयारी

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए बैंकिंग मजबूत करने की पहल

नई दिल्ली भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, लेकिन अभी कोई भी भारतीय बैंक विश्व के शीर्ष 10 बैंकों में शामिल नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 12वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स सम्मेलन में कहा कि देश को ऐसे बैंक चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला कर सकें। इस दिशा में सरकार, आरबीआई और बैंकों के बीच सक्रिय चर्चा जारी है। सीतारमण ने उद्योग जगत को कर्ज की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने भरोसा जताया कि जीएसटी दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी, जिससे निवेश और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। इसके साथ ही सरकार बुनियादी ढांचे के निर्माण पर लगातार ध्यान दे रही है, और पिछले दशक में पूंजीगत खर्च में पांच गुना वृद्धि हुई है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि केवल बैंक विलय से बड़ा बैंक नहीं बनता। इसके लिए ऐसा वातावरण तैयार करना होगा जिसमें कई बड़े बैंक विकसित हो सकें। उन्होंने माना कि इस दिशा में अंतिम निर्णय से पहले बहुत काम बाकी है और आरबीआई की भूमिका अहम रहेगी। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का विलय किया है। 2017 में 27 सरकारी बैंकों की संख्या घटाकर 12 कर दी गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 94.73 अंक करीब 0.11 फीसदी नीचे आकर 83,216.28 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 17.40 अंक टूटकर 25,492.30 पर बंद हुआ। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप स्टॉक्स में तेजी देखी गयी। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 374.55 अंक बढ़कर 59,843.15 पर था। हालांकि, स्मॉलकैप शेयरों में हल्की गिरावट हुई और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 29.05 अंक नीचे आकर 18,075.95 पर बंद हुआ था। सेक्टोरल आधार पर, निफ्टी मेटल, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी कमोडिटीज तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, निफ्टी आईटी, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी इन्फ्रा में गिरावट रही।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल, अडाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ में रहे जबकि थे। टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक, एचयूएल, आईटीसी, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नीचे आये।

इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 83,150.15 पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद स्तर 83,311.01 था। वहीं निफ्टी 25,433.80 पर खुला जो इसके पिछले बंद स्तर 25,509.70 से नीचे था। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 500 अंकों तक गिर गया और निफ्टी 25,400 के नीचे फिसल गया। बाजार की गिरावट का मुख्य कारण कमजोर वैश्विक संकेत बताए जा रहे हैं।

एशियाई एशिया-प्रशांत के बाजारों में शुक्रवार सुबह गिरावट देखने को मिली। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.38 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.46 फीसदी नीचे आया और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.27 फीसदी टूट गया। यह गिरावट इसलिए आई क्योंकि अमेरिकी शेयर बाजार (वॉल स्ट्रीट) में भी कल नुकसान हुआ था। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों के शेयर बहुत महंगे हो गए हैं जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ी है।

रिपोर्ट: भारत का रियल एस्टेट सेक्टर का आकार 2047 तक 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचेगा

गुरुग्राम

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर का आकार 2047 तक 5-10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो फिलहाल करीब 0.3 ट्रिलियन डॉलर है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि इस क्षेत्र का योगदान 2047 तक देश की जीडीपी में 14-20 फीसदी तक होगा और यह देश के विकास के आधार के रूप में काम करेगा।

भारत के भविष्य के विकास गलियारों का निर्माण शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में छोटी अवधि के रुझानों और मुख्य क्षेत्रों जैसे आवासीय, कार्यालय, खुदरा, औद्योगिक और वेयरहाउसिंग के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास, को-लीविंग और डेटा सेंटर्स जैसे उभरते अल्टरनेटिव एसेट क्लास के बारे में बताया है। इनमें से ज्यादातर रुझानों को सरकार द्वारा संचालित सुधार और नीतिगत पहलों और तेज शहरीकरण, जनसांख्यिकीय बदलाव, इन्फ्रास्ट्रक्चर में वृद्धि और तकनीकी संचालित इनोवेशनों से सपोर्ट मिल रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये विकास इंजन मिलकर एक गुणक प्रभाव पैदा कर रहे हैं, रियल एस्टेट एसेट्स सेगमेंट में रोजगार और

मांग को बढ़ावा दे रहे हैं, संस्थागत पूंजी को आकर्षित कर रहे हैं और देश भर में विकास के नए रास्ते खोल रहे हैं।

सीआईआई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की उप सचिव हरलीन कौर ने कहा कि भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार रियल एस्टेट परिदृश्य को नया रूप दे रहा है, नए विकास गलियारों को खोल रहा है और टियर-2 और 3 शहरों का कायाकल्प कर रहा है। रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर दो अहम क्षेत्र हैं जो एक-दूसरे को मजबूत करने का काम करते हैं।

पेटीएम की तिमाही आय में 24 फीसदी की वृद्धि, लाभप्रदता में सुधार

नई दिल्ली पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में राजस्व में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान कंपनी की परिचालन आय 2,061 करोड़ रुपये रही। भुगतान और वित्तीय सेवाओं के व्यवसायों में निरंतर वृद्धि इसे मुख्य कारण बताया गया। कंपनी ने एकमुश्त प्रावधान से पहले 211 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। चालू तिमाही में शुद्ध लाभ 21 करोड़ रुपये रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में बेहतर प्रदर्शन दर्शाता है। कर पूर्व आय 142 करोड़ रुपये रही। 190 करोड़ रुपये का प्रावधान संयुक्त उपक्रम फर्स्ट गेम्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को दिए गए ऋण के पूर्ण अवमूल्यन से संबंधित था। भुगतान सेवाओं से राजस्व सालाना 25 प्रतिशत बढ़कर 1,223 करोड़ रुपये हुआ, जबकि शुद्ध भुगतान से राजस्व 28 प्रतिशत बढ़कर 594 करोड़ रुपये रहा। कंपनी खर्च पर अनुशासन बनाए रखते हुए बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक निवेश जारी रखेगी।

साइबर सुरक्षा एजेंसी की चेतावनी, एंड्रॉयड 13, 14, 15 और 16 यूजर्स हो जाएं सावधान

नई दिल्ली

भारत सरकार से जुड़ी साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन की ओर से एंड्रॉयड यूजर्स के लिए बड़ी चेतावनी जारी की है और गूगल के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम में खामियां सामने आई हैं। नई एडवाइजरी को सीआईवीएन-2025-0293 नंबर के साथ जारी किया है और यह हाई-सीवियरिटी वार्निंग है। इसका सीधा असर एंड्रॉयड 13, 14, 15 और 16 यूजर्स पर पड़ेगा।

रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि खामी का सीधा फायदा अटैकर्स को मिलेगा और वे रिमोटली खतरनाक कोड रन कर सकते हैं। इसका मतलब है कुछ मामलों में अटैकर्स को यूजर्स के प्राइवेट डाटा का ऐक्सेस मिल सकता है और आपका फोन तक क्रैश हो सकता है। यूजर्स को बताया कि यह चेतावनी हाई-रिस्क इसलिए है क्योंकि इससे डाटा चोरी और सिस्टम क्रैश का सीधा खतरा है।

एजेंसी ने बताया है कि इन खामियों की वजह एंड्रॉयड के इंटरनल सिस्टम और कुछ कंपनियों की ओर से बनाए गए हार्डवेयर थे। इन कंपनियों की लिस्ट में कई चिपमेकर्स शामिल हैं। ये कंपनियां ज्यादातर एंड्रॉयड डिवाइसेज में प्रोसेसर लगाती हैं, इसलिए लाखों यूजर्स का प्रभावित होना तय है। सीईआरटी-इन की चेतावनी सभी एंड्रॉयड यूजर्स और स्मार्टफोन निर्माताओं के लिए है। एजेंसी ने बताया कि जो डिवाइस पुराने या प्रभावित वर्जन पर चल रहे हैं, वे तब तक खतरे में रहेंगे जब तक उनके लिए नए सुरक्षा पैच जारी और इंस्टॉल नहीं किए जाते। इन खामियों का फायदा उठाकर हैकर्स डाटा चोरी कर सकते हैं या कुछ मामलों में डिवाइस को पूरी तरह से डैमेज भी कर सकते हैं।

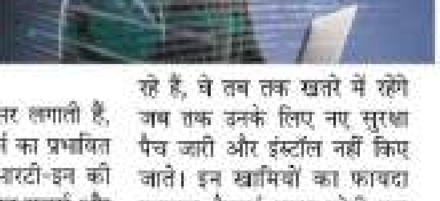

एलन मस्क को मिलेगा 1 ट्रिलियन डॉलर तक का पे पैकेज

सिंगापुर, यूएई, स्विट्जरलैंड की जीडीपी से भी ज्यादा

नई दिल्ली

टेस्ला के करीब 75 फीसदी शेयरधारकों ने सीईओ एलन मस्क के लिए तैयार किए गए अब तक के सबसे बड़े पे पैकेज को मंजूरी दे दी है। कंपनी के बोर्ड ने यह परफॉर्मेंस-बेस्ड इंसेंटिव प्लान इस उद्देश्य से तैयार किया है कि मस्क आने वाले वर्षों तक टेस्ला के साथ जुड़े रहें और कंपनी को एआई, रोबोटिक्स और ऑटोनॉमस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाएं।

इस योजना के तहत मस्क को कुल 12 चरणों में 423 मिलियन से अधिक शेयर मिलने की संभावना है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब टेस्ला अगले दस वर्षों में तय किए गए वित्तीय और परिचालन लक्ष्यों को हासिल करे। यदि सभी लक्ष्य पूरे हो जाते हैं, तो कंपनी की मार्केट कैप 8.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है और मस्क की कुल संपत्ति 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगी।

इससे टेस्ला में उनकी हिस्सेदारी 13 फीसदी से बढ़कर 25 फीसदी तक पहुंच जाएगी। मस्क ने शेयरधारकों का समर्थन मिलने के बाद कहा, मैं इस विश्वास की बहुत सराहना करता हूं। यह पैकेज पास होना टेस्ला के लिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि मस्क ने पहले संकेत दिया था कि अगर यह प्रस्ताव खारिज हुआ तो वे कंपनी छोड़ने पर विचार कर सकते हैं।

हालांकि कुछ प्रॉक्सी सलाहकार कंपनियों ने इसे अत्यधिक बताते हुए विरोध की सलाह दी थी, अधिकांश निवेशकों का मानना है कि मस्क का नेतृत्व टेस्ला की भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि इतना बड़ा वेतन पैकेज कॉरपोरेट गवर्नेंस पर सवाल उठाता है और इससे कंपनी में शक्ति का असंतुलन बढ़ सकता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने लॉन्च किया बीएसई 500 एन्हांस्ड वैल्यू 50 इंडेक्स फंड

रांची: आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने अपने यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) के लिए एक नया फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ बीएसई 500 एन्हांस्ड वैल्यू 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। इस फंड का उद्देश्य ग्राहकों को भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं (ग्रोथ स्टोरी) में भागीदारी के लिए मंच प्रदान करना है। यह फंड उन शेयरों पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो सैद्धांतिक रूप से मजबूत हैं, लेकिन फिलहाल अपनी वास्तविक क्षमता से कम मूल्य प्रदान कर रहे हैं।

ग्राहकों के लिए उपलब्ध नया फंड, बीएसई 500 एन्हांस्ड वैल्यू 50 इंडेक्स के अनुरूप होगा। इसमें 50 कंपनियां शामिल हैं, जिन्हें मूल्य-आधारित निवेश मानदंडों, जैसे-आय, बुक वैल्यू और कीमत के सापेक्ष बिक्री के आधार पर चुना जाता है। इस फंड का उद्देश्य मौलिक रूप से मजबूत, लेकिन अस्थायी रूप से कम मूल्यांकन वाली कंपनियों में निवेश के अवसरों का लाभ उठाना है, ताकि ग्राहकों को समय के साथ इन शेयरों के उचित मूल्यांकन की ओर बढ़ने पर लाभ मिल सके।

यह इंडेक्स फंड व्यवस्थित, नियम-आधारित निवेश प्रक्रिया का पालन करता है और इसे तिमाही आधार पर पुनर्गठित किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप खंड में उभरते मूल्य अवसरों के अनुरूप बना रहे। इससे ग्राहकों को कम से कम प्रयास और न्यूनतम ट्रैकिंग त्रुटि के साथ विविधीकृत पोर्टफोलियो तक पहुंच हासिल होगी। आधिकारिक नियमन, समय-समय पर फंड को इंडेक्स में उनके भारांक के अनुरूप सभी शेयरों में निवेश करने से रोक सकते हैं। परिणामस्वरूप, ट्रैकिंग त्रुटि हो सकती है। ऐतिहासिक रूप से, बीएसई 500 एन्हांस्ड वैल्यू 50 इंडेक्स ने 2006 से 2024 तक 19 साल में से 12 साल के दौरान अपने मूल इंडेक्स की तुलना में अधिक दृढ़ता से प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन अनुशासित मूल्य रणनीति की दीर्घकालिक क्षमता को उजागर करता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के मुख्य निवेश अधिकारी, श्री मनीष कुमार ने इस लॉन्च पर अपनी टिप्पणी में कहा, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ बीएसई 500 एन्हांस्ड वैल्यू 50 इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से प्रबंधित फंड है, जो हमारे यूलिप ग्राहकों को भारत की वृद्धि की संभावनाओं में भाग लेने का सरल और पारदर्शी तरीका प्रदान करेगा। यह उन्हें धन सृजन के लिए दीर्घकालिक मूल्य निवेश (लॉन्ग टर्म वैल्यू इन्वेस्टिंग) के सिद्धांत का लाभ प्रदान करेगा।

सतर्कता के साथ साहस भी जरूरी, बैंक मानदंडों में ढील दी गई:आरबीआई गवर्नर

▸▸ प्रत्येक मामले को संबंधित संस्था की योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक सतर्कता के साथ कदम उठा रहा है, लेकिन हाल ही में बैंकों पर लागू नियमों में ढील देना जरूरी था।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जबकि आरबीआई सावधानी बरत रहा है, उसे साहस दिखाने की भी आवश्यकता है। मल्होत्रा ने कहा कि अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागते हुए वित्तीय स्थिरता से समझौता करना दीर्घकालिक विकास पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

मल्होत्रा ने यह भी कहा कि बैंकों पर अधिक जिम्मेदारियां उनके बेहतर प्रदर्शन और कामकाज के कारण हैं।

उन्होंने जोर दिया कि केंद्रीय बैंक सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहता और किसी भी नियामक का उद्देश्य बोर्ड रूम के निर्णयों को प्रभावित करना नहीं होना चाहिए। प्रत्येक मामले को संबंधित संस्था की योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए। आरबीआई ने पिछले महीने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें बैंकों को घरेलू अधिग्रहणों के लिए धन उपलब्ध कराना और रियल एस्टेट क्षेत्र को विदेशी उधारी लेने की अनुमति देना शामिल है।

भारत में राज्य सरकारों के ऋणों में भारी वृद्धि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को ले डूबेगी

प्रहलाद सबनानी

हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

किसी भी नागरिक, वाणिज्यिक संस्थान, राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा उत्पादक कार्यों के लिए बाजार से ऋण लेना केवल तब तक ही सही है जब तक बाजार से लिए गए ऋण से कम से कम उस स्तर तक आय का अर्जन हो कि इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान इस आय से आसानी से किया जा सके। परंतु, किसी भी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा बाजार से ऋण यदि अनुत्पादक कार्य के लिए लिया जा रहा है तो इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान करना निश्चित ही मुश्किल कार्य हो सकता है। आज भारत के कुछ राज्यों की बजटीय स्थिति पर भारी दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि इन राज्यों ने बाजार से भारी मात्रा में ऋण लिया है एवं इस ऋण का उपयोग अनुत्पादक कार्यों यथा बिजली के बिल माफ करना, नागरिकों के खातों में सीधे राशि जमा करना, मुफ्त पानी उपलब्ध कराना, कुछ पदार्थों पर सब्सिडी उपलब्ध कराना, आदि के लिए किया जा रहा है। इन राज्यों की स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि इन्हें ऋणों पर अदा किए जाने वाले ब्याज एवं किश्तों के भुगतान हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। यदि कुछ और वर्षों तक इन राज्यों की यही स्थिति बनी रही तो निश्चित ही यह राज्य दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाने वाले हैं।

हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, भारत सरकार का ऋण, भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की निर्भरता ऋण पर लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही है जिसे देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। आज केंद्र सरकार पर 200 लाख करोड़ रुपए की राशि का ऋण बकाया है एवं समस्त राज्य सरकारों पर 82 लाख करोड़ रुपए का ऋण बकाया है, इस प्रकार केंद्र एवं राज्य सरकारों पर संयुक्त रूप से 282 लाख करोड़ रुपए का ऋण बकाया है जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 81 प्रतिशत है।

एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था ऋण के ऊपर विकसित की जा रही है। जबकि, भारतीय आर्थिक दर्शन ऋण पर निर्भरता को प्रोत्साहन नहीं देता है। चाणक्य के अर्थशास्त्र में, राजा के पास कोष में आधिक्य होने का वर्णन मिलता है। राजा के पास यदि ऋण के स्थान पर कोष का आधिक्य होगा तब वह राज्य अपने नागरिकों के कल्याण पर अधिक राशि खर्च करने की स्थिति में रहेगा। अर्थात, प्राचीन भारत में राज्यों का आधिक्य का बजट रहता था, उसी स्थिति में वे राज्य अपने नागरिकों के कल्याण के कार्यों को तेज गति से चलाने की स्थिति में रहते थे। राज्य का खजाना ही यदि खाली हो तो वे किस प्रकार से राज्य के नागरिकों के लिए भलाई के कार्य कर सकते हैं। आज की स्थिति, बिलकुल विपरीत दिखाई देती है और आज कुछ राज्य बाजार से ऋण लेकर भी नागरिकों को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं बगैर यह सोचे समझे कि आगे आने वाले समय में बाजार से लिए गए ऋण का भुगतान किस प्रकार किया जाएगा।

आज भारत में कुछ राज्यों की स्थिति यह है कि वे अपनी कुल आय का 55 प्रतिशत भाग कर्मचारियों को वेतन, पेन्शन एवं उधार ली गई राशि पर ब्याज के भुगतान करने जैसी मदों पर खर्च कर रहे हैं। जबकि, विभिन्न राज्य अपनी आय को बढ़ा सकने की स्थिति में नहीं है। कुछ राज्य तो वर्ष भर में जिस आय की राशि का आंकलन करते हैं उसे प्राप्त ही नहीं कर पाते हैं और बजटीय आय की राशि एवं वास्तविक आय की राशि में 11 प्रतिशत तक की कमी रहती है, जबकि इन राज्यों के खर्च नियमित रूप से बढ़ते जा रहे हैं और इस प्रकार इन राज्यों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह असहनीय स्थिति में पहुंच गया है।

आज राज्यों की कुल आय का 84 प्रतिशत भाग स्थिर मदों पर खर्च हो रहा है। प्रदेश को आगे बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने के लिए कुछ राशि इन राज्यों के पास उपलब्ध ही नहीं हो पा रही है। पूंजीगत खर्चों में लगातार हो रही कमी के चलते इन राज्यों में नए अस्पतालों का निर्माण, नए रोड का निर्माण नए स्कूल हेतु भवनों का निर्माण नहीं हो पा रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। पंजाब में कुल आय का 76 प्रतिशत भाग कर्मचारियों के वेतन, पेन्शन एवं ऋण पर ब्याज अदा करने जैसी मदों पर खर्च हो रहा है इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में 79 प्रतिशत एवं केरल में 71 प्रतिशत भाग उक्त मदों पर खर्च किया जा रहा है। साथ ही, कुछ राज्यों द्वारा अपनी कुल आय का भारी भरकम हिस्सा सब्सिडी जैसी मदों पर खर्च किया जा रहा है। जैसे, पंजाब द्वारा अपने बजटीय आय का 24 प्रतिशत भाग सब्सिडी पर खर्च किया जा रहा है। इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश द्वारा 5 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश द्वारा 15 प्रतिशत, तमिलनाडु द्वारा 12 प्रतिशत एवं राजस्थान द्वारा 13 प्रतिशत राशि सब्सिडी पर खर्च की जा रही है। पंजाब द्वारा तो अपने बजट की 100 प्रतिशत राशि (24 प्रतिशत सब्सिडी पर एवं 76 प्रतिशत राशि वेतन, पेन्शन एवं ब्याज पर खर्च की जा रही है) सामान्य मदों पर खर्च की जा रही है और पूंजीगत खर्चों के लिए शून्य राशि बचती है।

विभिन्न राज्यों द्वारा पेन्शन की मद पर वर्ष 1980-81 में अपने राज्य की कुल आय का केवल 3.4 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जा रहा था जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गया। इसी कारण से भारत सरकार ने पेन्शन अदा करने के नियमों में परिवर्तन किया था। आज यदि पेन्शन की नीति को नहीं बदला गया होता तो इस मद पर होने वाला खर्च बढ़कर 30 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाता।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रही हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। इन राज्यों में हिमाचल प्रदेश, केरल, पश्चिमी बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं।

सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण आज 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

इसी क्रम में ध्यान में आता है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 5200 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने का निर्णय लिया है। यह फैसला इसलिए चर्चा में है क्योंकि भाईदूज के अवसर पर ड्लाड़ली बहना योजनाक्ष के अंतर्गत 1.27 करोड़ महिलाओं के खातों में राशि समय पर नहीं पहुंच पाई थी। इसके बाद सरकार ने प्रदेश स्थापना दिवस पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऋण लेने का रास्ता चुना है। जब किसी राज्य को सामाजिक योजनाओं पर खर्च के लिए ऋण लेना पड़े तो यह स्थिति उस प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती है। मध्यप्रदेश द्वारा ऋण लेने की रफ्तार पिछले कुछ वर्षों में कुछ तेज हुई है। मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश राज्य पर 3.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर 4.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जबकि, मध्यप्रदेश की आय में इस रफ्तार से वृद्धि नहीं देखी जा रही है। वित्तीय अनुशासन की दृष्टि से यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि ब्याज भुगतान का बोझ हर साल बढ़ता जा रहा है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल एवं पश्चिम बंगाल की राह पर कहीं मध्यप्रदेश राज्य भी तो नहीं चल पड़ा है।

संपादकीय

'सरकार चोरी' के संगीन आरोप

नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के जो खुलासे किए हैं, उन्हें 'हाइड्रोजन बम' कहें अथवा 'सरकार चोरी' के संगीन आरोप कहें, लेकिन उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राहुल के आरोप चुनाव आयोग की वेबसाइट के तथ्यों पर आधारित हैं। यदि उनमें एक भी आरोप अकाट्य है, अर्द्धसत्य भी है, तो चुनाव आयोग का पूर्ण सत्य ध्वस्त हो सकता है। ऐसे खुलासे सामने आए हैं, जो भारत के चुनाव आयोग की विश्व-विख्यात, तटस्थ, निष्पक्ष, ईमानदार छवि को कलंकित कर सकते हैं। यदि चुनाव आयोग और प्रक्रिया ही दागदार और सवालिया हैं, तो लोकतंत्र की आत्मा ही मर जाएगी, लिहाजा हलफनामे की औपचारिकताओं के बिना ही कमोबेश मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इन आरोपों के जवाब देने चाहिए। चूंकि चुनाव आयोग के हरेक महत्वपूर्ण आयोजन पर मुख्य चुनाव आयुक्त ही देश को संबोधित करते रहे हैं, लिहाजा अब उनकी खामोशी अक्षम्य है। यदि चुनाव आयोग और उसके तीन सूत्रधार आयुक्तों को राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद और खोखले लगते हैं, तो वे कानूनी कार्रवाई करें। प्राथमिकी दर्ज कराएं और राहुल को आरोपित बना कर सर्वोच्च अदालत में केस चलाएं। खामोशी या हलफनामे की शर्त अथवा कांग्रेस के चुनाव एजेंटों पर सवाल दागना कोई स्पष्टीकरण नहीं है। यह देश की सुरक्षा के साथ 'भ्रष्ट समझौता' है कि हरियाणा की मतदाता सूची में ब्राजील की एक मॉडल का फोटो 22 जगह है। एक ही फोटो के साथ सीमा, सरस्वती, स्वीटी, रश्मि, विमला आदि नाम हैं। आखिर यह कैसे हुआ? क्या चुनाव आयोग इतनी लापरवाही से मतदाता पहचान पत्र बनाता है? आयोग का अपना आधुनिक सॉफ्टवेयर है। वह 'क्लिक' करते ही किसी भी फ्रॉड, फर्जी और नकलीपन को पकड़ सकता है और उसे खारिज कर सकता है। राहुल गांधी के खुलासे के मुताबिक, हरियाणा की मतदाता सूची में 5, 21, 619 डुप्लीकेट मतदाता हैं। चुनाव में 25.41 लाख से अधिक वोटों की चोरी की गई। फर्जी फोटो के साथ मतदाताओं की संख्या 1, 24, 177 है। हरियाणा में प्रत्येक 8 में से 1 मतदाता 'नकली' है। एक ही पते पर कई वोटर बनाए जाने को 'बल्क वोटर' कहते हैं। यदि एक ही पते पर 10 से अधिक मतदाता हैं, तो चुनाव आयोग को उसकी जांच करना अनिवार्य है, लेकिन हरियाणा में एक ही पते पर 66 या 501 मतदाता बनाए गए। हरियाणा में 'बल्क वोटर' की संख्या 19 लाख 26 हजार 351 है। राज्य की मतदाता सूची में 93, 174 मतदाता ऐसे हैं, जिनके पते 'अमान्य' हैं। मतदाताओं के मकान नंबर '0' दिए गए हैं या कुछ और है।

चिंतन-मनन

अज्ञान का आवरण

गुरु के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरु ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में क्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरुजी को देखूं, कैसे हैं? गुरु को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरु के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरु ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग! गुरु आखिर गुरु था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरु में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय

संजय गोस्वामी

विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय दिया जाता है। हड्डियों को देखने में मदद करने वाली एक्स-रे की खोज के कुछ ही हफ्तों बाद, चिकित्सा जगत में एक्स-रे का उपयोग शुरू हो गया। चिकित्सा प्रयोजनों के लिए एक्स-रे प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हनोवर के कुछ एडी मैकार्थी थे, जो 1896 में कनेक्टिकट नदी पर स्केटिंग करते समय गिर गए थे और उनकी बाईं कलाई में फ्रैक्चर हो गया था। इस ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में एक निश्चित मात्रा में विकिरण के संपर्क में आता है। रेडियोधर्मी पदार्थ प्राकृतिक रूप से हवा, मिट्टी, पानी, चट्टानों और वनस्पतियों में पाए जाते हैं। अधिकांश लोगों के लिए प्राकृतिक विकिरण का सबसे बड़ा स्रोत रेडॉन है। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी पर लगातार ब्रह्मांडीय विकिरण, जिसमें एक्स-रे भी शामिल हैं, का आक्रमण होता रहता है। ये किरणें हानिरहित नहीं हैं, लेकिन इनसे बचना असंभव है, और विकिरण का स्तर इतना कम होता है कि इसके प्रभाव लगभग अदृश्य हो जाते हैं। पायलटों, केबिन क्रू और अंतरिक्ष यात्रियों को ऊँचाई पर ब्रह्मांडीय किरणों के संपर्क में आने के कारण उच्च खुराक का अधिक खतरा होता है। हालाँकि, हवाई गतिविधि को कैंसर की बढ़ती घटनाओं से जोड़ने वाले बहुत कम अध्ययन हुए हैं। प्रकार एक मानक एक्स-रे छवि बनाने के लिए, रोगी या उसके शरीर के किसी भाग को एक एक्स-रे डिटेक्टर के सामने रखा जाता है और छोटी एक्स-रे तरंगों द्वारा प्रकाशित किया जाता है। चूँकि हड्डियों में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है, जिसका परमाणु क्रमांक उच्च होता है, एक्स-रे अवशोषित हो जाते हैं और परिणामी छवि में सफेद दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए, फेफड़ों में फँसी हुई कोई भी गैस, उनकी विशेष रूप से कम अवशोषण दर के कारण, काले धब्बों के रूप में दिखाई देती है। रेडियोग्राफी: यह एक्स-रे इमेजिंग का सबसे प्रचलित प्रकार है। इसका उपयोग टूटी हुई हड्डियों, दाँतों और छाती की छवि बनाने के लिए किया जाता है। रेडियोग्राफी में विकिरण की सबसे कम मात्रा का भी उपयोग होता है। फ्लोरोस्कोपी: रेडियोलॉजिस्ट, या रेडियोग्राफर, रोगी की गति का वास्तविक समय में एक्स-रे देख सकता है और तस्वीरें ले सकता है। इस प्रकार के एक्स-रे का उपयोग बेरियम भोजन के बाद आंत की गतिविधि को देखने के लिए किया जा सकता है। फ्लोरोस्कोपी में मानक एक्स-रे की तुलना में ज्यादा एक्स-रे विकिरण का उपयोग होता है, लेकिन फिर भी मात्रा बहुत कम होती है। कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी): रोगी एक मेज पर लेटता है और एक वलय के आकार के स्कैनर में प्रवेश करता है। पंखे के आकार की एक्स-रे किरण रोगी के शरीर से होकर कई डिटेक्टरों तक पहुँचती है। रोगी धीरे-धीरे मशीन में जाता है ताकि 3D छवि बनाने के लिए स्लाइस की एक श्रृंखला ली जा सके। इस प्रक्रिया में एक्स-रे की सबसे ज्यादा मात्रा का उपयोग किया जाता है क्योंकि एक ही बार में बड़ी संख्या में छवियाँ ली जाती हैं। जोखिम एक्स-रे हमारे डीएनए में उत्परिवर्तन पैदा कर सकते हैं और इसलिए, आगे चलकर जीवन में कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसी कारण से, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राज्य सरकार, दोनों द्वारा एक्स-रे को एक कार्सिनोजेन (विश्वसनीय स्रोत) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हालाँकि, एक्स-रे तकनीक के लाभ, इसके उपयोग के संभावित नकारात्मक परिणामों से कहीं अधिक हैं। अनुमान है कि अमेरिका में 0.4 प्रतिशत कैंसर सीटी स्कैन के कारण होते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चिकित्सा प्रक्रियाओं में सीटी स्कैन के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ यह स्तर भी बढ़ेगा। 2007 में अमेरिका में कम से कम 6.2 करोड़ सीटी स्कैन किए गए। एक अध्ययन के अनुसार, 75 वर्ष की आयु तक, एक्स-रे से कैंसर का खतरा 0.6 से 1.8 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। दूसरे शब्दों में, चिकित्सा इमेजिंग के लाभों की तुलना में जोखिम नगण्य हैं। प्रत्येक प्रक्रिया का एक अलग जोखिम होता है जो एक्स-रे के प्रकार और शरीर के जिस हिस्से की इमेजिंग की जा रही है, उस पर निर्भर करता है। नीचे दी गई सूची कुछ अधिक सामान्य इमेजिंग प्रक्रियाओं को दर्शाती है और विकिरण खुराक की तुलना सामान्य पृष्ठभूमि विकिरण से करती है जिसका सामना सभी लोग दैनिक आधार पर करते हैं। विभिन्न एक्स-रे प्रक्रियाएं अलग-अलग मात्रा में विकिरण उत्सर्जित करती हैं। छाती का एक्स-रे: 2.4 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर खोपड़ी का एक्स-रे: 12 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर कमर का रीढ़: 182 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर अंत यूरोग्राम: 1 वर्ष के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर ऊपरी जठरांत्र परीक्षण: 2 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर बेरियम एनीमा: 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर सिर का सीटी स्कैन: 243 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर पेट का सीटी स्कैन: 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर। ये विकिरण आँकड़े वयस्कों के लिए हैं। बच्चे एक्स-रे के रेडियोधर्मी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। दुष्प्रभाव हालाँकि एक्स-रे कैंसर के थोड़े बढ़े हुए जोखिम से जुड़े हैं, लेकिन अल्पकालिक दुष्प्रभावों का जोखिम बहुत कम है। उच्च विकिरण स्तर के संपर्क में आने से कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं, जैसे उल्टी, रक्तस्राव, बेहोशी, बालों का झड़ना, और त्वचा व बालों का झड़ना।

राहुल की प्रेस कांफ्रेंस यानी बिहार में हार की पेशबंदी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान से एक दिन पहले दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर हरियाणा में डुप्लिकेट वोटर्स से लेकर बल्क वोटर्स तक, कैटेगरी वाइज आंकड़े भी बताए हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा उठा चुके हैं। लेकिन वो चुनाव आयोग में शपथ पत्र देकर शिकायत और अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाते हैं। बस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बेबुनियाद आरोप और दावे करते रहते हैं। असल में पटना से करीब 1100 किलोमीटर दूर जब राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग के किस्से सुना रहे थे तब ऐसा लग रहा था मानो वो बिहार में महागठबंधन की होने वाली हार के लिए पेशबंदी कर रहे हैं।

राहुल गांधी के वोट चोरी पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गई।

राहुल गांधी के इस दावे को लेकर काफी विवाद हो रहा है। इनमें भी सबसे बड़ा विवाद तो ये है कि राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि जिन 22 वोटर कार्ड पर एक ही मॉडल की तस्वीर है, उन वोटर कार्ड से चुनावों में वोट डाले गए हैं। ये सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि राहुल गांधी जिस वोटर लिस्ट को दिखाकर ये पूरा दावा कर रहे हैं, वो वोटर लिस्ट मतदान के बाद की नहीं बल्कि मतदान से पहले की है। सोचिए मतदान से पहले की वोटर लिस्ट से राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि इन वोटर कार्ड से चुनावों में वोटिंग भी हुई। मीडिया की पड़ताल में राहुल गांधी के दावे झूठे साबित हुए।

सवाल यह भी है कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने संशोधन के दौरान एक ही नाम की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने के लिए कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की? यदि अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार और हरियाणा दोनों में कांग्रेस के बूथ एजेंटों ने संशोधन के दौरान दोहराए गए नामों को लेकर कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की। वहीं सवाल यह भी है कि वोटर लिस्ट चुनाव से पहले उपलब्ध होती है। अगर कोई नाम छूट गया है, तो उसे जुड़वाने की व्यवस्था होती है। वास्तव में, कांग्रेस और कई विपक्षी दल सत्ता हासिल करने के लिए किसी ने किसी बहाने देश की जनता को संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उकसाते रहते हैं। चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई से लेकर तमाम दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। राहुल गांधी तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुली धमकी दे चुके हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो जांच करवाएंगी। वैसे अब तक चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली को लेकर विपक्ष के आरोप फर्जी और बेबुनियाद ही साबित हुए हैं। प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने मीडिया का परिचय बिहार के कुछ ऐसे लोगों से भी कराया है, जिनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और इन लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग की तरफ से उनके पास कभी कोई आया ही नहीं और बिना बताए उनका नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया गया। अब यहां पता है समस्या क्या आ रही है। समस्या ये है कि राहुल गांधी देश को ये बता रहे हैं कि वोटर लिस्ट में क्या त्रुटियां हैं लेकिन चुनाव आयोग जब इन त्रुटियों को सुधारने के लिए वोटर लिस्ट का रिवीजन करना चाहता है तो वो इसका भी विरोध करते हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या राहुल गांधी एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं या इसका विरोध? सवाल यह है कि जिन लाखों वोटरों का वोट कटा है, वो चुपचाप अपने घरों में बैठकर राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस का इंतजार क्यों कर रहे थे, उन्हें तो सड़कों पर उतर आना चाहिए था।

वास्तव में, राहुल गांधी एक अगंभीर राजनीतिज्ञ हैं। उनकी राजनीति का मकसद सेवा की बजाय मेवा खाना और कमाना है। देश की जनता से जुड़ाव दिखाने के लिए वो किसान, ड्राइवर, कारपेंटर, हलवाई, कुली या पुताई वाले का अभिनय करते दिखते तो जरूर हैं, लेकिन राजनीति और देश को लेकर उनकी समझ अल्प है। वहीं उनकी एक समस्या यह भी है कि मोदी सरकार के खिलाफ वो जो आरोप लगाते हैं, उनका कोई ठोस आधार या प्रमाण उनके पास नहीं है। चौकीदार चोर है, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से लेकर वोट चोरी तक उनके सारे दावे और आरोप हवा हवाई ही साबित हुए हैं। वहीं वो किसी एक मुद्दे पर टिकते नहीं हैं। मोदी सरकार के खिलाफ वो पिछले एक दशक में कई आरोप लगा चुके हैं। लेकिन चंद दिनों के शोर शराबे के बाद वो कोई नया आरोप लगाने लगते हैं।

देश की जनता मोदी और राहुल गांधी के बीच का फर्क सही से समझ रही है। इसलिए कांग्रेस सत्ता से दूर है। राहुल गांधी के पास पक्के सुबूत हो तो उन्हें छाती ठोककर चुनाव आयोग में शपथ पत्र दाखिल कर शिकायत दर्ज करनी चाहिए, अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। लेकिन वो ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनके आरोप केवल जनता को उकसाने के लिए हैं, संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं के प्रति नाराजगी का माहौल बनाने का है। कांग्रेस और विपक्ष के कई दलों का इको सिस्टम देश में अस्थिरता, अशांति और अराजकता का माहौल बनाने की फिराक में है। देशी राजनीतिक दलों के इन षड्यंत्रों में विदेशी ताकतें खाद पानी मुहैया करवा रही हैं। आजकल राहुल गांधी जेन जी को बहला फुसलाकर सड़कों पर उतारना चाहते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी को रोकने के लिए भारत के जेन-जी युवाओं को आगे आना होगा। राहुल गांधी बार-बार जेन-जी युवाओं का जिक्र कर रहे हैं, जिससे ये सवाल खड़ा होता है कि क्या वो भारत के युवाओं को सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के उकसा रहे हैं? ये आरोप बीजेपी लगा रही है।

पिछले कुछ महीनों में जेन-जी युवाओं ने सिर्फ नेपाल में सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन नहीं किया है, बल्कि मोरक्को, मेडागास्कर, पेरू, फिलीपींस, केन्या और यहां तक कि इंडोनेशिया में भी चुनी हुई सरकारों के खिलाफ जेन-जी युवा हिंसक आंदोलन कर चुके हैं और इनमें कुछ देशों में उन्होंने तख्तापलट भी कर दिया है. पिछले साल बांग्लादेश में भी जो तख्तापलट हुआ था, उसके पीछे भी जेन-जी छात्रों का हिंसक आंदोलन था, जिससे अब बीजेपी राहुल गांधी की मंशा पर सवाल उठा रही है। जिस तरह से विदेशी ताकतें भारत के बढ़ते कदमों को रोकना चाहती हैं। ऐसे में विपक्ष खासकर कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी और व्यवहार इस ओर इशारा करता है कि वो सत्ता हासिल करने के लिए वोट की बजाय तख्तापलट पर ज्यादा यकीन करते हैं। कुल मिलाकर जमीन और जनता से कटे नेता और राजनीतिक दल बिहार चुनाव में अपनी हार को देखकर वोट चोरी का पुराना राग अभी से गाने लगे हैं। राहुल गांधी वोट चोरी का राग सबसे ऊंची आवाज में गा रहे हैं।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

अभिनेत्री कटरीना ने दिया बेटे को जन्म, स्टार्स और फैंस ने दी बधाईयां

विकी-कैट ने शेयर की पोस्ट लिखा- हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं

कटरीना कैफ और विकी कौशल के फैंस के लिए अच्छी खबर है। कटरीना ने एक बेटे को जन्म दिया है। बेटे के जन्म के साथ ही कैटरीना और विकी की फैमिली में खुशियों का माहौल है। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा पोस्ट कर सबको ये खुशखबरी दी, जिसपर स्टार्स और फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। दोनों ने पोस्ट शेयर कर लिखा- हमारे घर खुशियां आई हैं। हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं... 7 नवंबर 2025। कटरीना और विकी। इस पोस्ट को शेयर कर विकी ने लिखा- 'आशीर्वाद'। सब सेलेब्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। करीना ने लिखा- कैटज्वेलकम टू बॉथ मम्मा क्लब। तुम्हारे और विकी के लिए बहुत खुश हूं। प्रियंका चोपड़ा ने लिखा- दोनों के लिए बहुत खुश हूं, बधाई। आयुष्मान खुराना ने लिखा- बेस्ट न्यूजज्वॉय को बधाई।

बता दें 23 सितंबर को विकी और कटरीना ने अनाउंस किया था कि दोनों जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। उन्होंने लिखा था कि ये उनकी लाइफ का बेस्ट चैप्टर है। विकी ने कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में पिता की जर्नी शुरू होने से पहले कहा था कि मैं काफी एक्साइटेड हूं और ये बहुत बड़ा आशीर्वाद है। एक्साइटिंग टाइम है और फिंगर क्रॉस। बता दें विकी और कटरीना ने 2021 में शादी की थी। दोनों की जोड़ी फैंस की फेवरेट जोड़ी में से एक है। काफी समय से कटरीना की प्रेग्नेंसी की खबरें आ रही थीं, लेकिन दोनों ने इसे छिपाकर रखा था और सितंबर में फिर सबको गुड न्यूज दी थी।

सोनाली ने कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी कॅरियर की शुरुआत

अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी भारतीय सिनेमा की उन अदाकाराओं में से हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से भाषाओं और सीमाओं की दीवारें तोड़ दीं। हिंदी और मराठी फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में मशहूर निर्देशक गिरीश कर्नाड की कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी। यह फिल्म न सिर्फ नेशनल अवॉर्ड विनर रही, बल्कि कांस फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई, जिससे सोनाली को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली। सोनाली कुलकर्णी की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने सात अलग-अलग भाषाओं कन्नड़, मराठी, हिंदी, तमिल, गुजराती, अंग्रेजी और इतालवी में काम किया है। इस विविधता के कारण उन्हें फ्बहुभाषी सुपरस्टारफ् कहा जाता है। उन्होंने न केवल भारत की फिल्मों में बल्कि हॉलीवुड और यूरोपियन सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया।

पढ़ाई के साथ-साथ सोनाली ने बचपन से ही कला और नृत्य में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने भरतनाट्यम में 11 साल तक प्रशिक्षण लिया और पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया। मराठी साहित्य में स्कॉलरशिप पाने के बाद भी उनका दिल अभिनय की ओर खिंचता चला गया। कॉलेज के दिनों में पहली फिल्म साइन करते वक्त उन्हें क्लास मिस होने की चिंता थी, मगर गिरीश कर्नाड के प्रोत्साहन ने उनकी दिशा तय कर दी। सोनाली की पहली मराठी फिल्म मुक्ता (1994) थी, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हिंदी फिल्मों में वह दिल तो पागल है, मिशन कश्मीर, डरना जरूरी है, और सिंघम जैसी फिल्मों से पहचानी जाती हैं, जबकि मराठी सिनेमा में देवराई, दोघी, कैरी, सखी और देऊळ जैसी फिल्मों ने उन्हें विशेष लोकप्रियता दिलाई।

अभिनय के साथ-साथ सोनाली एक सफल लेखिका भी हैं। उन्होंने मराठी अखबार में 'सो कूल' नाम से कॉलम लिखा, जो इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग उन्हें उसी नाम से पहचानने लगे। सोनाली को उनके अभिनय और बहुभाषी योगदान के लिए कई सम्मान मिले हैं, जिनमें मिलान फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड (2006), चार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड शामिल हैं। पर्सनल लाइफ में उन्होंने पहले मराठी निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी से शादी की थी, बाद में 2010 में टीवी एग्जीक्यूटिव नचिकेत पंतवैद्य से विवाह किया। उनकी एक बेटी है।

इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने कई बाधाएं मौजूद: किरण राव

फिल्ममेकर किरण राव ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने फिल्मों की पहुंच तो बढ़ाई है, लेकिन थिएटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव आज भी दर्शकों के लिए खास मायने रखता है। फिल्ममेकर किरण राव ने 14वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान अपने विचार साझा किए। किरण राव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फिल्म निर्माण और वितरण के तरीके काफी बदले हैं, लेकिन इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने अब भी कई बाधाएं मौजूद हैं। उन्होंने भारत की ऑस्कर प्रविष्टि फिल्म होमबाउंड का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दर्शकों का स्वाद पहले से कहीं ज्यादा बदल चुका है। फ्पहले लोग केवल बड़े सितारों वाली फिल्मों को पसंद करते थे, लेकिन अब दर्शक नई कहानियों, नए चेहरे और अनोखे विषयों की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। इसका बड़ा श्रेय ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को जाता है, जिन्होंने फिल्मों को घर-घर तक पहुंचाने का काम किया है,' उन्होंने कहा। हालांकि, राव ने एक अहम सवाल भी उठाया 'क्या दर्शक इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए पैसे देने को तैयार हैं?' उन्होंने कहा, फ्यह हर फिल्ममेकर के मन में उठने वाला सबसे बड़ा सवाल है। क्या कोई दर्शक 150 रुपये देकर होमबाउंड या सबर बोंडा जैसी फिल्में देखने थिएटर तक जाएगा? अगर लोग नहीं आएंगे, तो इतनी मेहनत, समय और संसाधन लगाने का क्या मतलब रह जाएगा?फ् किरण राव, जो पिछले एक दशक से इंडिपेंडेंट सिनेमा को प्रोत्साहित कर रही हैं, ने बताया कि इन फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी डिस्ट्रिब्यूशन है। उन्होंने कहा, 'फिल्में बन जाती हैं, लेकिन उन्हें सही मंच तक पहुंचाना मुश्किल है। बड़े बजट की फिल्मों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों को थिएटर स्क्रीन या प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर जगह पाना आज भी कठिन है।'

उन्होंने यह भी कहा कि इंडिपेंडेंट सिनेमा भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की रचनात्मक आत्मा है, लेकिन इसके लिए दर्शकों का सहयोग जरूरी है।' अगर हम चाहते हैं कि विविधता भरी कहानियां कही जाएं, तो हमें भी ऐसी फिल्मों को देखने और समर्थन देने की आदत डालनी होगी,' उन्होंने कहा। किरण राव का यह बयान आज के दौर में इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स के संघर्ष और दर्शकों की जिम्मेदारी दोनों पर गहराई से रोशनी डालता है। मालूम हो कि भारत में इंडिपेंडेंट फिल्मों का सफर हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। शानदार कहानियों और उम्दा अभिनय के बावजूद इन फिल्मों को सही दर्शकों तक पहुंचाना अक्सर सबसे कठिन काम बन जाता है।

'फोन भूत' का क्लिप साझा कर जैकी श्रॉफ ने यादें की ताजा

बॉलीवुड की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'फोन भूत' के तीन साल पूरे होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी यादें ताजा कीं। फिल्म का क्लिप साझा करते हुए जैकी ने कैप्शन में लिखा, 'फिल्म फोन भूत के रिलीज के तीन साल पूरे हो गए हैं।' एक्टर के इस पोस्ट के बाद फैंस ने कमेंट सेक्शन में फिल्म के मजेदार पलों को याद करते हुए उन्हें बधाई दी। कहानी दो दोस्तों मेजर (सिद्धांत चतुर्वेदी) और गुल्लू (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें भूतों का खासा शौक होता है। उनके घर की दीवारें और सजावट भूतिया माहौल का अहसास कराती हैं। एक दिन दोनों भूतिया थीम वाली पार्टी का आयोजन करते हैं, लेकिन उसी दौरान उन्हें करंट लग जाता है। इसके बाद उन्हें एक भटकती आत्मा रागिनी (कैटरीना कैफ) दिखाई देती है, जो तांत्रिक आत्माराम (जैकी श्रॉफ) से अपने प्रेमी को बचाने के लिए उनकी मदद चाहती है। रागिनी दोनों को एक बिजनेस आइडिया देती है और उन्हें 'फोन भूत हेल्पलाइन' शुरू करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वे लोगों को भूतों से निजात दिला सकें। वह यह वादा भी करती है कि वह उन्हें पैसा और शोहरत दिलाने में मदद करेगी। शुरुआत में सब कुछ मजेदार ढंग से चलता है, लेकिन कहानी में मोड़ तब आता है जब दोनों को पता चलता है कि रागिनी असल में आत्माराम से बदला लेने के मकसद से उनके पास आई थी, क्योंकि उसी तांत्रिक ने उसकी जिंदगी तबाह कर दी थी। जैकी श्रॉफ का किरदार फिल्म में रहस्यमय और डरावना दोनों था, जिसने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। अपने करियर में जैकी अब तक 220 से ज्यादा फिल्मों में नजर आ चुके हैं। एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी हर शैली में उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी है। अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' में दिखाई देंगे, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। इस फिल्म में जैकी के साथ नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित की गई है। 'तू मेरी मैं तेरा' 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मालूम हो कि गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म फोन भूत में कैटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी, ईशान खट्टर, जैकी श्रॉफ और शीबा चड्ढा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

'जटाधारा' रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू अभिनीत मैग्नम ओपस 'जटाधारा' अपनी रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी 'जटाधारा' की टीम ने इसकी प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठानों का आयोजन किया, जिससे दृश्यों में आध्यात्मिक ऊर्जा और वास्तविकता झलके।

फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए इन अनुष्ठानों में असली मंत्रों का जाप किया गया और प्रशिक्षित तांत्रिकों की देखरेख में पूरा माहौल तैयार किया गया। यह फिल्म न केवल एक अलौकिक ड्रामा है, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और रहस्यमय अनुष्ठानों से जुड़ी एक गहरी सिनेमाई यात्रा भी है। निर्देशक वेंकट कल्याण ने कहा, फ्हम केवल रहस्यमयी ऊर्जा को दिखाना नहीं, बल्कि उसे महसूस करना चाहते थे। 'जटाधारा' जैसी कहानी सिर्फ इफेक्ट्स से नहीं, बल्कि उस भावनात्मक गहराई से जुड़ती है जो मनुष्य को अदृश्य से संबंध जोड़ने की प्रेरणा देती है।फ् फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने बताया कि 'जटाधारा' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था और निडरता से जन्मा एक अनुभव है। उन्होंने कहा, फ्हम ऐसा संसार बनाना चाहते थे जो सच्चा और आत्मिक लगे। हर मंत्र, हर भावना वास्तविकता से उपजी थी। सेट का माहौल इतना शक्तिशाली था कि ऐसा लगता

था मानो सिनेमा और दिव्यता का संगम हो गया हो।फ् सह-निर्देशक अभिषेक जायसवाल ने भी कहा कि इस फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर रहने के बजाय प्रामाणिकता पर जोर दिया गया है।

उन्होंने कहा, 'जो ध्वनि और कंपन प्राचीन अनुष्ठानों में होती है, वही दर्शकों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य था। सेट पर वे पल बेहद ऊर्जावान थे और यकीन है दर्शक भी उसकी तीव्रता को महसूस करेंगे।' 'जटाधारा' ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत एक द्विभाषी सुपरनेचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसे उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने मिलकर बनाया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, रोहित पाठक और झांसी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

छोटी फिल्मों का थियेटर में जगह बनाना मुश्किल: हुमा कुरैशी

सीमित संसाधनों में बनी छोटी फिल्मों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है थिएटर में स्क्रीन और शो टाइम की कमी। यही वजह है कि कई बार मजबूत कहानी और उत्कृष्ट अभिनय के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। इसी मुद्दे को लेकर हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर खुलकर आवाज उठाई। उनकी फिल्म सिंगल सलमा को देशभर में बेहद सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया, जिससे उन्होंने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की। हुमा ने लिखा, 'सिंगल सलमा' जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं और न ही करोड़ों का मार्केटिंग बजट। ऐसे में थिएटर में अपनी जगह बनाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सिस्टम अब भी उन्हीं फिल्मों को प्राथमिकता देता है, जिनमें बड़ा नाम या बड़ा पैसा जुड़ा होता है।' हुमा की इस पोस्ट ने दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री दोनों में व्यापक बहस छेड़ दी। देश के कई शहरों—जैसे दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता और पटना के फैंस ने उनकी बात का समर्थन किया और थिएटर मालिकों से फिल्म के शो बढ़ाने की मांग की। कई दर्शकों ने सोशल मीडिया पर टिकट बुकिंग ऐप्स के स्क्रीनशॉट साझा किए, जिनमें दिख रहा था कि सिंगल सलमा के शो या तो हाउसफुल हैं या फिर उपलब्ध ही नहीं। इससे साफ है कि दर्शकों की दिलचस्पी मौजूद है, लेकिन थिएटर वितरण प्रणाली की असमानता के कारण उन्हें मौका नहीं मिल पा रहा।

मीना कुमारी का किरदार निभाएगी कियारा आडवाणी

मदरहुड का आनंद लेने का बाद एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने अपनी पहली फिल्म साइन कर ली है, जो बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मीना कुमारी की जिंदगी पर आधारित होगी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी पर आधारित बायोपिक 'कमाल और मीना' की घोषणा की थी। तब से यह चर्चा में था कि इस फिल्म में फ्ट्रेजेडी क्वीनफ् मीना कुमारी का किरदार कौन निभाएगा। लंबे समय से कृति सेनन और कियारा आडवाणी के नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि कियारा आडवाणी को इस प्रतिष्ठित रोल के लिए फाइनल कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्ममेकर को कियारा में वह भावनात्मक गहराई और विंटेज बॉलीवुड चार्म मिला है, जो मीना कुमारी के किरदार के लिए जरूरी था। बताया गया है कि कियारा इस भूमिका की तैयारी में पूरी तरह जुटने वाली हैं।

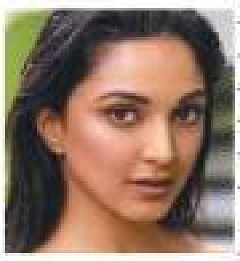

फिर से वायरल हो रहे ऐश्वर्या और अभिषेक के पुराने बयान

पिछले साल से बॉलीवुड कपल्स ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच दूरियों और तलाक की अफवाहें लगातार चर्चा में हैं। कपल्स के पुराने इंटरव्यू और बयान सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि कभी यह कपल अपने रिश्ते को लेकर कितना खुलकर बात करता था। साल 2007 में शादी के बंधन में बंधे ऐश्वर्या और अभिषेक की जोड़ी को फैंस आज भी फ्परफेक्ट कपलफ् मानते हैं। दोनों शादी के बाद टीवी होस्ट ओपरा विंफ्रे के शो पर भी नज़र आए थे, जहां उन्होंने अपनी लव स्टोरी से लेकर शादी तक के सफर के बारे में खुलकर बात की थी। अभिषेक ने उस शो में बताया था कि उन्होंने ऐश्वर्या को न्यूयॉर्क के एक होटल की बालकनी में फिल्म गुरु की शूटिंग के दौरान प्रपोज किया था।

इसी शो के दौरान ओपरा ने भारतीय शादियों की भव्यता पर चर्चा करते हुए कहा था कि इतनी ग्रैंड शादी के बाद अगर दिक्कतें आती हैं, तो तलाक लेना कितना मुश्किल होता है। इस सवाल पर ऐश्वर्या राय बच्चन ने बेहद सधे अंदाज में जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि वह और अभिषेक तलाक के बारे में कभी सोचते भी नहीं हैं। ऐश्वर्या ने मुस्कुराते हुए कहा था, फ्हम कोशिश भी नहीं करते हैं कि इस बारे में सोचें।फ् इस इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने अभिषेक के परिवार के साथ रहने पर भी बात की थी और बताया था कि वह खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें इतना प्यार करने वाला परिवार मिला है। उनकी यह स्पष्ट और सकारात्मक सोच उस वक्त भी लोगों को खूब पसंद आई थी।

आज जब उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं, तो उनके पुराने बयान एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए हैं। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि यह पावर कपल इन अफवाहों को जल्द ही पीछे छोड़कर फिर से एक साथ मीडिया के सामने नजर आए। बता दें कि बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल्स में शुमार ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पिछले साल से दोनों के बीच दूरियों और तलाक की अफवाहें लगातार चर्चा में हैं। हालांकि, अब तक न तो ऐश्वर्या और न ही अभिषेक ने इस पर कोई आधिकारिक बयान दिया है।

महिला विश्व कप विजेता बेटियों का महाराष्ट्र में सम्मान, सीएम फडणवीस बोले- भारत ने बदला इतिहास

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में भारत की जीत की सराहना की और इसे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने विश्व कप घर लाने के लिए टीम की प्रशंसा की। फडणवीस ने क्रिकेटरों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव से बातचीत की, जो महिला विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। बातचीत के दौरान, फडणवीस ने कहा कि यह एक खुशी का दिन है। महिला टीम ने विश्व कप जीता। पहले, हम विश्व कप को कुछ ही देशों में जाते देखते थे। लेकिन आपने सब कुछ बदल दिया और विश्व कप घर ले आए। आपने इतिहास रच दिया है।

आईसीसी महिला विश्व कप पर कब्जा करने का भारत का वर्षों पुराना सपना आखिरकार 2005 और 2017 के फाइनल में दो दिल टूटने के बाद एक वास्तविकता बन गया, क्योंकि उन्होंने फाइनल में एक शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराया, जिसमें शेफाली वर्मा (87 और 2/36) और दीप्ति शर्मा (58 और 5/39) ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया, जो लाखों लोगों के दिमाग में अंकित रहेगा और भविष्य के क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा की कहानी के रूप में काम करेगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने भारत की ऐतिहासिक आईसीसी महिला विश्व कप जीत पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश और खासकर महाराष्ट्र के लिए बहुत सम्मान की बात है, जिसमें टीम के प्रमुख खिलाड़ियों और मुख्य कोच का योगदान दिया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारी महिला टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप का खिताब जीता है... भारत ने इसे पहली बार जीता है... हमारी टीम ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मुलाकात की। हम उन्हें भी आमंत्रित करना चाहते थे, लेकिन हम भविष्य में पूरी टीम को आमंत्रित करेंगे। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, राधा यादव और कोच अमोल मजूमदार महाराष्ट्र से हैं, इसलिए हमने उनका स्वागत और सम्मान करने का फैसला किया। इन लड़कियों ने एक बार फिर भारतीय लड़कियों को सपने देखने के लिए प्रेरित किया है, और हमारी लड़कियां बड़े पैमाने पर खेल के मैदान में प्रवेश करेंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का एक निर्णय है कि जब कोई एथलीट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करता है, तो हम उसे लगभग 2.25 करोड़ रुपये पुरस्कार राशि के रूप में देते हैं। कोच को भी 25 लाख रुपये मिलते हैं। हमने आज उन्हें यह राशि दी, और हमने उनके अन्य कोचों को भी 11 लाख रुपये का पुरस्कार दिया। लेकिन धन से अधिक, उन्होंने देश को जो सम्मान दिलाया है, वह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

महिला विश्वकप सेमीफाइनल की हार से अब भी उबर नहीं पायी हैं एलिसा हीली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी (ऐजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार से अब तक नहीं उबर पायी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 339 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था जिसे जेमिमा रोड्रिग्स के शतक से भारतीय टीम ने हासिल कर सभी को हैरान कर दिया था। इससे 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम मुकाबले से बाहर हो गयी। वहीं भारतीय टीम फाइनल में जीतकर विजेता बनी। हीली ने हालांकि कहा कि उन्हें अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है पर भारतीय टीम के खिलाफ हार को वह भूल नहीं पा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगी, मैं बेहतर हो जाऊंगी। हमने पिछले सात सप्ताह में काफी अच्छा क्रिकेट खेला पर भारतीय टीम से जीत नहीं पाये जिससे निराशा हुई पर मैं इस बात को लेकर उत्साहित हूं कि यह टीम आगे चलकर में क्या कर सकती है। हीली ने माना कि ऑस्ट्रेलिया और रन बना सकती थी। उन्होंने कहा, मुझे सच में लगा था कि हमने थोड़े कम रन बनाए। जब एलिस पेरी और फोएबे बल्लेबाजी कर रही थीं, तो हम 350 से ज्यादा रन बनाने की उम्मीद कर रहे थे। अगर हम वहां और प्रयास करते तो ये संभव हो जाता।

उन्होंने आगे कहा, हर कोई योगदान दे रहा था, हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा था, पर नॉकआउट मैच में परिणाम हमारे अनुसार नहीं रहा। यह दुखद है कि हमारे पास दिखाने के लिए कोई ट्रॉफी नहीं है। हीली ने यह भी कहा कि डीवाई पाटिल स्टेडियम की के लाल मिट्टी वाली पिच दूधिया रोशनी में अलग तरह से व्यवहार करती रही है जिसे हम समझ नहीं पाये।

उन्होंने कहा, शुरुआत में विकेट धीमा था, और दूधिया रोशनी में वह आसानी से फिसलने लगा। हम शायद गेंद के साथ तालमेल बिठाने में उतने तेज नहीं थे और अंत में अपनी लेंथ से भटक गये। सप्टस्क्रीन और लाइट्स के आसपास बहुत कुछ हो रहा था। यह निराशाजनक था। अगर मैं एक मिनट और रुकती, तो हम मैदान छोड़कर वापस आ जाते। हीली ने हालांकि भारत के पैंथ की प्रशंसा की और इस जीत को खेल के लिए एक शानदार पल बताया।

प्रतिका को जय शाह के हस्तक्षेप के बाद आईसीसी ने दिया विश्वकप पदक

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल को भी अब विश्वकप पदक मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने चेयरमैन जय शाह के हस्तक्षेप के बाद प्रतीका को पदक देने का फैसला किया है। आईसीसी का नियम है कि विश्व कप विजेता पदक केवल उन्हीं 15 खिलाड़ियों को मिलता है जो दल का हिस्सा होते हैं। प्रतीका चोटिल हो जाने के कारण सेमीफाइनल्स से पहले बाहर हो गयीं थी। प्रतिका ने छह मैचों में 300 से अधिक रन बनाये थे और वह सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल थी। आईसीसी ने अब अपने नियम को बदलते हुए प्रतीका को पदक देना स्वीकार कर लिया है। प्रतीका को बांग्लादेश के खिलाफ लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले के दौरान चोट लग गई थी ऐसे में उनकी जगह दल में शेफाली वर्मा को शामिल किया गया था।

दल का हिस्सा होने की वजह से शेफाली को केवल 2 मैच खेलने के बाद भी विजेता का पदक मिला था पर लीग स्तर में शानदार प्रदर्शन करने वाली प्रतीका को नहीं मिला। जब प्रतीका रावल को मेडल नहीं मिला तो सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने आवाज उठाई और भारत की जीत में उनके योगदान के लिए आईसीसी पर दबाव बनाया। अब प्रतीका रावल ने कहा है कि आईसीसी प्रमुख जय शाह के कारण उन्हें पदक मिलने वाला है।

रवि शास्त्री की इंग्लैंड को सलाह, एशेज जीतनी है तो ये तरीका अपनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम को एशेज सीरीज जीतने के लिए अहम सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स की टीम को शुरुआती मैचों में लय बनानी होगी, क्योंकि शुरुआती जीत सीरीज का रुख तय कर सकती है। इंग्लैंड ने 2015 के बाद से कोई एशेज नहीं जीती है जिसमें 2019 और 2023 की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी जीत 2010-11 में 3-1 से आई थी। शास्त्री का मानना है कि इस बार इंग्लैंड के पास बेहतर मौका है।

इंग्लैंड को चाहिए मजबूत शुरुआत

रवि शास्त्री, जिन्होंने 2017 से 2021 तक भारत के मुख्य कोच के रूप में कार्य किया, ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में जीत का अनुभव रखते हैं। भारत को उनके कार्यकाल में दो बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत मिली थी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को हराने के लिए लय और आत्मविश्वास जल्दी हासिल करना होगा।

शास्त्री ने स्काईस्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट शो में कहा, 'अगर आप पिछली दो-तीन सीरीज देखें जो इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेली हैं, तो वे बुरी तरह हारे हैं। लेकिन इस बार उनके पास मौका है। अगर उनके तेज गेंदबाज पहले तीन टेस्ट में पूरी तरह फिट रहते हैं, तो वे शुरुआती बढ़त बना सकते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइन-अप अब पहले से कहीं ज्यादा संतुलित है और 'बैजबॉल एप्रोच' अगर सही समय पर काम करे, तो यह ऑस्ट्रेलिया को दबाव में डाल सकती है।

पैट कमिंस की अनुपस्थिति, इंग्लैंड के लिए मौका

शास्त्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति इंग्लैंड के लिए फायदेमंद हो सकती है। इस बार स्टीव स्मिथ कप्तान के रूप में टीम की कमान संभाल रहे हैं, और शास्त्री के अनुसार, यह इंग्लैंड के लिए 'अच्छा प्रदर्शन करने का सबसे बड़ा अवसर' है।

उन्होंने कहा, 'कमिंस के न खेलने से इंग्लैंड के पास सबसे अच्छा मौका है। उन्हें बस जल्दी तालमेल बिठाना होगा और शुरुआती टेस्ट में बढ़त बनानी होगी। अगर वे ऐसा कर लेते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया पर मानसिक दबाव बन सकता है।' शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया में शुरुआत में बढ़त बनाना ही सीरीज जीतने की कुंजी है क्योंकि एक बार घरेलू टीम रफ्तार पकड़ ले, तो उसे हराना मुश्किल हो जाता है।

जेवियर बार्टलेट को टीम से बाहर रखने पर सवाल

रवि शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम के चयन पर भी अपनी राय दी और खासतौर पर तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को बाहर रखने पर आश्चर्य जताया। 26 वर्षीय बार्टलेट ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट में डेब्यू किया था और सिर्फ 5 वनडे में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। शास्त्री ने कहा, 'मैंने जब ऑस्ट्रेलिया की टीम देखी, तो मुझे लगा जेवियर बार्टलेट को जरूर शामिल किया जाएगा। वह शानदार फॉर्म में हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए एक संभावित विकल्प माने जा रहे थे। फिर भी, यह ऑस्ट्रेलिया का मजबूत बॉलिंग अटैक है, खासकर पर्थ की तेज और उछालभरी पिच पर।'

ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में इंग्लैंड के लिए चुनौती

शास्त्री ने यह भी माना कि भले ही इंग्लैंड का स्क्वाड संतुलित दिख रहा हो, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में खेलना हमेशा कठिन होता है। पर्थ और एडिलेड जैसी जगहों पर गेंदबाजों को बाउंस और स्विंग दोनों मिलते हैं, जिससे बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ी होती है। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई पिचें आसान नहीं होतीं। वहां बल्लेबाज को हर रन के लिए मेहनत करनी पड़ती है। अगर इंग्लैंड के गेंदबाज शुरुआती विकेट निकाल सकें और बल्लेबाज लंबे समय तक टिकें, तो सीरीज में उलटफेर संभव है।'

टी20 में भारतीय टीम को हराने इन दो खिलाड़ियों पर लगाना होगा अंकुश : अश्विन

चेन्नई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टी20 में भारतीय टीम को हराने के लिए विरोधी टीम को आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और रहस्यमीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर अंकुश लगाना होगा जो बेहद कठिन है। अश्विन ने कहा, अभी तक मैं कह रहा था कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर नियंत्रण रखना होगा पर अब मुझे लगता है कि जिस प्रकार से टिम डेविड ने वरुण पर नियंत्रण किया वैसा ही करना होगा। मुझे लगता है कि अगर टीमों को भारत से जीतना है तो वे अभिषेक और वरुण को निशाना बनाएंगी। अभिषेक के खिलाफ, हम इस सीरीज में उनकी बनाई रणनीति जरूर देखेंगे और वे उसे जरूर लागू करेंगे। जो भी टीमें आ रही हैं, वे विश्वकप की तैयारी के साथ आ रही हैं। वरुण के खिलाफ भी ऐसा ही होगा, क्योंकि इससे विरोधी टीमों को टी20 विश्व कप में बढ़त मिलेगी। अश्विन ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने अभिषेक को ऑफ स्टंप के बाहर वाइड एंगल से गेंदें डालकर उनकी आक्रामकता रोकने का प्रयास किया है।

अक्षर ने बताया सफलता का राज

गोल्ड कोस्ट। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टीम मैच में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों सबक लेते हुए शॉट खेले जिसका लाभ उन्हें मिला। अक्षर ने इस मैच में 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाकर नाबाद 21 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान अंतिम ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का भी लगाया। अक्षर ने गेंदबाजी में भी जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए दो विकेट लिए। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना अक्षर को गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाने के कारण प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला।

अक्षर ने ' कहा, '' मुझे पता था कि रन बनाना कठिन होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही मैसेज मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर जमे रहो।'' साथ ही कहा, ''मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में बड़े शॉट लगाऊंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था। ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किये।''

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे: मंडाविया बोले- देश को ओलंपिक में मिली पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को नई दिल्ली के ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में एक भव्य शताब्दी समारोह के साथ भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, ओडिशा के खेल और युवा सेवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज, एफआईएच के अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, हॉकी के दिग्गज और राष्ट्रीय टीमों के सदस्य मौजूद थे।

यह समारोह खेल उत्कृष्टता, गौरव और एकता की एक शताब्दी का प्रतीक है, जो 1925 में भारतीय हॉकी की शुरुआत से लेकर आधुनिक युग में इसके पुनरुत्थान तक के सफर का सम्मान करता है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मंडाविया ने इस उपलब्धि का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, 'इस खेल ने कई पड़ाव देखे हैं, और ओलंपिक में हॉकी के माध्यम से ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है। हमने तब से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारतीय हॉकी एक बार फिर उभर रही है और एक और ओलंपिक पदक की ओर बढ़ रही है। आज जब देश भर में 1,000 से ज्यादा मैच खेले जा रहे हैं, तो पूरा भारत इस गौरवशाली क्षण का आनंद ले रहा है। भारत सरकार हमारे खिलाड़ियों और खेल का हर संभव तरीके से समर्थन करती रहेगी। मैं हॉकी इंडिया, खिलाड़ियों, कोचों और प्रशंसकों को इस उल्लेखनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए बधाई देता हूं।'

संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इस ऐतिहासिक दिन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं इस विशेष अवसर पर खेल के दिग्गजों के बीच उपस्थित होकर खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं। भारतीय हॉकी के लिए यह एक लंबी और प्रेरणादायक यात्रा रही है। मैं हॉकी इंडिया को वर्तमान सितारों के साथ-साथ हमारे महान खिलाड़ियों को सम्मानित करने और हमारे समृद्ध इतिहास को हमारे उज्ज्वल भविष्य के साथ जोड़ने के लिए बधाई देता हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा रहे सभी लोगों को बधाई।'

एफआईएच के अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने कहा, 'भारतीय हॉकी के इस ऐतिहासिक पड़ाव का हिस्सा बनना खुशी की बात है। आज हम अपने दिग्गजों, खिलाड़ियों, प्रशंसकों और प्रशासकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस यात्रा को आकार दिया है। भारत ने 100 वर्षों तक विश्व हॉकी में नेतृत्व किया है, लचीलापन और नवीनता का प्रदर्शन किया है। मैं भारत सरकार और हॉकी इंडिया को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का पुनरुत्थान उसकी ताकत दर्शाता है, और मुझे विश्वास है कि अगले 100 वर्ष भारतीय हॉकी के लिए और भी उज्ज्वल होंगे।'

डॉ. मनसुख मंडाविया की अगुवाई वाली खेल मंत्री एकादश और डॉ. दिलीप तिर्की की अगुवाई वाली हॉकी इंडिया एकादश के बीच एक प्रदर्शनी मैच ने दिन का आगाज किया। इस मैच में खेल मंत्रालय एकादश ने ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक के गोलों की बदौलत 3-1 से जीत हासिल की, जबकि हॉकी इंडिया एकादश के लिए मनप्रीत सिंह ने गोल किया।

अंगोला के खिलाफ मैत्री मैच में अर्जेंटीना की टीम की अगुवाई करेंगे मेसी

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी 14 नवंबर को लुआंडा में अंगोला के खिलाफ होने वाले मैत्री मैच में अर्जेंटीना की टीम की अगुवाई करेंगे। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने गुरुवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें तीन नए खिलाड़ी शामिल हैं। बेनफिका के विंगर जियानलुका प्रेस्टियानी, स्ट्रासबर्ग के फॉरवर्ड जोआक्विन पैनिकेली और कोमो के मिडफील्डर मैक्सिमो पेरोन दक्षिण अमेरिकी चैंपियन के लिए चुने गए नए खिलाड़ियों में शामिल हैं। 14 नवंबर को लुआंडा में होने वाला यह मुकाबला आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय सत्र में दक्षिण अमेरिकी टीम का एकमात्र मैत्रीपूर्ण मैच होगा। जैसा कि अपेक्षित था, मेसी एक आक्रामक टीम की अगुवाई करेंगे जिसमें लुटारो मार्टिनेज और जूलियन अल्वारेज भी शामिल हैं। मौजूदा विश्व कप और कोपा अमेरिका चैंपियन गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज के बिना मैदान में उतरेंगे, जो पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। यह मैत्री मैच 2026 फीफा विश्व कप से पहले, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा, स्कालोनी के लिए इस टीम के साथ प्रयोग करने का आखिरी मौका होगा।

अर्जेंटीना टीम : गोलकीपर - गेरोनिमो रुल्ली, वाल्टर बेनिटेज।

डिफेंडर - नहुएल मोलिना, जुआन फोयथ, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस ओटामेंडी, मार्कस सेनेसी, निकोलस टैग्लियाफिको, वैलेंटिन बार्को।

मिडफील्डर - एलेक्सिस मैक एलिस्टर, मैक्सिमो पेरोन, रोड्रिगो डी पॉल, एंजो फर्नांडीज, थियागो अल्माडा, जियोवानी लो सेल्सो, निकोलस पाज।

फॉरवर्ड - लियोनेल मेसी, गिउलिआनो शिमोन, जियानलुका प्रेस्टियानी, निकोलस गोंजालेज, लुटारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज, जोक्विन पैनिचेली।

'मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी', महिला विश्व कप फाइनल में इस प्लेयर के प्रदर्शन पर बोली प्रतिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनोविज्ञान की छात्रा होने के नाते प्रतिका रावल को थोड़ी समझ है कि मानव मस्तिष्क किस तरह काम करता है और उनकी अंतरात्मा से उन्हें महसूस हुआ कि विश्व कप नॉकआउट में उनकी जगह लेने वाली शेफाली वर्मा फाइनल में कुछ खास करेगी। हालांकि प्रतिका टखने और घुटने की चोट के कारण अपने करियर के सबसे अहम दो मैच में खेलने से चूक गई लेकिन उनका शेफाली के बारे में अंदाजा बिलकुल सही रहा।

प्रतिका ने कहा, 'शेफाली को प्रेरणा की जरूरत नहीं है। फाइनल से पहले वह मेरे पास आई और बोली, 'मुझे सच में अफसोस है कि तुम नहीं खेल सकती' और मैंने उससे कहा कि कोई बात नहीं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी।' प्रतिका ने टूर्नामेंट में 308 रन बनाए जिससे वह लौरा वोल्वार्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एश्ले गार्डनर (328) के बाद चौथे स्थान पर रहीं। लेकिन भारत के बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गईं।

उन्होंने कहा, 'मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि मैं अभी मनोवैज्ञानिक हूं क्योंकि मैंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी नहीं की है। लेकिन मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाली एक छात्रा के तौर पर मुझे मानवीय भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली जिसमें मेरी अपनी भावनाएं भी शामिल हैं।' प्रतिका ने कहा, 'पहली बात कि जो हो गया उसे स्वीकार करो। आप उसे वापस नहीं ला सकते। एक बार जब मैंने चोट को स्वीकार कर लिया तो मैंने केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर मैं नियंत्रण कर सकती थी और वो था चोट से उबरना, नींद लेना, पोषण और टीम का समर्थन करते रहना।'

उन्होंने कहा, 'मुझे चोट लगने से निराशा जरूर हुई लेकिन मैं इससे हताश नहीं हुई। मेरे फिजियो हमेशा मेरे साथ थे, मेरे कोच मेरा हालचाल पूछते रहते थे, मेरी मां और भाई के रोज फोन करते थे। मेरे पास एक बहुत अच्छा 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने मुझे निराश या अकेला महसूस नहीं होने दिया।'

उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले रविवार को जब उनको साथी खिलाड़ी मैदान पर उन्हें (व्हीलचेयर पर) जश्न मनाने के लिए ले गईं तब उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात को स्वीकार करने में बहुत समय लगेगा कि हमने विश्व कप जीत लिया है।' इस युवा बल्लेबाज ने जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान के हल्के-फुल्के पलों को साझा करते हुए कहा, 'उन्होंने मुझे भेल खाने की पेशकश की क्योंकि मैं व्हीलचेयर पर थी। मैंने सोचा, 'यह अब तक की सबसे महंगी भेल है!'

मुम्बई इंडियंस ने हरमनप्रीत को दूसरे, नैट साइवर-ब्रंट को पहले नंबर पर रिटेन किया

मुम्बई। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) नीलामी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुम्बई इंडियंस ने दूसरे नंबर पर रिटेन किया। विश्वकप जीतने के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मांग हरमनप्रीत कौर की है। इसके बाद भी उन्हें दूसरे नंबर पर रखा गया है। वहीं पहले नंबर पर इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट को रखा गया है। नीलामी के लिए सभी छह फ्रेंचाइजी ने अपनी रिटेंशन सूची जारी कर दी है। इसमें बड़े नाम अपनी टीम के साथ बरकरार हैं तो कई खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया गया है। हरमनप्रीत को दूसरे नंबर पर रिटेन होने के कारण एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है पर उन्होंने रिटेंशन के लिए सहमति दे दी है। अब उनकी जगह इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट को सबसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। नेट को जहां मुम्बई इंडियंस से 3.5 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि हरमनप्रीत को 2.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। हरमन को साल 2023 में पहली नीलामी के बाद पिछले तीन सत्र में 1.8 करोड़ रुपये मिले थे। नेट साइवर-ब्रंट हरमनप्रीत की कप्तानी वाली मुम्बई इंडियंस टीम की सबसे अहम खिलाड़ी रही हैं। नेट 1072 रनों के साथ ही टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। वह 32 विकेट लेकर पांचवीं सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी हैं। नताली लेस्बियन हैं और उनकी शादी कैथरीन ब्रंट से हुई है। कैथरीन भी दिग्गज क्रिकेटर रही हैं। इस जोड़ी ने मिलकर इंग्लैंड को 2017 का महिला विश्व कप जिताया था।

संक्षिप्त समाचार

कतर के अमीर से मिले आसिफ अली जरदारी, रक्षा सहयोग बढ़ाने की पेशकश

दोहा, एजेंसी। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बुधवार को दोहा में कतर के अमीर, शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात कर रक्षा और रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने की पेशकश की। यह मुलाकात दोहा में चल रहे दूसरे विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन के दौरान हुई, जिसमें राष्ट्रपति जरदारी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जरदारी की रक्षा सहयोग बढ़ाने की पेशकश पर अमीर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत बातचीत शुरू करने का निर्देश देने की बात कही। कतर के अमीर ने हाल में हुए पाकिस्तान-सऊदी अरब रक्षा समझौते पर भी संतोष जताया और इसे एक स्वागतयोग्य और समय पर उठाया गया कदम बताया। उन्होंने पाकिस्तान की अनूठी स्थिति की सराहना की, जो एक साथ चीन, पश्चिम और खाड़ी देशों के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखता है। राष्ट्रपति जरदारी ने गाजा के लिए संघर्ष विराम और मानवीय राहत की वकालत करने में कतर के अमीर के नेतृत्व की प्रशंसा की।

लंदन में दो कैदियों को गलती से किया रिहा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। लंदन की वैंड्सवर्थ जेल से दो कैदियों को गलती से रिहा कर दिया गया। पुलिस अब दोनों की तलाश में जुटी है। यह वही जेल है जहां पिछले साल एक कैदी खाने की गाड़ी के नीचे लटककर भाग गया था। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय ब्राहिम कदूर-शरीफ को 29 अक्टूबर को गलती से रिहा कर दिया गया। वह अल्जीरिया का नागरिक है और चोरी की नीयत से घुसपैठ के आरोप में सजा काट रहा था। पुलिस ने बताया कि वह यौन अपराधी के रूप में भी पंजीकृत है और कई नामों का इस्तेमाल करता है। वहीं, सरे पुलिस के अनुसार, 35 वर्षीय विलियम स्मिथ को सोमवार को धोखाधड़ी के कई मामलों में 45 महीने की सजा सुनाई गई थी, लेकिन उसी दिन गलती से रिहा कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि स्मिथ के वोकिंग इलाके से संबंध हैं। इन घटनाओं से ब्रिटेन की जेल व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। हाल ही में नई लेबर पार्टी सरकार ने सख्त निगरानी प्रणाली लागू की थी, लेकिन यह चूक उसके लिए बड़ी शर्मिंदगी का कारण बन गई है।

इस्लामी उपदेशक जाकिर के बांग्लादेश में प्रवेश पर रोक

ढाका, एजेंसी। भारतीय मूल के विवादित इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका में प्रवेश की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। सरकार ने यह निर्णय भारत के कड़े विरोध के बाद लिया है, जिसमें भारत में जाकिर नाइक को वांछित घोषित होने की दलील दी गई थी। अंतरिम सरकार ने कानून-व्यवस्था कोर कमेटी की बैठक में विवादित इस्लामी उपदेशक को प्रवेश न देने का फैसला लिया। सूत्रों के हवाले से, दैनिक समाचार पत्र प्रोथोम आलो ने बताया कि बैठक में जाकिर नाइक की संभावित यात्रा पर चर्चा हुई। इसमें कहा गया, यदि जाकिर नाइक बांग्लादेश आते हैं, तो वहां भारी भीड़ होगी। रिपोर्ट में बताया गया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन कर्मियों की आवश्यकता होगी। नाइक की बांग्लादेश यात्रा को देखते हुए, फिलहाल वहां इतने सारे सदस्यों को तैनात करने का कोई अवसर नहीं है।

हेलेन गार्नर को बैली गिफर्ड नॉन-फिक्शन पुरस्कार

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई लेखिका हेलेन गार्नर को उनकी किताब हाउ टू एंड अ स्टोरी के लिए प्रतिष्ठित बैली गिफर्ड नॉन-फिक्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 82 वर्षीय गार्नर को पुरस्कार राशि 65 लाख रुपये लंदन समारोह में दी गई। जूरी अध्यक्ष रॉबी मिलन ने बताया कि छह सदस्यों की समिति ने गार्नर को सर्वसम्मति से विजेता चुना। उनकी डायरी आधारित पुस्तक को उसकी ईमानदार अभिव्यक्ति और गहरी आत्मविश्लेषी शैली के लिए सराहा गया।

भारत के राजदूत ने बेलारूस राष्ट्रपति से व्यापारिक सहयोग पर की चर्चा

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस में भारत के राजदूत अशोक कुमार ने मंगलवार को राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। भारतीय दूतावास के अनुसार, बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं विशेषकर आर्थिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर जोर दिया गया। इससे पहले 27-28 अक्टूबर को भारत-बेलारूस के बीच आठवें दौर की विदेश मंत्रालय स्तरीय वार्ता मिन्स्क में हुई थी।

पाकिस्तान बोला- तालिबानियों की एक कप चाय महंगी पड़ी

डिप्टी पीएम ने कहा- आतंकियों से दोस्ती का खामियाजा भुगत रहे, इमरान इसके जिम्मेदार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को तालिबान से दोस्ती को देश के लिए महंगा बताया। उन्होंने अफगानिस्तान से जुड़े आतंकवाद के लिए पूर्व पीएम इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया। डार ने संसद में 2021 के एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब तत्कालीन डुस्ट्र चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद काबुल गए थे। वहां चाय पीते हुए उन्होंने कहा था कि सब ठीक हो जाएगा। डार ने कहा कि अफगानिस्तान की उस एक कप चाय की आज तक देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

डार बोले- हजारों आतंकी पाकिस्तान लौट आए : डार ने इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार ने तालिबान के सत्ता में आने के बाद बॉर्डर खोल दीं। इससे आतंकी वापस लौट आए। पाकिस्तानी-तालिबान, फितना अल-ख्वारिज और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे ग्रुप अफगानिस्तान से हमले कर रहे हैं। डार ने कहा, जब हम वहां जाते हैं तो वे कहते हैं कि हम एक कप चाय के लिए आए हैं। अल्लाह सबकी मुश्किलें कम करे, लेकिन उस कप चाय की कीमत हमें सबसे ज्यादा चुकानी पड़ी है। डार ने कहा- उस चाय के प्याले ने पूरी सीमा फिर से खोल दी। 35-40 हजार तालिबानी जो यहां से भाग गए थे, फिर से वापस आ गए। इमरान सरकार ने उन आतंकियों को रिहा कर दिया जिन्होंने स्वात में पाकिस्तानी झंडे जलाए थे, लोगों को बेरहमी से मारा था। उस समय रिहा किए गए आतंकी आज बलूचिस्तान में हमलों के सरगना हैं। यह सब हमारे लिए एक सबक है।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल गए थे फैज हामिद : तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही करीब-करीब पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। दुनिया को पहले ही शक था कि पाकिस्तान फौज और डुस्ट्र तालिबान की पूरी मदद कर रही है। सितंबर 2021 की शुरुआत में जनरल फैज हमीद चुपचाप काबुल पहुंचे। यहां एक ही फाइव स्टार सेरेना होटल है। यहां वे तालिबान के आला नेताओं के साथ हाथ में चाय का प्याला लेकर कहकहे लगा रहे थे। संयोग से इसी होटल में ब्रिटेन की एक महिला जर्नलिस्ट मौजूद थी। उसने न सिर्फ फैज के फोटो लिए, बल्कि कुछ सवाल भी किए। इसके जवाब में फैज ने सिर्फ इतना कहा- ऑल इज वेल।

आईएसआई चीफ की 1 महीने में ही चली गई नौकरी : तालिबानी नेताओं से मुलाकात की यह खबर आग की तरह फैल गई। फैज के काबुल दौरे और तालिबान नेताओं से मुलाकात बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन को नागवार गुजरी। अमेरिका को लगा कि जनरल फैज तालिबान नेताओं के साथ मिलकर अफगानिस्तान में अमेरिकी शिकस्त का जश्न मना रहे हैं। अमेरिका और आर्मी चीफ जनरल बाजवा ने इमरान खान पर हामिद को हटाने का दबाव बनाया। ऐसे में काबुल के दौरे के एक महीने बाद ही हामिद को आईएसआई चीफ के पद से हटा दिया गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान में कई दिनों झड़प चल रही 2021 में अमेरिकी सेना के अफगानिस्तान से जाने के बाद तालिबान ने काबुल कब्जा लिया था। तब पाकिस्तान ने तालिबान का समर्थन किया था। इमरान खान ने इसे 'गुलामी की जंजीरें तोड़ना' कहा था। हालांकि अब सीमा पर दोनों देशों की झड़पें बढ़ गई हैं। पिछले महीने पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक्स में दर्जनों लोग मारे गए थे। इसके बाद तालिबान ने जवाबी कार्रवाई की थी। बाद में तुर्किये और कतर की मध्यस्थता से सीजफायर हुआ, लेकिन हिंसा पूरी तरह रुक नहीं है।

दोनों देशों के बीच पहले भी हुआ है तनाव : अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं। 2021 में अफगानिस्तान हुकूमत पर तालिबान के कंट्रोल के बाद से तनाव और बढ़ गया है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति दिन-दहाड़े हुईं छेड़खानी का शिकार

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम संग सड़क हुई पर छेड़छाड़ के बाद उन्होंने बुधवार को पूरे देश में यौन उत्पीड़न को अपराध घोषित करने की मांग की है। हमले के बाद पूरे देश में महिलाओं के सामने मौजूद खतरों को लेकर नई बहस भी शुरू हो गई है। इससे पहले 63 वर्षीय शीनबाम पर हमला तब हुआ जब वे मंगलवार को मेक्सिको सिटी में राष्ट्रपति भवन के पास समर्थकों का अभिवादन स्वीकार कर रही थीं।

जानकारी के मुताबिक क्लाउडिया एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जा रही थीं। तभी अचानक एक शराबी शख्स उनके पास आया, उनके कंधे पर हाथ रखा और दूसरे हाथ से उनकी छाती को छुआ, साथ ही उनकी गर्दन को चूमने की कोशिश की। हालांकि राष्ट्रपति सुरक्षा दल के एक सदस्य ने उसे तुरंत दूर खींच लिया।

यह घटना कैमरे में कैद हो गई और बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अब देश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। इस मामले में मेक्सिको के रिकॉर्ड भी चिंताजनक है। देश में यौन उत्पीड़न आम है और अधिकार समूह गंभीर संकट की चेतावनी दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की लगभग 70 प्रतिशत मेक्सिकन महिलाओं को अपने जीवन में कम से कम एक बार यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि मेक्सिको में हर दिन औसतन 10 महिलाओं की हत्या होती है। घटना के बाद अब शीनबाम ने बुधवार को कहा है कि सरकार यौन उत्पीड़न से संबंधित राष्ट्रव्यापी कानून की जल्द से जल्द समीक्षा करेगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यह है। अगर मैं शिकायत दर्ज नहीं कराऊंगी, तो बाकी मैक्सिकन महिलाओं का क्या होगा? अगर राष्ट्रपति के साथ ऐसा हुआ, तो हमारे देश की सभी महिलाओं का क्या होगा?' राष्ट्रपति ने कहा, 'यह एक आपराधिक अपराध होना चाहिए और हम इसके लिए एक अभियान शुरू करने जा रहे हैं।'

जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे ट्रंप, बोले- दक्षिण अफ्रीका को तो इसमें होना ही नहीं चाहिए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में अमेरिका बिजनेस फोरम में कहा, 'मैं नहीं जा रहा हूं। दक्षिण अफ्रीका में जी20 की बैठक है। साउथ अफ्रीका को तो अब जी20 में होना ही नहीं चाहिए क्योंकि वहां जो हुआ है वह बुरा है। मैंने उनसे कह दिया है कि मैं नहीं जा रहा हूं। मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधि नहीं करूंगा। उसे वहां नहीं होना चाहिए।'

जी20 की अध्यक्षता अभी दक्षिण अफ्रीका के पास : दक्षिण अफ्रीका ने 1 दिसंबर, 2024 को एक साल के लिए जी20 की अध्यक्षता संभाली थी और वह 22 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग में ग्रुप के नेताओं की बैठक की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब जी20 समिट अफ्रीकी धरती पर होगा। भारत दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 तक जी20 का अध्यक्ष था और भारत की अध्यक्षता में सितंबर 2023 में नई दिल्ली में 18वां जी20 सम्मेलन का आयोजन किया था। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी20 सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए थे।

जी20 समूह में 19 देश शामिल हैं, जिनमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किए, ब्रिटेन और अमेरिका, साथ ही यूरोपियन यूनियन और अफ्रीकन यूनियन सदस्य हैं। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान ही अफ्रीकन यूनियन को आधिकारिक तौर पर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह में स्थायी सदस्य के तौर पर शामिल किया गया। ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मियामी पीढ़ियों से उन लोगों का ठिकाना रहा है जो अफ्रीका में कम्युनिस्ट जुल्म से भागकर आए हैं। ट्रंप ने आगे कहा, 'देखिए साउथ अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में क्या हो रहा है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में क्या हो रहा है।

हजारों कुशल कर्मचारियों को नौकरी देगी कनाडा सरकार, बजट में एच1बी वीजा धारकों के लिए कई एलान

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा एच1बी वीजा की फीस में भारी बढ़ोतरी के बीच कनाडा की मार्क कार्नी सरकार ने बड़ा दांव चला है। दरअसल मार्क कार्नी सरकार ने विदेशी कुशल कर्मचारियों को लुभाने के लिए एक अहम योजना का अपने बजट में एलान किया है। अमेरिका के एच1बी वीजा का लाभ पाने वालों में 70 प्रतिशत तक भारतीय कर्मचारी हैं। ऐसे में कनाडा सरकार की नई योजना से भारतीय कुशल कर्मचारियों को फायदा मिल सकता है। कनाडा सरकार ने बजट में तय किया 1.7 अरब डॉलर का फंड डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने बीते दिनों एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर एक लाख डॉलर सालाना कर दी है। इससे अमेरिका में जाकर काम करने का सपना देखने वाले कुशल तकनीकी पेशेवरों को भारी निराशा हुई। ट्रंप के इस कदम के बीच कनाडा सरकार ने मौका ढूंढा और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय रिसर्चर्स और उच्च प्रशिक्षित तकनीकी पेशेवरों को लुभाने की खास पहल शुरू की है। इसके तहत कनाडा सरकार ने अपने बजट में 1.7 अरब डॉलर का फंड तय किया है, जिससे एक हजार से ज्यादा स्किल्ड रिसर्चर्स को कनाडा में नौकरी दी जाएगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, बजट में कहा गया है, 'इन रिसर्चर्स की दक्षता हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाने और भविष्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में मदद करेगी।' कनाडा सरकार ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के लिए H-1B वीजा धारकों के लिए एक 'एक्सेलेरेटेड पाथवे' का भी एलान किया है। कनाडा अपनी नई अप्रवासन नीति के तहत 2026 से 2028 तक हर साल 380,000 स्थायी रेसिडेंट्स को लाने की योजना बना रहा है। हालांकि, कनाडा, विदेशी छात्रों के सालाना एडमिशन में कटौती जारी रखेगा। अस्थायी निवासियों की संख्या में कटौती कर रही कनाडा सरकार एक तरफ कनाडा कुशल तकनीकी पेशेवरों को लुभाने की कोशिश कर रहा है, वहीं यह अस्थायी रेसीडेंट्स की संख्या में भारी कमी कर रहा है। पहले साल 2026 में कनाडा सरकार की योजना 385,000 अस्थायी निवासियों को कनाडा का वीजा जारी करने की थी और अगले दो वर्षों के लिए यह आंकड़ा 370,000 था। अब कनाडा सरकार ने नए शिक्षा परमिट की संख्या में भारी कमी की है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, अब नए लक्ष्यों के तहत 2026 में अस्थायी निवासियों की संख्या को घटाकर 155,000 और 2027 और 2028 दोनों में 150,000 कर दिया गया है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रंप के वैश्विक टैरिफ पर सुनवाई, न्यायाधीशों ने कानूनी आधार पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए वैश्विक टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर अहम सुनवाई शुरू हो गई है। यह मामला कई वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के सामने आए सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक मामलों में से एक माना जा रहा है। ऐसे में अदालत यह तय करेगी कि ट्रंप ने अन्य देशों पर व्यापक टैरिफ लगाकर कानूनी अधिकारों का सही उपयोग किया या नहीं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सुनवाई के दौरान ट्रंप के वकीलों को सुप्रीम कोर्ट के कई जजों, जिनमें एमी कोनी बैरेट, नील गोरसच और ब्रेट कवानॉ शामिल हैं, को कड़ी पूछताछ का सामना करना पड़ा। जस्टिस बैरेट ने सवाल उठाया कि ट्रंप प्रशासन ने एक संघीय कानून का उपयोग करके सभी देशों पर पारस्परिक टैरिफ क्यों लगाया, जबकि ऐसा करना आवश्यक नहीं था। बता दें कि सुनवाई में अमेरिकी ट्रेजरी अधिकारी स्कॉट बेसेंट भी मौजूद रहे। उन्होंने इससे पहले कहा था कि यह मामला आर्थिक आपातकाल से जुड़ा है और प्रशासन इसे बहुत गंभीरता से ले रहा है।

सरकार किसी भी नतीजे के लिए तैयार- लेविट : वहीं इस सुनवाई को लेकर व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि सरकार किसी भी नतीजे के लिए तैयार है, लेकिन उसे विश्वास है कि कोर्ट ट्रंप के पक्ष में फैसला देगा। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रपति और उनकी टीम के कानूनी तर्कों पर पूरी तरह भरोसा करते हैं। सुप्रीम कोर्ट से हमें सही फैसला मिलने की उम्मीद है। इस दौरान लेविट ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह मामला सिर्फ ट्रंप की नीतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के राष्ट्रपतियों के लिए भी यह तय करेगा कि वे आर्थिक आपातकाल के नाम पर टैरिफ लगाने का अधिकार रखेंगे या नहीं।

ट्रंप बोले- अगर हम जीतेंगे तो अमेरिका सुरक्षित : हालांकि सुनवाई से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने लिखा था कि कल का सुप्रीम कोर्ट केस हमारे देश के लिए सचमुच जीवन और मृत्यु जैसा है। अगर हम जीतते हैं तो अमेरिका आर्थिक और राष्ट्रीय रूप से सुरक्षित रहेगा, वरना दूसरे देश हमें लगातार नुकसान पहुंचाते रहेंगे। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि उनके टैरिफ और व्यापार समझौतों के कारण अमेरिका का शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और देश पहले से कहीं ज्यादा सम्मानित हुआ है।

'मैंने कभी इतने डरे हुए लोग नहीं देखे', ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात पर कही चौंकाने वाली

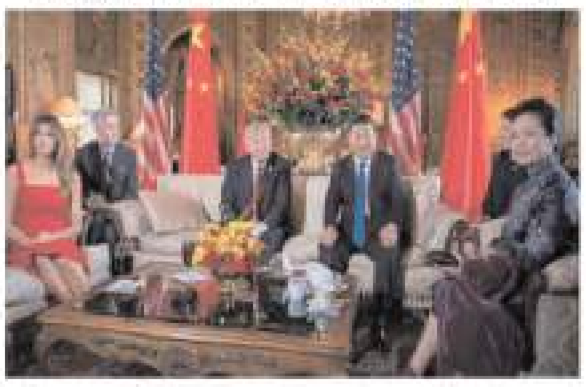

वॉशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर्स के साथ एक बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई हालिया मुलाकात का जिक्र किया। इस दौरान ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक में मौजूद चीनी अधिकारियों का मजाक उड़ाया और कहा कि मैंने अपने जीवन में कभी भी लोगों को इतने डरे हुए नहीं देखा। ट्रंप ने कहा कि वे लोग बिना हिले-डुले और सीधे बैठे हुए थे। ट्रंप ने मजाक में कहा कि मैं चाहता हूं कि मेरी कैबिनेट भी मेरे सामने ऐसे ही व्यवहार करे। ट्रंप के इतना कहने पर हॉल में मौजूद सभी लोग हंस पड़े।

ट्रंप बोले- मैं चाहता हूं मेरी कैबिनेट भी ऐसा ही व्यवहार करे : ट्रंप ने कहा कि 'शी जिनपिंग के साथ बैठक में दोनों तरफ छह-छह अधिकारी मौजूद थे। चीन के अधिकारी एक सीधे खड़े हुए थे।' इसके बाद ट्रंप ने खुद सावधान मुद्रा में खड़े होकर दिखाया कि वे किस तरह से खड़े थे। इस पर वहां मौजूद रिपब्लिकन सीनेटर हंस पड़े। ट्रंप ने आगे कहा कि 'मैंने एक से कुछ पूछा, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। इस पर मैंने उससे पूछा कि क्या वे कुछ बोलना चाहेंगे? लेकिन मुझे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। राष्ट्रपति जिनपिंग ने भी उसे कुछ नहीं बोलने दिया। मैं चाहता हूं कि मेरी कैबिनेट भी ऐसे ही व्यवहार करे।' ट्रंप बोले- मैंने अपने जीवन में इतने डरे हुए लोग नहीं देखे ट्रंप ने आगे कहा कि 'मैंने अपने जीवन में लोगों को इतना घबराए हुए नहीं देखा।

इसके बाद ट्रंप ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों की तरफ देखते हुए मजाक में कहा कि 'आप लोग ऐसे व्यवहार क्यों नहीं करते? जेडी वेंस बिल्कुल ऐसा नहीं करते। जेडी तो बल्कि बातचीत के बीच में ही कूद पड़ते हैं। मैं चाहता हूं कि कुछ हफ्तों के लिए ही सही जेडी भी ऐसा व्यवहार करें।' ट्रंप के इतना कहने पर जेडी वेंस ने भी सावधान मुद्रा दिखाई, जिस पर सभी लोग हंस पड़े। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट पर भी उनकी चापलूसी करने का आरोप लगाते हैं। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की प्रेस सचिव रहीं जेन साकी ने कहा कि ट्रंप कैबिनेट के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच लगता है कि ट्रंप को खुश करने की प्रतिस्पर्धा होती है कि कौन ट्रंप को ज्यादा खुश करेगा।

बांग्लादेश में चुनाव प्रचार की शुरुआत में हिंसा: कई जगहों पर हमले और आगजनी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले आम चुनावों के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत के साथ ही कई जगहों पर हिंसा भड़क उठी है। इस दौरान चिटगांव में विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार एरशाद उल्लाह को गोली लगने से घायल हो गए हैं, जबकि कुमिल्ला जिले में उपद्रवियों ने एक अन्य उम्मीदवार के घर में आग लगा दी।

अंतरिम सरकार ने घटनाओं की कड़ी निंदा की : वहीं अंतरिम सरकार ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि बीएनपी उम्मीदवार एरशाद उल्लाह इस हमले के मुख्य निशाने पर नहीं थे, बल्कि एक भटकी हुई गोली से घायल हो गए। सरकार ने बयान जारी कर कहा, 'हम इस आपराधिक घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और सभी उम्मीदवारों व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चिटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस (सीएमपी) को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं ताकि अपराधियों को जल्द पकड़ा जा सके।

सुरक्षा एजेंसियों को आरोपियों को पकड़ने का आदेश जारी : मुख्य सलाहकार ने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया है कि दोषियों को हर हाल में पकड़कर न्याय के दायरे में लाया जाए। उन्होंने कहा, 'हिंसा और डराने-धमकाने की राजनीति बांग्लादेश की सामाजिक और राजनीतिक संस्कृति में किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है।' सरकार ने सभी राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और चुनावी प्रक्रिया को सम्मानजनक और शांतिपूर्ण बनाएं। बयान में कहा गया, 'सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि फरवरी का आम चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय और उत्सव जैसा माहौल लिए हो।

बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी पर लगाया आरोप : इस बीच बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी पर चुनावी माहौल खराब करने का आरोप लगाया है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि जमात समर्थित छात्र संगठन की हाल की विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूसीएसयू, आरयूसीएसयू, सीयूसीएसयू) में जीत के बाद देश में अस्थिरता बढ़ी है। बीएनपी उम्मीदवार अनवारुल हक ने कहा, 'जमात-ए-इस्लामी और कुछ सरकारी सलाहकार मिलकर देश का माहौल खराब कर रहे हैं। कुछ विदेशी ताकतें भी इसमें शामिल हो सकती हैं। हमारे देश के लोग धार्मिक जरूर हैं, लेकिन अतिवाद के खिलाफ हैं।

कुमिल्ला जिले में बीएनपी प्रत्याशी के घर में आगजनी : वहीं कुमिल्ला जिले के बीएनपी प्रत्याशी मोनोवार सरकार ने आरोप लगाया कि उनके घर को अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। उन्होंने कहा, 'शरारती तत्वों ने मेरे घर में कई चीजों को जला दिया। यह साफ संकेत है कि विपक्ष को डराने की कोशिश की जा रही है।

एसआईआर पर पाखंड कर रही ममता, खुद फार्म भर रही... लोगों को मना कर रही

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और बीजेपी नेता दिलीप घोष का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान हुई कथित हिंसा और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़ी है। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने सार्वजनिक रूप से लोगों से एसआईआर प्रक्रिया में भाग न लेने का आग्रह किया, जबकि उन्होंने स्वयं आवश्यक फॉर्म भरे। केंद्रीय मंत्री मजूमदार ने दावा किया कि उनके घर पर सत्रह फॉर्म पहुंचाए गए हैं, जो ममता बनर्जी के पाखंड को दिखाते हैं। मजूमदार और भाजपा नेता दिलीप घोष दोनों ने दावा किया कि राज्य के कई हिस्सों में भाजपा के बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा हमले किए जा रहे हैं। मजूमदार ने घोषणा की कि भाजपा इस हिंसा के खिलाफ अंत तक लड़ेगी। दिलीप घोष ने टिप्पणी की कि चुनाव और प्रशासनिक गतिविधियों के दौरान हिंसा बंगाल में एक चलन बन गई है। मजूमदार ने मांग की कि अगर चुनाव आयोग इस सरकार के रहते एसआईआर नहीं कर सकता, तब बंगाल में ममता सरकार को हटाकर एसआईआर करवाना चाहिए। भाजपा ने बार-बार टीएमसी पर राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डालने का आरोप लगाया है। भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी पर अवैध प्रवासियों को वोटर कार्ड और आधार कार्ड देने की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने उल्लेख किया कि दो दिन पहले ममता बनर्जी ने आधार कार्ड को नागरिकता के दस्तावेज के रूप में लेने पर सवाल उठाया था, जबकि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि आधार कार्ड नागरिकता का दस्तावेज नहीं है और इसके साथ एक और दस्तावेज की आवश्यकता होती है। पॉल ने दावा किया कि लगभग 172 आधार कार्ड तालाब में तैरते हुए मिले हैं। उन्होंने एक महीने पहले एक बांग्लादेशी शिक्षक की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि टीएमसी विधायक तपन चटर्जी ने एक समूह द्वारा इस सांठगांठ को अंजाम देने की बात कही थी। वहीं सत्तारूढ़ टीएमसी ने भाजपा के सभी आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिया है।

वंदे मातरम् भारत की धड़कन : प्रमोद सावंत

पणजी (एजेंसी)। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के वंदे मातरम् पर दिए गए बयान से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को भारत की धड़कन बताया गया है। यह गीत देश की आजादी के लिए प्रेरणा स्रोत रहा है और आज भी प्रासंगिक है। सावंत के अनुसार, 150 वर्ष पुराने इस गीत में धर्मनिरपेक्षता का संदेश निहित है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोग इस गीत को गाते हैं। उन्होंने युवाओं से इस गीत से प्रेरणा लेकर देश के विकास में योगदान देने की अपील की। यह ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक गीत था, जिसकी हर पंक्ति प्रेरणादायक है और सुनने पर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। रचना- वंदे मातरम् की रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875 में की थी। इसे पहली बार 1882 में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। मुख्यमंत्री सावंत ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी दिन वंदे मातरम् के वर्षभर चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया और इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर एटीसी में तकनीकी खराबी, जयपुर से संचालित कई फ्लाइट के शेड्यूल बिगड़े

जयपुर (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण 300 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई है। इसका असर जयपुर से संचालित कई फ्लाइट के शेड्यूल पर दिखा है। शुक्रवार को जयपुर से दिल्ली जाने वाली तीन फ्लाइट लेट हुई। जयपुर से उदयपुर की फ्लाइट कैंसिल हो गई। अन्य शहरों की 4 फ्लाइट भी लेट हो गई। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1834 सुबह 8:30 बजे की बजाय सुबह 11:54 बजे रवाना हुई। फ्लाइट्स के डिले होने से जयपुर एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा है। जयपुर एयरपोर्ट से संचालन कारणों से कई अन्य फ्लाइट भी लेट हुई हैं। इंडिगो की चंडीगढ़ की फ्लाइट 6ई-7718 करीब साढ़े चार घंटे देरी से सुबह 9:45 बजे की बजाय दोपहर 2:25 बजे रवाना हुई। इंडिगो की जोधपुर की फ्लाइट 6ई-7405 निर्धारित समय सुबह 10:30 बजे की बजाय दोपहर 1:55 बजे उड़ी। इंडिगो की इंदौर की फ्लाइट 6ई-7154 अपने निर्धारित वक्त सुबह 11:50 बजे की बजाय दोपहर 2:20 बजे रवाना हुई। वहीं, शाम 5:30 बजे जयपुर से उदयपुर जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। जयपुर एयरपोर्ट के प्रवक्ता के अनुसार फिलहाल जयपुर एयरपोर्ट पर किसी भी तरह की तकनीकी की समस्या नहीं आई है। हालांकि कुछ फ्लाइट जो दिल्ली से संचालित होने वाली है या दिल्ली जाने वाली है, उनकी टाइमिंग में आंशिक बदलाव किया गया है।

मुंबई बम धमाकों का आरोपी टाइगर मेमन की संपत्तियां होंगी नीलाम

मुंबई (एजेंसी)। 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के आरोपी टाइगर मेमन और उसके परिवार की संपत्तियों की नीलामी की जाएगी। इनमें वह फ्लैट भी शामिल है, जहां कथित तौर पर बम धमाकों की साजिश की एक बैठक हुई थी। विशेष टाडा अदालत से कुल 17 संपत्तियों का विवरण मिला है। आठ संपत्तियों को पहले ही एसएएफईएमए (तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेर अधिनियम प्राधिकरण) ने अपने कब्जे में ले लिया है। इसमें मध्य मुंबई के माहिम में अल हुसैनी इमारत के तीन फ्लैट शामिल हैं, जहां मेमन परिवार रहता था। साजिश की बैठक भी इसी इमारत में हुई थी। आठ जब्त की गई संपत्तियों का मूल्यांकन किया जा रहा है, और नीलामी दिसंबर या जनवरी में शुरू हो सकती है। चार संपत्तियों पर अभी भी मुकदमा चल रहा है। पांच और संपत्तियों के कब्जे की प्रक्रिया जारी है।

अन्य संपत्तियां- उपनगरीय वकोला के कोले कल्याण इलाके में लगभग 400 करोड़ रुपये मूल्य का 10,000 वर्ग मीटर का एक भूखंड है, जिस पर अतिक्रमण के कारण कब्जा नहीं मिला है। जवेरी बाजार, बांद्रा, और कुर्ला (कपाड़िया नगर) में भी फ्लैट/संपत्तियां हैं, जिनकी नीलामी पहले विफल हो चुकी है। दक्षिण मुंबई के मनीष मार्केट में टाइगर मेमन और मोहम्मद दोसा के संयुक्त स्वामित्व वाली चार दुकानें हैं, लेकिन इनसे संबंधित एक अपील अदालत में लंबित है। बता दें कि टाइगर मेमन 12 मार्च 1993 से फरार है और उसके पाकिस्तान में होने का संदेह है। उसके भाई को उसकी भूमिका के लिए 2015 में फांसी दी गई थी। 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों में 257 लोग मारे गए थे।

पंजाब में पराली जलाने की 351 घटनाएँ सामने आईं... सबसे ज्यादा आग लगाने की घटनाएं संगरूर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच, पंजाब में पराली जलाने की 351 घटनाएँ सामने आईं, इससे 15 सितंबर से अब तक कुल 3,284 घटनाएँ हो चुकी हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, संगरूर, तरनतारन, फिरोजपुर, अमृतसर और बठिंडा जिलों में पराली जलाने के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। खेतों में आग लगाने की सबसे अधिक घटनाएं संगरूर में 557, तरनतारन में 537, फिरोजपुर में 325, अमृतसर में 279, बठिंडा में 228, पटियाला में 189 और मोगा में 165 दर्ज की गईं। आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 29 अक्टूबर तक दर्ज 1,216 मामलों की तुलना में इस साल पराली जलाने की घटनाओं में 2,068 की वृद्धि देखी गई। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण में वृद्धि के लिए अक्सर पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया जाता है। चूंकि अक्टूबर-नवंबर में धान की कटाई के बाद रबी की फसल, गेहूं की बुवाई का समय बहुत कम होता है, इसलिए कुछ किसान पराली को जल्दी से हटाने के लिए अपने खेतों में आग लगा देते हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष पंजाब में धान की खेती का कुल क्षेत्रफल 31.72 लाख हेक्टेयर है। 6 नवंबर तक, इसमें से 91.16 प्रतिशत हिस्से की कटाई हो चुकी थी। अब तक 1,867 मामलों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 71.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें से 37.40 लाख रुपये वसूल हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार, रूपनगर जिले में अब तक पराली जलाने की कोई घटना नहीं हुई है, जबकि पठानकोट में एक, एसबीएस नगर में 11 और होशियारपुर में 15 घटनाएँ दर्ज की गई हैं। पंजाब में 2024 में पराली जलाने की 10,909 घटनाएं हुईं, जबकि 2023 में यह संख्या 36,663 थी, यानी 70 प्रतिशत की गिरावट।

केरल पुलिस ने 24 साल बाद बलात्कार के आरोपी को चेन्नई से पकड़ा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल पुलिस ने फरारी काट रहे बलात्कार के आरोपी को 24 साल बाद चेन्नई से गिरफ्तार किया है। केरल का यह शख्स 2001 में एक नाबालिग दलित लड़की के साथ यौन शोषण के मामले में आरोपी था। आरोपी की पहचान 50 वर्षीय मुथुकुमार के रूप में हुई है, जो ईसाई धर्म अपनाने के बाद पास्टर सैम के नाम से चेन्नई में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुथुकुमार को 2001 में 14 साल की स्कूली छात्रा के रेप के आरोप में पकड़ा गया था। उस समय आरोपी ट्यूटर का काम करता था। आरोपी ने दलित लड़की को अपने घर ले जाकर उसके साथ यौन शोषण किया था। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर तीन महीने की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। वह 2001 में जमानत पर छूटकर फरार हो गया था। पुलिस ने बताया कि यह लंबे समय से पेंडिंग मामलों में से एक था। पिछले एक साल से पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी थी। उन्होंने कहा कि इस शख्स ने छिपने के लिए धर्म बदल लिया। रेप के मामले में शामिल होने के बाद, मुथुकुमार को अपना किराए का घर खाली करने के लिए कहा गया था।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का संकट गहराया... मामले की सुनवाई 12 नवंबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का संकट गहरा गया है और हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर बनी हुई है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय इस मामले की सुनवाई 12 नवंबर को करेगा। पिछली सुनवाई (3 नवंबर) में, अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को प्रदूषण को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। वकीलों ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देकर कहा है कि एनसीआर में वायु गुणवत्ता बिगड़ रही है और यह मामला अत्यावश्यक है। दो दिनों के मामूली सुधार के बाद, दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

विशेषज्ञों ने प्रदूषण के लिए निम्नलिखित को प्रमुख कारण बताया है: वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन और औद्योगिक प्रदूषण, पड़ोसी राज्यों में पराली जलाना। दिवाली और प्रतिबंधों का उल्लंघन प्रदूषण में हालिया वृद्धि उस समय हुई जब दिल्ली में वर्षों बाद ग्रीन दिवाली मनाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने 18 से 20 अक्टूबर के बीच दिल्ली-एनसीआर में केवल ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी, वो भी केवल दो विशिष्ट समयों में- सुबह 6 बजे से 7 बजे तक, रात 8 बजे से 10 बजे तक दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, कई निवासियों ने इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किया। सीपीसीबी के आंकड़ों से पता चलता है कि दिवाली के बाद दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 450 को पार कर गया, जिसका कारण पटाखों का धुआं और पराली जलाना था।

भरी अदालत में भड़क उठे सीजेआई बोले- अटॉर्नी जनरल को बता दीजिए...

नई दिल्ली (एजेंसी)। अटॉर्नी जनरल के लगातार अनुपस्थित रहने पर सीजेआई बीआर गवई भड़क गए। ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि लगातार तीसरी बार अटॉर्नी जनरल सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी को शब्दों में निर्देश दिया कि वे अटॉर्नी जनरल को बता दें कि सोमवार को इस मामले की सुनवाई पूरी की जाएगी, ऐसे में वे अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए मौजूद रहें।

सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सोमवार 10 नवंबर 2025 को इस मामले को क्लोज कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट, 2021 की संवैधानिक वैधता को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार द्वारा एक बार फिर स्थगन की मांग किए जाने पर सीजेआई जस्टिस गवई ने कड़ा रुख अपनाया। सीजेआई ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है कि केंद्र इस मामले की सुनवाई 23 नवंबर को मेरे रिटायर होने के बाद ही करवाना चाहती है। मामला विभिन्न प्रमुख ट्रिब्यूनलों में नियुक्ति और उनके कार्यकाल एवं प्रक्रियाओं से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि मौजूदा व्यवस्था ट्रिब्यूनलों की स्वतंत्रता को प्रभावित करती है, क्योंकि नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका बहुत अधिक है। सीजेआई की बेंच ने एएसजी ऐश्वर्य भाटी से रूबरू होते हुए स्पष्ट शब्दों में पूछा कि अगर आप नहीं चाहतीं कि हम सुनवाई करें, तो स्पष्ट कह दें।

दरअसल, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई न करने का अनुरोध किया था। कोर्ट ने 7 नवंबर की तिथि पहले ही तय कर रखी थी। एएसजी ने कोर्ट को बताया कि अटॉर्नी जनरल आर। वेंकटरमणी अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में व्यस्त हैं। इस पर सीजेआई जस्टिस गवई ने तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई जस्टिस गवई ने कहा, 'अगर आप नहीं चाहते कि हम सुनें और फैसला दें, तो बस बता दें। ऐसा लगता है कि आप चाहते हैं कि यह मामला 24 नवंबर के बाद सुना जाए।' सीजेआई जस्टिस गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। सीजेआई की पीठ ने यह भी कहा कि अदालत ने एजी को तीन बार समय दिया, लेकिन हर बार यही बताया गया कि वे व्यस्त हैं। एएसजी ऐश्वर्य भाटी ने बताया कि एजी व्यक्तिगत रूप से यह मामला देख रहे हैं, लेकिन सीजेआई ने इस पर भी आपत्ति जताई और कहा कि तीन बार स्थगन के बावजूद एजी कोर्ट में पेश नहीं हुए हैं। सीजेआई जस्टिस गवई ने 2 नवंबर की आधी रात को केंद्र द्वारा दाखिल उस अर्जी का भी उल्लेख किया जिसमें इस मामले को संविधान पीठ के पास भेजने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, 'पहले आप स्थगन मांगते रहते हैं और फिर रात में अर्जी देते हैं कि मामला संविधान पीठ को भेजा जाए। यह अदालत के साथ न्यायपूर्ण रवैया नहीं है।

हिंदू एकता को बढ़ावा देने 10 दिवसीय पदयात्रा पर निकले आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 7 नवंबर को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की 10 दिवसीय पदयात्रा शुरू की। 145 किलोमीटर की पदयात्रा का उद्देश्य हिंदू एकता को बढ़ावा देना, जाति-आधारित भेदभाव को खत्म कर और शांति, राष्ट्रवाद और सनातन मूल्यों का संदेश फैलाना है। यह पदयात्रा 16 नवंबर तक जारी रहेगी। पदयात्रा के शुभारंभ के मौके पर शास्त्री ने कहा कि यह हमारे जीवनकाल की दूसरी पदयात्रा है। हम पदयात्रा के द्वारा हिंदुओं में जागृति चाहते हैं। जातिवाद और भेदभाव का अंत होना चाहिए। हम इस देश में जातिवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद चाहते हैं। हमारे और आपके हिंदू बच्चे सुरक्षित रहें और देश का इस्लामीकरण न हो। दंगे न हों, गंगा का प्रवाह हो। इसीलिए हम यह पदयात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश सबका है। यह हर उस पार्टी की पदयात्रा है जिसमें हिंदू हैं। अगर जाति-आधारित झगड़े खत्म हो जाएँ, तब हिंदू एकजुट हो जाएँगे। पूरे भारत से करीब 40,000 प्रतिभागियों ने इस पदयात्रा के लिए पंजीकरण कराया है। प्रत्येक दिन की शुरुआत राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा से होगी, जिसके बाद हिंदू एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से सात दैनिक प्रतिज्ञाएँ ली जाएँगी।

मुनीर और शाहबाज को पाकिस्तानी प्रोफेसर ने दिखाया आइना... जम्मू-कश्मीर पर भारत का वास्तविक अधिकार

पाकिस्तान की बर्बादी का कारण जिन्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी प्रोफेसर इश्तियाक अहमद का कहना है कि जम्मू-कश्मीर पर भारत का वास्तविक अधिकार है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने विभाजन के बाद जूनागढ़ रियासत पर दावा किया था, जो उसकी सीमा से 250 किलोमीटर दूर गुजरात में मौजूद थी। पाकिस्तान का दावा था कि जूनागढ़ के शासक मुसलमान हैं और वह चाहते हैं कि पाकिस्तान में आएं। इसलिए जूनागढ़ को पाकिस्तान में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही पाकिस्तान की गलती थी। जूनागढ़ में 91 फीसदी आबादी हिंदू थी और पाकिस्तान शासक के मुसलमान होने के नाम पर चाहता था कि उस हिस्से को अपने साथ मिला लिया जाए। अब यदि यही दलील जम्मू-कश्मीर में लागू करें, तब पाकिस्तान का हक कैसे बनता है।

उन्होंने कहा कि यही गलती पाकिस्तान की थी और जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने बाकायदा विलय पत्र पर साइन करके भारत में शामिल होने का फैसला लिया था। इतना ही नहीं उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में 1947 में मुजाहिद भेज दिए थे। इन लोगों ने बारामूला, पुंछ जैसे इलाकों में घुसकर लूटमार मचाई थी। उन्होंने यूएन के प्रस्ताव का जिक्र कर कहा कि सबसे पहले नियम के अनुसार पाकिस्तान को ही सेना हटानी होगी। उसके बाद भारत वहां से फौज हटाएगा और फिर जनमत संग्रह होगा। लेकिन उन्होंने यहां कहा कि भारत इस मामले में यूएन ना ही जाता, तब ठीक रहता।

प्रोफेसर अहमद ने कहा कि फिलहाल दोनों देश एलओसी को ही सीमा मान लें। हालांकि यह दलील भारत कभी स्वीकार नहीं कर सकता। इसकी वजह पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा किया हुआ है। इश्तियाक अहमद ने कहा कि एक समय था कि अमृतसर से लाहौर तक लोग रोज ही आते-जाते थे। उन्होंने कहा कि शायद ही हम अपनी जिंदगी में अब दोबारा वैसे दिन देख सकते हैं। अहमद ने कहा कि आज हालात यह हैं कि पाकिस्तान के बाजार चौपट पड़े हैं। यदि भारत के साथ रिश्ते बहाल हो जाएं तब इकॉनमी को मदद मिलेगी।

इस दौरान अहमद ने कहा कि आज पाकिस्तान में कोई अल्पसंख्यक समाज बचा ही नहीं है। प्रोफेसर ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जिन्ना के पास अपना कोई प्लान नहीं था। उन्होंने भारत का बंटवारा करा लिया, लेकिन कोई आइडिया नहीं था कि देश कैसे चलेगा। इसकारण पाकिस्तान में शुरुआत से ही कट्टरपंथी ताकतें हावी रहीं। उन्होंने कहा कि भारत में गांधी और नेहरू जैसे नेता पढ़े-लिखे थे।

जहां से भी हिंदू आएंगे, उन्हें नागरिकता और वोट का अधिकार दिलवाएंगे: मिथुन

-अभिनेता और नेता ने कहा- बिहार में बहुमत से जीतेगी बीजेपी

कोलकाता (एजेंसी)। अभिनेता से नेता बने बीजेपी के मिथुन चक्रवर्ती ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की मतदान पर शुक्रवार को कहा कि मतदान जिस तरह हुआ, उससे लगता है कि बीजेपी पूरे बहुमत से जीत हासिल करेगी। मिथुन ने कहा कि बीजेपी को बिहार में सत्ता में आना चाहिए क्योंकि यही एकमात्र पार्टी है जो अच्छा शासन दे सकती है। उन्होंने साफ कहा कि हम इस राज्य में किसी के खिलाफ नहीं हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मिथुन ने कहा कि अफवाहें फैलाकर और लोगों को डराकर कुछ करने की कोशिश की जा रही है। हमने पहले ही कहा है कि जहां से भी हिंदू आएंगे, उन्हें नागरिकता और वोट का अधिकार दिया जाएगा। भारतीय मुस्लिम भी वोटिंग का अधिकार रखते हैं। फिर समस्या कहां है? उन्होंने टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा, वे गैर-भारतीयों के लिए मिशन चला रहे हैं, तो वह अलग बात है। उन्होंने आंदोलन शुरू कर दिया है, लेकिन हिंदुओं के लिए ऐसा नहीं कर सके। वे हिंदुओं और सनातनियों के खिलाफ हैं। पश्चिम बंगाल में 4 नवंबर को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत के बाद से अब तक बूथ स्तर अधिकारियों ने 2 करोड़ से ज्यादा फॉर्म वितरित किए हैं। गणना प्रक्रिया के लिए राज्य के 294 विधानसभा क्षेत्रों में 80,681 बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर फॉर्म बांट रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि गुरुवार रात तक पश्चिम बंगाल में 2.01 करोड़ से ज्यादा गणना फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।' करीब 7.66 करोड़ गणना प्रपत्र तैयार किए गए हैं। हरेक मतदाता को 2 कॉपी प्राप्त होंगी जिसमें से एक मुहर लगी पावती के साथ लौटाई जाएगी। एक निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड के लिए होगी। पश्चिम बंगाल में 23 साल बाद फिर से एसआईआर किया जा रहा है। इससे पहले राज्य में 2002 में एसआईआर हुआ था।

कनाडा बना भारतीयों की पहली पसंद, 2023 में सवा 2 लाख लोगों ने ली नागरिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अधिकांश भारतीय विदेशों की तरफ ज्यादा आकर्षित होते हैं। तमाम देशों में सबसे ज्यादा भारतीय कनाडा को पसंद करते हैं। केवल पढ़ाई या नौकरी के लिए नहीं, बल्कि स्थायी नागरिकता हासिल करने के उद्देश्य से भी देश छोड़ रहे हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में करीब 2.25 लाख भारतीयों ने ओईसीडी सदस्य देशों की नागरिकता प्राप्त की। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है, जो भारत से हो रहे वैश्विक पलायन की नई तस्वीर पेश करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय प्रवासी केवल बेहतर जीवन और करियर अवसरों की तलाश में नहीं हैं, बल्कि कई लोग स्थिर सामाजिक ढांचे और बेहतर भविष्य की सुरक्षा के लिए भी विदेशी नागरिकता का विकल्प चुन रहे हैं। यह प्रवृत्ति बताती है कि भारतीय वैश्विक मंच पर न केवल अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं, बल्कि विकसित देशों की अर्थव्यवस्था और कार्यबल में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

कनाडा के बाद अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भारतीयों की पसंदीदा मंजिलें हैं। अमेरिका में साल 2023 में 52,360 भारतीयों ने नागरिकता ली, हालांकि यह आंकड़ा 2022 के 66,670 की तुलना में कुछ कम है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में 40,361 भारतीयों ने स्थायी नागरिकता प्राप्त की, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इन देशों की उच्च शिक्षा प्रणाली, रोजगार के अवसर और जीवन की गुणवत्ता भारतीय युवाओं को आकर्षित कर रही है। ओईसीडी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब वैश्विक स्तर पर उन देशों में शामिल है, जिनसे सबसे अधिक प्रवासी नागरिक विदेशों में बस रहे हैं। भारत के बाद चीन दूसरे स्थान पर है। वर्ष 2023 में लगभग 3.17 लाख चीनी नागरिकों ने भी ओईसीडी सदस्य देशों की नागरिकता हासिल की, जिनमें अमेरिका और दक्षिण कोरिया प्रमुख गंतव्य रहे। वर्ष 2023 में 78,487 भारतीयों ने कनाडाई नागरिकता हासिल की, जबकि 2022 में यह संख्या 59,405 थी। एक दशक पहले यानी 2013 में केवल 15,388 भारतीयों ने कनाडा की नागरिकता ली थी। स्थिर शासन, रोजगार के अवसर, उच्च जीवन स्तर और स्थायी निवास की सरल प्रक्रिया ने कनाडा को भारतीय प्रवासियों के लिए आकर्षक गंतव्य बना दिया है। हालांकि, हाल के वर्षों में वहां बढ़ती महंगाई, मकानों की कमी और सख्त इमिग्रेशन नीतियां इस रफ्तार को धीमा कर सकती हैं।